राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)-2020 और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT) द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुरूप

सहायक पुस्तिका : 6-8

मनन

हिंदी भाषा की एक अनूठी पाठ्य-पुस्तक

कक्षा-6

1 बहता जल

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) नदी का उद्‌गम स्थल पर्वत है।

(ख) सरिता का जल शीतल, निर्मल और विमल दूध-सा होता है।

(ग) सरिता का जल ऊँचे शिखरों से उतरकर, चट्टानों पर गिरकर दिन-रात कंकड़ों पर चलकर अपनी यात्रा पूरी करता है।

(घ) सरिता का जल धरती के जीवों को जीवन देता है।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) सरिता का जल शीतल, निर्मल और दूध-सा विमल होता है।

(ख) दिन-रात कंकड़-पत्थरों पर चलकर/ बहकर जल वसुधा के अन्तस्थल को धोता है।

(ग) हिम के पत्थरों के पिघलने से सरिता जल का निर्माण होता है।

(घ) सरिता के ठंडे और शीतल जल को पीकर बेचैन को सुख प्राप्त होता है।

(ङ) पंक्ति में जननी धरती को कहा गया है। धरती का हृदय कोमल और स्नेह से भरा होने के कारण ही धरती को जननी कहा गया है।

4. निम्नांकित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

(क) सरिता के जल की छल-छल, कल-कल की मधुर गूँज तन-मन को बेचैन कर देती है।

(ख) सरिता का जल सारा जीवन दिन-रात कंकड़/चट्टानों पर चलकर धरती के हृदय को निर्मल करता रहता है।

5. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

हिम के पत्थर **वे पिघल-पिघल,**
बन गए धरा **का वारि-विमल**।
सुख पाता जिससे अधिक विकल,
पी-पीकर **अंजलि भर** मृदु जल।
नित जलकर भी कितना शीतल,
यह लघु **सरिता का बहता** जल।।

व्याकरण ज्ञान

1. कविता में प्रयुक्त अनुप्रास एवं पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार वाले अंश लिखिए—

(क) अनुप्रास अलंकार — **कर-कर, कल-कल, छल-छल गिर-गिर, युग-युग**

(ख) पुनरुक्ति प्रकाश — **निकल-निकल, कर-कर, छल-छल, उतर-उतर, गिर-गिर, कंकड़-कंकड़, पिघल-पिघल, युग-युग**

2. निम्नलिखित शब्द-युग्मों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए, जिनसे उनके अर्थ का अंतर स्पष्ट हो जाए–

(क) मेल — गीता और सीता में आपस में बहुत **मेल** हैं।
मैल — कीचड़ लगने से कपड़े **मैले** हो गए।

(ख) में — घड़े **में** पानी है।
मैं — **मैं** आज कानपुर जाऊँगा।

(ग) जाल — बहेलिए ने पक्षियों को पकड़ने के लिए **जाल** फैलाया है।
जाला — घर में बहुत-से **जाले** लग गए हैं।

3. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

लघु	**गुरु**	निर्मल	**मलिन**
मृदुल	**कठोर**	रजनी	**दिवस**
शिखर	**निम्नतम**	शीतल	**कठोर**
धरती	**गगन**	करुणा	**हर्ष**

4. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

वसुधा —	घरा	पृथ्वी
गंगा —	देवनदी	मंदाकिनी
जननी —	धरती	माता
सरिता —	नदी	दरिया
वत्सल —	ममता	स्नेह

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए

2 देश प्रेम

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए—

उत्तर–(क) (iii) (ख) (iii) (ग) (iii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) जापान के लोगों की उन्नति और खुशहाली के कारण बड़े-बड़े देश भी जापान से कोसों दूर हैं।

(ख) जापानी लोग ईमानदार, मेहनती, दयालु, सहनशील और अपने देश से प्रेम करने वाले होते हैं।

(ग) अपने देश को स्वर्ग-समान बनाने के लिए देशवासियों के मन में अपने देश के प्रति प्रेमाभाव उत्पन्न करने की प्रेरणा देनी चाहिए।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) जापान को एशिया महाद्वीप की शान कहना इसलिए उचित है, क्योंकि जापान एक छोटा-सा देश होते हुए भी उन्नति और खुशहाली की ओर निरन्तर अग्रसर है।

(ख) जापानी लोग देश की संपत्ति की सुरक्षा और उसकी देखभाल करना अपना प्रथम कर्तव्य मानते हैं।

(ग) जापानी नागरिक द्वारा अपने देश को धर्म से भी बड़ा बताने तथा देश प्रेम की बात को सुनकर विदेशी व्यक्ति भौंचक्का रह गया।

(घ) पुस्तक-विक्रेता ने छात्र को पुरानी पुस्तक इसलिए नहीं दी, क्योंकि पुरानी पुस्तक छात्र को देने से उसके देश की बदनामी होती और थोड़े-से लालच के कारण वह अपने देश की बदनामी सहन नहीं कर सकता।

(ङ) जब किसी भी देश के देशवासियों के मन में अपने देश के प्रति प्रेमाभाव उत्पन्न हो जाता है, तो वह देश स्वर्ग जैसा बन जाता है।

4. **निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–**
(क) सत्य, (ख) सत्य, (ग) असत्य, (घ) असत्य, (ङ) सत्य।

5. **उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थानों को भरिए–**
(क) जापान को **सूर्योदय** का देश भी कहा जाता है।
(ख) जापान की गणना **विकसित** देशों में की जाती है।
(ग) देश हमारे लिए **धर्म** से भी बड़ा है।
(घ) लड़का यह सब **देखकर** हैरान था।
(ङ) मैं अपने देश का **अपमान** सहन नहीं कर सकता।

व्याकरण ज्ञान

नीचे दिए गए वाक्यों में कर्ता पर गोला (○) लगाइए और कर्म के नीचे रेखा खींचिए–
(क) प्रज्ञा ने **आम** खाया।
(ख) बच्चे ने **नाव** बनाई।
(ग) श्री राम ने **रावण** को मारा।
(घ) धोबिन ने **कपड़े** धोए।
(ङ) मधुर ने **गेंद** को उठाया।

2. **निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–**
उत्तर– उदय **अस्त** तुच्छ **महान**
उन्नति **अवनति** इच्छा **अनिच्छा**
देशप्रेमी **शत्रु** प्रेम **घृणा**

3. **निम्नलिखित वाक्यांशों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**
(क) छोटी-सी कार = रमेश के पास एक **छोटी-सी** कार है।
(ख) बड़ा-सा घर = हमारा परिवार एक **बड़े-से घर** में रहता है।
(ग) छोटी-सी नाव = **छोटी-सी नाव** से बड़ी नदी पार नहीं की जा सकती।
(घ) बड़ी-सी हवेली = कंस **बड़ी-सी हवेली** में रहता था।

4. **निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–**
उत्तर– राष्ट्र **देश** उन्नति **प्रगति**
प्रेम **स्नेह** कष्ट **दुःख**
आक्रमण **हमला** पुरानी **प्राचीन**

कार्यकलाप
स्वयं कीजिए।

3 ईमानदारी

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. **सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–**
उत्तर–(क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**
(क) छद्रम वेश धारण करने वाले को बहुरूपिया कहते है।
(ख) कुछ लोग दूसरों की नकल उनको भ्रम में डालने के लिए तथा उनका मनोरंजन करके इनाम पाने के लिए करते हैं।
(ग) महात्मा की आत्मा पवित्र होती है, जबकि महात्मा के वेशधारी बहुरूपिए की नीयत में खोट होता है।
(घ) ईमानदार व्यक्ति सदैव सम्मान का पात्र होता है। अत: मनुष्य के स्वभाव में ईमानदारी का होना जरूरी होता है।

लिखित– Based on NEP 2020

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**
(क) बहुरूपिया धोबी, डाकिए, साधु तथा किसी भी व्यक्ति का हू-ब-हू रूप और व्यवहार धारण कर सकता है।
(ख) बहुरूपिए ने साधु का वेश इसलिए बनाया जिससे वह अपने चतुर सेठ को धोखा देकर उनसे अपनी कला का बहुत बड़ा इमान ले सकें।
(ग) महात्मा के उपदेशों में जादू था और उनके आशीर्वाद से संसार के बड़े-से-बड़े कष्ट दूर होने के कारण साधु की ख्याति दूर-दूर तक फैल गई।
(घ) धन का लोभ मानव को मानव नहीं रहने देता।
(ङ) साधु के लिए धन मिट्टी के समान था। वह स्वयं को माया के मोह में फँसाना नहीं चाहता था। इसलिए उसने सेठ का धन लौटा दिया।
(च) इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें सदैव ईमानदारी व सच्चाई से अपना कार्य करना चाहिए।

4. **उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थानों को भरिए–**
(क) एक बार एक **बहुरूपिए** ने **साधु** का रूप बनाया।
(ख) धीरे-धीरे चारों तरफ **साधु** का **यश** फैलने लगा।
(ग) साधु ने **गंभीर** चेहरा बनाकर **डोली** का परदा उठाया।
(घ) सच्चा सुख **धन का त्याग** करने में है।
(ङ) मैं वही कल वाला **महात्मा साधु** हूँ।
(च) वह तो आपका और **सेठानी** का **विश्वास** और संयोग था।

व्याकरण ज्ञान

1. **निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए–**
प्रसंग + अनुकूल **प्रसंगानुकूल**
मस्तक + अभिषेक **मस्तकाभिषेक**
आनंद + अनुभूति **आनंदानुभूति**
हर्ष + अतिरेक **हर्षातिरेक**
शेष + अंश **शेषांक्ष**
नयन + अभिराम **नयनाभिराम**

2. **निम्नलिखित वाक्यों में आए कारक शब्दों को रेखांकित कीजिए—**
(क) साधु **ने** सेठ का रूप बनाया।
(ख) सेठानी सेठ **की** पत्नी थी।
(ग) वह **मेरे लिए** बेकार है।
(घ) सेठानी **ने** कहा, ''अहा! मैं ठीक हो गई।''
(ङ) मैं संपत्ति **को** त्याग दूँगा।

3. **निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**
(क) विच्छिन्न — अंजलि ने सेब को चाकू से **विच्छिन्न** करके खाया।
(ख) त्रिपुंड — साधु अपने मस्तक पर **त्रिपुड** लगाते हैं।
(ग) वर्ण्य — वाल्मीकि की कथा **वर्ण्य** है।
(घ) क्षत्रिय — राम एक **क्षत्रिय** राज थे।
(ङ) सुषुम्ना — मानव शरीर में **सुषुम्ना** एक महत्त्वपूर्ण ग्रंथि होती है।

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

4 पोंगल

अभ्यास

Based on NEP 2020

मौखिक–

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (i) (ख) (iii) (ग) (i)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) धान की फसल कटने के बाद पोंगल का त्योहार मनाया जाता हैं।

(ख) पोंगल का अर्थ है—परिपूर्ण अर्थात् इन दिनों सभी का घर धान और धन से भरा रहता है।

(ग) सूर्य की ऊष्मा और प्रकाश से ही फसलें पैदा होती हैं।

Based on NEP 2020

लिखित–

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) पोंगल से पहले वाले दिन को बोगी कहते हैं। इस दिन घर को झाड़-बुहारकर साफ करके पुरानी व बेकार चीजों को निकालकर बाहर फेंक देते हैं।

(ख) पोंगल से पहले वाले दिन को जिसे बोगी कहा जाता है, लोग घर को साफ करके पुरानी व बेकार चीजों को निकालकर रात में उन बेकार चीजों की होली जलाते हैं।

(ग) 'बड़ा पोंगल' वाले दिन घर के मुख्य द्वार के बाहर बहुत बड़ा और अलंकृत 'कोलम' बनाया जाता है। यह कोलम सूर्य देवता को समर्पित होता है।

(घ) सूर्य-पूजा के बाद सूर्य देवता को शर्करइ का भोग लगाया जाता है और शर्करइ का प्रसाद बाँटा जाता है। साथ ही ईख काट-काटकर गंडेरिया बनाकर सबको दी जाती है।

(ङ) माट्टू पोंगल के दिन पशुओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट की जाती है। इस दिन सभी अपने पालतू पशुओं की पूजा कर उनको भोग लगाते हैं तथा उनके मस्तक पर हल्दी, कुमकुम लगाकर उनके गले में पुष्पाहार पहनाते हैं।

(च) मंजी विरट्टू में बैलों के मालिक उन्हें खूब सजाते हैं। उनके गले में मोतियों की माला और घंटियाँ बाँधकर तथा कपड़े में रुपए बाँधकर उसे रंग-बिरंगें सीगों वाले बैल के गले में बाँध देते हैं। बैल गलियों में दौड़ने लगते हैं। जवान व सहासी युवक इन बैलों को काबू करने की कोशिश करते हैं। जो युवक ऐसा करने में सफल हो जाता है, पोटली में बँधे रुपए उसी के हो जाते हैं।

4. उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थानों को भरिए–

(क) बोगी के अगले दिन **बड़ा पोंगल** मनाया जाता है।

(ख) यह कोलम **सूर्य देवता** को समर्पित होता है।

(ग) सूर्य की **ऊष्मा और प्रकाश** से ही **फसलें** पैदा होती हैं।

(घ) सूर्य देवता को **शर्करइ** का भोग लगाया जाता है।

(ङ) अंत में **मसाले** आदि डालकर **पकाया** जाता है।

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों में 'तो' शब्द का प्रयोग तीन अलग-अलग तरीकों से किया गया है। उपर्युक्त तीनों के बारीक अंतर को समझकर तीन नए वाक्य बनाइए।

1. काम नहीं करोगे तो पैसे भी नहीं मिलेंगे।
2. पढ़ेंगे नहीं तो पास कैसे हो पाएँगे।
3. बाजार तो जाना ही पड़ेगा।

2. निम्नलिखित अनेकार्थक शब्दों के अर्थ लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) उत्तर = मेरा घर **उत्तर** दिशा में है।
उत्तर = परीक्षा में सभी प्रश्नों के **उत्तर** लिखने आवश्यक है।

(ख) अर्थ = सेठजी के पास बहुत-सा **अर्थ** है।
अर्थ = सभी शब्दों के **अर्थ** लिखने अनिवार्य है।

(ग) हार = बैलों के गले में मोतियों का **हार** पहनाया गया।
हार = क्रिकेट के खेल में किसी एक टीम की **हार** निश्चित है।

3. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए–

फशल	**फसल**	आशीरवाद	**आशीर्वाद**
विधीवत	**विधिवत्**	साश्टांग	**साष्टांग**
रोमानचक	**रोमांचक**	किरतज्ञता	**कृतज्ञता**

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

5 मेरी माँ

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii)

2. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) (i) रामप्रसाद बिस्मिल अपनी माता जी के विषय में कह रहे हैं।

(ii) बिस्मिल की माँ को मोहल्ले की सहेलियों से, जो शिक्षित थी, अक्षर बोध हुआ।

(iii) बिस्मिल को उनकी माँ ने वार्तालाप द्वारा और शिक्षादि के अतिरिक्त क्रांतिकारी जीवन की भी शिक्षा दी।

(iv) **समानार्थी शब्द–**

परिश्रम — मेहनत

देवनागरी — लिपि

अवलोकन — निरीक्षण

(ख) (i) यह कथन रामप्रसाद बिस्मिल का है।

(iii) बिस्मिल की तृष्णा केवल यह है कि वह एक बार श्रद्धापूर्वक माता जी के चरणों की सेवा करके अपने जीवन को सफल बनाएँ।

(ii) बिसिमल की माँ की इच्छा नहीं थी कि बिस्मिल के द्वारा किसी की प्राण हानि हो।

(iv) ऐश्वर्य—क्रांतिकारियों को किसी भी ऐश्वर्य की आवश्यकता नहीं होती।

श्रद्धापूर्वक—हम श्रद्धापूर्वक भगवान को नमन करते हैं।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) राम प्रसाद बिस्मिल एक क्रांतिकारी थे। यह पत्र उन्होंने अपनी माता के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए लिखा है।

(ख) बिस्मिल की माँ का विवाह ग्यारह वर्ष की आयु में हुआ।

(ग) बिस्मिल की माता जी ने गृहकार्य दादा जी की छोटी बहिन से सीखा तथा अक्षर-बोध मोहल्ले की सहेलियों से सीखा।

(घ) बिस्मिल के क्रांतिकारी जीवन में उनकी माता ने उन्हें आत्मिक, धार्मिक एवं सामाजिक उन्नति की शिक्षा दी।

(ङ) गुरु गोविंद सिंह जी की धर्मपत्नी द्वारा अपने पुत्रों का भारत माता की रक्षा के लिए बलिदान देने पर हर्षित होकर मिठाइयाँ बाँटने के संदर्भ में चर्चा हुई।

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए–

उत्तर–जो पढ़ना-लिखना न जाने — **अशिक्षित/अनपढ़**

हिंदी भाषा की लिपि — **देवनागरी**

जन्म देने वाली — **जननी**

जिसका वर्णन न किया जा सके — **अवर्णनीय**

2. निम्नलिखित श्रुतिसम भिन्नार्थकों का वाक्य-प्रयोग द्वारा अंतर स्पष्ट कीजिए–

(क) आय = हमें अपनी **आय** के अनुसार ही खर्च करना चाहिए।

(ख) आयु = सेठ धनीराम के पुत्र की छोटी **आयु** में ही मृत्यु हो गई।

(ग) परिशोध = किसान ने साहूकार का **परिशोध** चुका दिया।

(घ) प्रतिशोध = द्रोपद्री द्वारा अपमानित होने पर दुर्योधन **प्रतिशोध** की ज्वाला में जल उठा।

(ङ) परिमाण = केक बनाने के लिए सभी चीजों का **परिमाण** ध्यान में रखें।

(च) प्रमाण = सत्यता को किसी अन्य **प्रमाण** की आवश्यकता नहीं होती।

(छ) बलि = देहात में आज भी पुशओं की **बलि** दी जाती है।

(ज) बालि = गेहूँ की **बालि** धूप में सुनहरें रंग की दिखाई देती है।

3. दिए गए शब्दों से तीन नए शब्दों की रचना कीजिए–

ग्राम = ग्रामीण, ग्रामवासी, ग्राम पंचायत

शिक्षा = शिक्षार्थी, शिक्षक, शिक्षकगण

ऋण = ऋणदाता, ऋणी, ऋणता

जीवन = जीवनदाता, जीवनी, जनजीवन

4. दिए गए निपातों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए–

(क) तो = काम **तो** करना ही होगा।

(ख) भी = खाना **भी** तो बनाना है।

(ग) ही = मुझे **ही** वहाँ जाना होगा।

(घ) भर = रात **भर** बारिश होती रही।

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

6 हमारी अमूल्य संपदा-वन

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) मानव-जीवन का पर्यावरण से घनिष्ठ संबंध है।

(ख) वायु, जल, पेड़-पौधे, मिट्टी आदि सभी पर्यावरण है।

(ग) मानव जीवन का पर्यावरण से घनिष्ठ संबंध है। अपने जीवन की विविध आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मनुष्य पर्यावरण पर निर्भर है।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) प्राचीन भारतीय ग्रंथों में वनों की महिमा के अनेक उल्लेख उपलब्ध है। अथर्ववेद में वनों को समस्त सुखों का स्रोत, गीता में श्रीकृष्ण ने वृक्ष को ईश्वर की विभूति, अग्निपुराण में वृक्षों को काटना निषेध बताया गया है। मत्स्यपुराण में एक वृक्ष को दस पुत्रों के बराबर बताया गया है।

(ख) वृक्षों के लाभ अनेक है। वृक्षों की जड़ से लेकर तना, शाखाएँ, छाल, फल, फूल, बीज आदि सभी हमारे जीवन के लिए उपयोगी है। वन-उपज का उपयोग गृह-निर्माण, मेज-कुर्सी, दरवाजे, खिड़कियाँ, कृषि उपकरण, खिलौने, माचिस, दवाइयाँ आदि बनाए जाते हैं। वृक्ष वर्षा में भी सहायक होते हैं। वृक्ष भूमि की आर्द्रता को बनाए रखते हैं। वृक्ष वातावरण में विद्यमान धूल-कणों को कम करते हैं तथा पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखते हैं।

(ग) वन तथा परिवेश के हरे-भरे पेड़-पौधे प्रदूषण को रोककर वायुमंडल में संतुलन बनाए रखते हैं।

(घ) 'हरा सोना' पेड़-पौधों/वृक्षादि को कहा जाता है। हरा सोना खुली भूमि पर ही संभव है।

(ङ) वृक्षों के संवर्धन हेतु समय-समय पर देश में 'सामाजिक वृक्षारोपण' कार्यक्रम व्यापक स्तर पर चलाए जाने चाहिए। कृषकों को भी खेतों के मेड़ों तथा निकट खाली भूमि में वृक्ष लगाने चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

4. निम्नलिखित कथनों के आगे 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

(क) सत्य, (ख) सत्य, (ग) असत्य, (घ) असत्य, (ङ) सत्य।

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

सर्वाधिक	=	सर्व	+	अधिक
विद्यार्थी	=	विद्या	+	अर्थी
अत्यावश्यक	=	अत्य	+	आवश्यक
योजनावधि	=	योजन	+	अवधि
संवर्धन	=	सम	+	वर्धन
इत्यादि	=	इति	+	आदि

2. निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग जोड़कर नए शब्द लिखिए–

एक	=	प्रत्येक	दिल	=	बेदिल
वक्त	=	बेवक्त	इमान	=	बेईमान
पेट	=	भरपेट	फल	=	निष्फल

3. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए–

(क) पर्यावरण = वृक्ष **पर्यावरण** को स्वच्छ बनाते हैं।

(ख) आपूर्ति = आज नगर में जल की **आपूर्ति** रहीं।

(ग) धरोहर = वृक्ष राष्ट्र की **धरोहर** है।

(घ) कष्ट = बुढ़ापे में बहुत कष्ट होता है।

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

7 मनुष्यता

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (i) (ख) (i)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) इस कविता के रचयिता मैथिली शरण गुप्त है।

(ख) जो व्यक्ति अपने लिए ही जीता है, वही पशु–प्रवृत्ति है।

(ग) कवि का आशय यह है कि मनुष्य स्वार्थ का त्याग कर दूसरों के काम आए। विपदा में कभी भी धैर्य नहीं खोना चाहिए।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) कविता में बताया गया है कि सदैव स्वार्थ को त्याग कर दूसरों के काम आने वाला मनुष्य ही अमर होता है। ऐसे लोग मरकर भी नहीं मरते। इसलिए मनुष्य को जीवन में सदैव ऐसे कार्य करने चाहिए जिससे मरने के बाद भी उन्हें याद रखा जा सकें।

(ख) सरस्वती उसी मनुष्य की कथा का बखान करती है जो दूसरों के लिए जीता/मरता है और अपनी उदारता से धरती को कृतार्थ करता है।

(ग) संसार महान व्यक्तित्व की उदारता, कीर्ति तथा आत्मविश्वास को पूजता है।

(घ) महान व्यक्तित्व के वश में किया गया विरुद्धवाद विद्वान व्यक्ति के दया–प्रवाह में बह गया।

(ङ) कवि के अनुसार उदार व्यक्ति को माना गया है।

4. भाव स्पष्ट कीजिए–

(क) महान व्यक्तित्व के वश में किया गया विरुद्धवाद विद्वान व्यक्ति के दया–प्रवाह में बह गया।

(ख) यह भी एक बिडंबना है कि मनुष्य ही मनुष्य की भावना को ना समझे। मनुष्य वही है, जो दूसरे मनुष्य के लिए मरता है।

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

सूर्योदय	=	सूर्य	+	उदय
भाग्योदय	=	भाग्य	+	उदय
वार्षिकोत्सव	=	वार्षिक	+	उत्सव
विवाहोत्सव	=	विवाह	+	उत्सव

2. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) वृथा = छात्र **वृथा** ही अपना समय नष्ट कर रहे है।

(ख) प्रवृत्ति = दुर्जन व्यक्ति की **प्रवृत्ति** खराब ही होती है।

(ग) उदार = मनुष्य की **उदारता** ही उसे महान बनाती है।

(घ) अखंड = मंदिर में **अखंडित** मूर्ति की पूजा की जाती।

(ङ) विनीत = छात्र शिक्षकों को **विनीत** भाव से प्रणाम करते हैं।

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

8 भारत का लाल-लाल बहादुर

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) लालबहादुर का जन्म 2 अक्तूबर, 1904 को मुगलसराय के एक गरीब घराने में हुआ था।

(ख) लालबहादुर रोज़ सवेरे नाव से गंगा पार करके स्कूल आता और दिन–भर पढ़ने के बाद शाम को फिर नाव से गंगा पार करके घर चला जाता।

(ग) लालबहादुर के पास पैसे नहीं थे, इसलिए उन्होंने नदी तैरकर पार करने का निश्चय किया।

(घ) जलियाँवाला बाग के नरसंहार के बाद लालबहादुर ने भी आजादी की लड़ाई में शामिल होने का निर्णय लिया।

(ङ) लालबहादुर 16-17 साल के थे, जब उन्होंने आज़ादी की लड़ाई में अपना योगदान दिया।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) माली ने नन्हे से कहा कि तुम्हें अच्छी आदतें सीखकर अच्छा आदमी बनना चाहिए ताकि आगे चलकर तुम्हारी माँ को तुम्हारा सहारा मिल सके। माली की इस बात का नन्हे के दिल पर प्रभाव पड़ा।

(ख) नन्हे को कद में छोटा होने के कारण लोग उसे नन्हे कहते थे।

(ग) मल्लाह ने पहले तो बिना पैसे के ही नदी के पार उतारने की बात कही, फिर पैसे बाद में किसी दिन देने का सुझाव दिया।

(घ) लालबहादुर ने नदी तैरकर पार की।

(ङ) लालबहादुर ने घर पहुँचकर सारा विवरण सुनाया और कहा कि मल्लाह भी तो गरीब है। मेहनत–मजदूरी करके अपने परिवार का पेट पालता है। रही उधारी की बात तो वह भी गंदी आदत है।

(च) जलियाँवाला बाग के नरसंहार को सुनकर लाल बहादुर का मन छटपटा गया। उन्होंने घटना से प्रभावित होकर आजादी की लड़ाई में शामिल होकर देश के लिए अपनी जान देने का निर्णय किया।

(छ) निष्कामेश्वर मिश्र ने लालबहादुर की पीठ ठोंकते हुए कहा कि तुम्हारे जैसे लोग ही देश की सच्ची सेवा कर सकते हैं। ऐसे लोग ही भविष्य में इस देश के सच्चे रत्न कहे जाएँगे।

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

छोटा	= बड़ा	खुश	= उदास
नाटा	= लम्बा	प्यार	= नफरत
करीब	= दूर	गरीब	= अमीर
बंद	= खुला	निरपराध	= अपराध

2. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–

(क) मल्लाह ने सुना तो वह दंग रह गया।

(ख) यह सारा कांड सुनकर लालबहादुर का मन छटपटा उठा।

(ग) नाटा होने के कारण लोग उसे प्यार से नन्हे कहते थे।

(घ) लालबहादुर के पिता तो थे नहीं।

3. पाठ से अल्पविराम (,) के भिन्न-भिन्न चार प्रयोगों को लिखिए–

वह जब छोटा-सा था, तभी उसके पिता की मृत्यु हो गई।

एक दिन की बात है, नन्हे अपने दोस्तों के साथ खेलते हुए फुलवारी में घुस गया।

वह गरीब था तो क्या हुआ, गुणी तो था ही।

और जानते हो, वही छोटा-सा लड़का आगे चलकर सचमुच बड़ा आदमी बना।

4. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) आग-बबूला हो उठना = छोटी-छोटी बातों पर **आग-बबूला** नहीं होना चाहिए।

(ख) पहाड़ टूट पड़ना = पिताजी की मृत्यु के बाद सुरेश पर मुसीबतों का **पहाड़ टूट पड़ा।**

(ग) दंग रह जाना = ताजमहल की सुंदरता को देखकर पर्यटक **दंग रह जाते** है।

(घ) गुजर-बसर करना = नौकरी छुटने के कारण घर का **गुजर-बसर करना** मुश्किल हो गया।

(ङ) पेट-पालना = गरीब व्यक्ति मेहनत-मजदूरी करके अपने परिवार का **पेट पालता है।**

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

9 सत्साहस

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्नलगाइए–

उत्तर–(क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii)

2. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) (i) युवक एक मुसलमान था और उसने सूखशं के क्रूरकर्मा बादशाह मुहम्मद आदिल पर भरे दरबार में कितने ही सिरों और धड़ों को गिराकर आक्रमण करने का असीम साहस प्रकट किया।

(ii) लेखक युवक के कार्य को प्रशंसनीय इसलिए नहीं मानता क्योंकि ऐसे साहस से युवक को कुछ हासिल नहीं हुआ बल्कि उस युवक को मार दिया गया।

(iii) ऐसे साहस को लेखक ने नीच श्रेणी के साहस की श्रेणी में रखा है।

(ख) (i) बुद्धन सिंह मारवाड़ के मौरुदा गाँव का जमींदार था।

(ii) झगड़े के कारण बुद्धन सिंह स्वदेश छोड़कर जयपुर चला गया।

(iii) बुद्धन ने अपने सैनिकों के साथ मारवाड़ कूच किया।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) लेखक ने साहस के सच्चे प्रतीक के रूप में—अर्जुन, भीम, भीष्म, अभिमन्यु, हनीवाल, नेपोलियन, महाराणा प्रताप, शिवाजी, क्रामवेल, रणजीत सिंह और संग्राम सिंह के नामों का उल्लेख किया।

(ख) बादशाह अकबर के पास आए राजपूतों ने घोड़े पर सवार होकर अपने-अपने बरछें संभाले और एक-दूसरे पर बार करने लगे।

(ग) सर्वोच्च श्रेणी के साहस में जिन गुणों का होना आवश्यक है वह हैं—हृदय की पवित्रता तथा उदारता और चरित्र की दृढ़ता और कर्तव्यपरायणता।

(घ) सत्साहसी के लिए स्वार्थ-त्याग भी परमावश्यक है। इस संसार में हजारों ऐसे काम हुए हैं, जिनको लोग बड़े उत्साह से कहते और सुनते हैं। उन कामों को वे बहुत अच्छा समझते हैं और उनके करने वालों को सराहते हैं। परंतु उन कामों में थोड़े से ही ऐसे हैं, जो स्वार्थ से खाली हों।

(ङ) कर्तव्यपरायणता से तात्पर्य है कि कर्तव्य का विचार प्रत्येक साहसी मनुष्य में होना चाहिए। इस विचार से शून्य होने पर कोई भी मनुष्य, फिर चाहे उसके विचार कितने ही उन्नत क्यों न हो, मानव जाति की भलाई के लिए कुछ नहीं कर सकता। कर्त्तव्य-ज्ञान-शून्य मनुष्य को मनुष्य नहीं पशु समझना चाहिए।

4. निम्नलिखित पंक्ति की व्याख्या कीजिए–

संसार के सभी कार्य, चाहे वह छोटे है या बड़े, साहस के बिना संपन्न नहीं होते। "संसार के काम, बड़े अथवा छोटे, साहस के बिना नहीं होते।"

5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) संसार के सभी महापुरुष **साहसी** थे।

(ख) उसके साहस और उसकी **निर्भीकता** का कुछ ठिकाना नहीं है।

(ग) मध्यम श्रेणी का साहस प्राय: **शूरवीरों** में पाया जाता है।

(घ) सत्साहसी व्यक्ति में एक **गुप्त** शक्ति रहती है।

(ङ) **सत्साहस** के लिए अवसर की राह देखने की आवश्यकता नहीं है।

व्याकरण ज्ञान

2. दिए गए शब्दों में से भाववाचक संज्ञा वाले कौन-से हैं? लिखिए–

उन्नत	=	उन्नति
ज्ञान	=	ज्ञानी
पशु	=	पशुता
हितचिंतक	=	हितचिंतनीय
कर्तव्यपरायणता	=	कर्त्तव्यपरायणता
वीरता	=	वीरतत्व

3. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए–

संसार	=	जगत	दुनिया
धरणी	=	धरा	पृथ्वी
निर्भीक	=	निडर	बेखौफ
पवित्र	=	पावन	शुद्ध
बलिष्ठ	=	बलवान	बहादुर

4. दिए गए शब्दों के विशेषण रूप लिखिए–

सम्मान	=	सम्मानित
यश	=	यशस्वी
ज्ञान	=	ज्ञानवान/ज्ञानी
पवित्रता	=	पवित्र

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

11 हींगवाला

अभ्यास

खंड 'क'

मौखिक–

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) हींग रसोईघर में इस्तेमाल होने वाली चीज है।

(ख) हींग सब्जी, दाल में डालने के काम आती है।

लिखित–

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) माँ के द्वारा बच्चों को पैसे नहीं देने के कारण लड़की ने ऐसा कहा।

(ख) बच्चे माँ से मलाई की बरफ खाने के लिए पैसे माँग रहे थे।

(ग) खान ने हींग तौलकर पुड़िया बनाकर रख दी जिसे छोटे बच्चे ने पुड़िया उठाकर खान के पास फेंककर उसे लेने से मना कर दिया था। सावित्री को लगा कि कहीं खान को बुरा ना लगे। इसलिए उसने खान से हींग ले ली।

(घ) बच्चों को जिद करने पर सावित्री ने बच्चों को काली का जुलूस देखने के लिए नौकर श्यामू के साथ भेजा।

(ङ) सावित्री दंगे की बात सुनकर इसलिए घबरा गई क्योंकि उसके बच्चे भी दंगे में फँस गए थे।

(च) खान द्वारा बच्चों को सही-सलामत घर पहुँचाने पर सावित्री के छोटे बच्चे ने उक्त वाक्य कहा।

(छ) उक्त कथन से खान के आपसी सौहार्द्रता का पता चलता है।

खंड 'ख'

भाषा-ज्ञान

1. निम्नलिखित क्रियाओं से तीनों कालों में वाक्य लिखिए–

(क) पढ़ना = रमेश ने थोड़ी देर पहले ही अपना पाठ याद किया था।

(ख) दौड़ना = बच्चे अभी दौड़कर लौटे हैं।

(ग) खाना = मीरा सबके बाद में खाना खाएगी।

2. 'हींगवाला' शब्द में 'वाला' एक प्रत्यय है। 'वाला' प्रत्यय लगाकर छः नए शब्द बनाइए–

उत्तर–खिलौनेवाला, मतवाला, काबुलीवाला, डिब्बेवाला, सब्जीवाला, फेरीवाला।

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

10 राखी की लाज

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (i) (ख) (iii)

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) न जाने क्यों कुछ अमंगल-सा प्रतीत हो रहा है। मेरी दाहिनी आँख फड़क रही है और रात्रि में मैंने बुरा सपना भी देखा था। मुझे बहुत चिंता हो रही है।

(i) उपर्युक्त वाक्य मेवाड़ की महारानी कर्मवती ने कहा।

(ii) उक्त वाक्य कहने वाला इसलिए चिंतित है क्योंकि उन्हें युद्ध का और महाराज का कोई समाचार नहीं मिल रहा।

(iii) राज्य पर गुजरात के बादशाह बहादुर शाह ने आक्रमण किया।

(iv) आँख—अक्षि, सपना—स्वप्न।

(ख) ''राखी वह शीतल प्रलेप है जो सारे घाव भर देता है, वह वरदान है जो सारे बैर-भावों को जलाकर भस्म कर देता है।''

(i) रानी कर्मवती मुगल बादशाह हुमायूँ को राखी भेजना चाहती थी और चाहती थी कि विपत्ति के समय वह उनकी सहायता करें।

(ii) दुश्मन को किले में प्रविष्ट होने से रोकने के लिए कर्मवती हुमायूँ की सहायता माँगती है।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) सेनापति महारानी कर्मवती को युद्ध में अपनी पराजय का समाचार सुनाते हैं।

(ख) सेनापति राजपूत स्त्रियों को जौहर करने के लिए कहते हैं।

(ग) जीवित तन जब अग्नि देव की गोद में समहित हो जाए तो उसे जौहर कहते हैं। यह इसलिए किया जाता है जिससे कि शत्रु के अपवित्र अस्त्र-शस्त्र स्त्रियों के शरीर को ना छू सकें।

(घ) विपत्ति के समय रानी को मुगल बादशाह हुमायूँ को राखी भेजकर उनसे सहायता माँगने का विचार सूझता है।

(ङ) पत्र पढ़कर हुमायूँ रानी कर्मवती की सहायता करने का फैसला करता है।

(च) नाटक के अंत में रानी कर्मवती तेरह हजार स्त्रियों के साथ जौहर कर लेती है। हुमायूँ के आने की खबर सुनकर बहादुर शाह भाग जाता है। हुमायूँ चिता के आगे नत-मस्तक होकर अपनी बहन से देरी के लिए माफी माँगता है।

4. निम्नलिखित पंक्ति की अपने शब्दों में व्याख्या कीजिए–

उत्तर–इस्लाम क्या, कोई भी धर्म यह शिक्षा नहीं देता कि मनुष्य मनुष्य से बैर करें। बल्कि धर्म तो इंसान को दूसरे इंसान से प्यार करना और मिल-जुल कर रहने की शिक्षा देता है। और हर दु:ख-सुख में एक-दूसरे की मदद करें।

व्याकरण ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों की तीनों अवस्थाएँ आगे दिए पृष्ठ पर लिखिए–

उच्च, तीव्र, अधिक।

मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
उच्च	उच्चतर	उच्चतय
तीव्र	तीव्रतर	तीव्रतम
अधिक	अधिकतर	अधिकतम

2. श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्दों का वाक्य-प्रयोग कीजिए–

(क) चिंता = विद्यार्थी को परीक्षा के अच्छे परिणाम की **चिंता** रहती है।

चिता = जौहर के लिए चंदन की लकड़ियों की **चिता** बनाई जाती है।
(ख) दूत = रामचन्द्र जी ने हनुमान जी को **दूत** बनाकर लंका भेजा था।
धूत = पिताजी रमेश की गलती पर उसे **धूत** रहे हैं।
(ग) जरा = मीना की दादी बहुत **जरा** हो गई है।
ज़रा = प्रिया का स्कूल घर से **ज़रा**-सा दूर है।

3. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी लिखिए–

खिलाफ = विरुद्‌ध वजीर = मंत्री
फख्र = गर्व पाक = साफ

4. दिए गए वाक्यों में से उद्‌देश्य व विधेय छाँटकर लिखिए–

(क) महाराज की प्रतीक्षा में मैं बेचैन हूँ, कोई समाचार भी नहीं मिल रहा।
उद्‌देश्य = महाराज
विधेय = बेचैन हूँ
(ख) आप व्यर्थ चिंता न करें, समाचार अच्छा ही मिलेगा।
उद्‌देश्य = आप
विधेय = चिंता

5. निम्नलिखित शब्दों के विपरीत शब्द लिखिए–

नाकामयाबी = कामयाबी
चिंता = प्रसन्नता
खास = मामूली
इंसान = दानव

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

11 युगावतार गाँधी

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (i) (ख) (ii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(क) जो व्यक्ति अपनी भाषा, बातों तथा आज्ञा से सारी जनता को जागरूक करता है। जो सभी धर्मांबडरों, राजतंत्र को त्याग कर मानवता की ओर अग्रसर होता है। उसे ही युगावतार कहा जाता है।
(ख) गाँधी जी के संकेत मात्र पर लोग देश के प्रति अपनी जान न्यौछावर करने को तैयार हो जाते थे।
(ग) गाँधी जी को देश के प्रति सकारात्मक और कर्मठता तथा एक नए राष्ट्र के निर्माण में सहायक की भूमिका निभाने में सहायता करने के कारण ही उन्हें युग द्रष्टा कहा जाता है।
(घ) इस कविता के रचयिता सोहनलाल द्विवेदी जी है।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) उक्त पंक्ति से कवि का आशय है कि यदि गाँधी जी ने कुछ भी राष्ट्र हित के लिए कहा, उसे सारी जनता ने स्वीकार किया और उसका अनुसरण किया।
(ख) मानवता के पावन मंदिर में निर्माण कर सारे राष्ट्र को मानवता के प्रति जागरूक करके धर्मांडबरों में ध्वस्त किया।
(ग) उस समय राष्ट्र/जनता देश के प्रति, अपने कर्तव्यों के प्रति उदासीन थी। गाँधीजी ने उन्हें देश के प्रति उनके कर्तव्यों के प्रति, मानवता के प्रति जागरूक किया।
(घ) गाँधी जी के ज्ञान का क्षेत्र विस्तृत था। उन्होंने जनता को हर क्षेत्र के ज्ञान से अवगत कराया और उन्हें जागरूक किया। इसलिए कवि ने गाँधी जी को दिग्विजय कहा।
(ङ) राष्ट्र में जो अज्ञानता रूपी तंत्र ने अपना जाल फैला रखा था। उसे ध्वस्त करके एक नए राष्ट्र का निर्माण करना ही राजतंत्र के खंडहर का आशय है।

4. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर–तुम बोल उठे, युग बोल उठा— महान व्यक्ति की बातों का सभी अनुसरण करते हैं।
तुम मौन बने, युग मौन बना— यदि वह मौन हुआ तो सभी मौन हो जाते हैं।
कुछ कर्म तुम्हारे संचित कर— कुछ अच्छे कार्य का तुम संचय करो।
युग कर्म जगा, युग धर्म तना।—। अच्छे कर्म होंगे तभी राष्ट्र जागेगा।

व्याकरण ज्ञान

2. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) दृग = अर्जुन की **दृग**-दृष्टि बहुत तेज थी।
(ख) निज = यह मेरा **निजी** अनुभव है।
(ग) संचित = सेठजी ने काफी धन **संचित** किया हुआ है।
(घ) धरा = **धरा** हमारी जननी है।
(ङ) अभिनव = हमेशा कुछ **अभिनव** करते रहना चाहिए।

3. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

पग = कदम कोटि = करोड़
मस्तक = माथा कर्म = कार्य
धरा = धरती जननी = माता

4. निम्नलिखित शब्दों के तुकांत शब्द लिखिए–

डग = मग हाथ = साथ
बना = तना ध्वस्त = हस्त

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

12 ध्रुव

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (ii) (ख) (i)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) राजा उत्तानपाद की दो रानियाँ थीं।

(ख) सुरुचि ने राजा से यह वचन लिया था कि उसके बाद गद्दी का अधिकारी ध्रुव नहीं, उत्तम ही होगा।
(ग) सुरुचि के द्वारा अपमानित होने के बाद ध्रुव वन में जाकर तपस्या करने लगा।
(घ) अंत में राजा ध्रुव बना।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) राजा अपनी छोटी रानी से बहुत प्यार करता था। बड़ी रानी अपने महल में ही पड़ी रहती थी।
(ख) ध्रुव को भगवान की तलाश में अपने घर का त्याग करना पड़ा।
(ग) घर से निकलकर ध्रुव एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमता रहा। और भगवान को ढूँढ़ता रहा।
(घ) ध्रुव थक-हारकर एक दिन एक पेड़ के नीचे आँखें बन्द करके बैठ गया और निश्चय किया कि जब तक भगवान खुद नहीं आएँगे, वह आँखें नहीं खोलेगा।
(ङ) जब किसी ने उसके पास आकर कहा, ''मैं भगवान हूँ आँखें खोलो।'' तब ध्रुव ने भगवान को देखने के लिए आँखें खोलीं।
(च) आँखें खुलने के बाद ध्रुव ने गरीब मेहनत करने वालों की सेवा का काम शुरू कर दिया। बीमारों की दिन-रात सेवा करता।
(छ) राज्य में जगह-जगह से आवाजें उठने लगीं कि वे नहीं चाहते कि उनके ऊपर कोई राजा थोप दिया जाए। वे अपना राजा खुद चुनना चाहते थे।
(ज) अपनी अच्छाइयों के कारण तथा राज्य के गरीब एवं बीमार व्यक्तियों की सेवा करने के कारण ध्रुव को राजा चुना गया।

4. इन प्रश्नों के उत्तर कल्पना व अनुमान के आधार पर दीजिए–

(क) ध्रुव की जगह हम होते तो हम भी वैसा ही आचरण करते जैसा ध्रुव ने किया। भगवान की तलाश में रहते और गरीबों व बीमारों की सेवा करते। क्योंकि इसी में जीवन का सच्चा सुख है। अगर हमारे प्रयास से किसी एक व्यक्ति को भी हम अच्छा कर सके तो हमारा जीवन सफल है।
(ख) राजा चुने जाने के बाद भी ध्रुव ने सुरुचि या उत्तम से कोई बदला नहीं लिया क्योंकि ध्रुव बहुत दयालु व सहनशील था। और वह अपनी सौतेली माँ और भाई से बहुत प्यार करता था। ध्रुव की माँ ने उसे कभी भी किसी का अहित करने की शिक्षा नहीं दी थी।

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त संयुक्ताक्षरों के योग से कोई तीन नए शब्द बनाइए–

परंतु = न्त = अनन्त, शान्त, अन्त
प्रसन्न = न्न = खिन्न, आसन्न, भिन्न
व्यक्ति = क्त = व्यक्त, उपयुक्त, उक्त
बच्चा = च्च = उच्च, कच्चा, सच्चा
बस्ती = स्त = व्यस्त, अस्त, मस्त

2. 'र्' के भिन्न-भिन्न रूपों का प्रयोग करते हुए छः-छः शब्द लिखिए–

(क) क्रम = ग्राम ध्रुव द्रव्य
क्रमांक तीव्र अंग्रेज
(ख) निर्बल = निर्जन गुर्जर जर्जर
दर्शन कर्म धर्म

3. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) ध्रुव = महात्मा जी अपनी **ध्रुव** इच्छा पर दृढ़ है।
(ख) अपमानित = कभी किसी को **अपमानित** न करें।
(ग) दर्शन = माता जी साधु बाबा के **दर्शन** करने गई हैं।
(घ) परलोक = दुष्ट व्यक्ति को **परलोक** में भी सुख नहीं मिलता।
(ङ) लोकप्रिय = ताजमहल विश्व में **लोकप्रिय** पर्यटक स्थल है।

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

13 हँसते-हँसते जीना

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (iii) (ख) (ii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) हाँ, फिलासफर के लिए हँसना मना है।
(ख) जो हँस सकता है, वह व्यक्ति मित्र बनाने के योग्य है।
(ग) सुकरात एक यूनानी दार्शनिक था तथा उनकी पत्नी का स्वभाव झगड़ालू था।
(घ) हिटलर और नेपोलियन अद्‌भुत शक्तियों के स्वामी नहीं थे, एक विशेष अर्थ में वे निश्चय ही महान थे। वे जिंदादिल कम थे।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) स्टालिन तानाशाह है, लाखों-करोड़ों से डंडे के बल अपनी बात मनवा सकता है। लेकिन गाँधी जी कौन कम हैं? उनकी बात करोड़ों मानते हैं और कितने ऐसे माई के लाल हैं जो उसे टाल जाएँ?
(ख) हँसना एक नियामत है। जो इस नियामत से वंचित है वह दया का पात्र है। समाज में अक्सर हास्यप्रियता और हास्य की क्षमता की कमी होती है और जहाँ हँसने की जरूरत होती है हम भृकुटि तानकर और डंडा लेकर दिल लेकर पिल पड़ते हैं। जो हँस नहीं सकता, वह दु:खी तो है ही, खतरनाक भी है।
(ग) लार्ड जार्ज भी हँसकर अपने विरोधियों की बात का जवाब देते थे।
(घ) गन्ने के दो टुकड़े होने पर तुकाराम अपनी पत्नी से बोले—''ठीक किया भाग्यवान् वैसे भी तेरे-मेरे खाने के लिए मुझे इसके दो टुकड़े करने पड़ते। यह सुनकर पत्नी का गुस्सा शान्त हो गया।
(ङ) जीवन को हँसी-खुशी से जीने का ढंग कठिन परिस्थितियों, क्रोध में भरे और दुर्जन लोगों से भी हँसते मुस्कराते निपटने की कला ही जीवन को सही ढंग से जीने का तरीका है।
(च) प्रेमचंद जिंदगी भर बीमार रहते हुए गरीबी और अभाव से जूझते रहे; लेकिन कैसी उन्मुक्त और निश्छल हँसी हँसता था वह कलम का सिपाही!
(छ) लेनिन के बारे में गोर्की लिखता है कि मैंने लेनिन जैसी संक्रामक हँसी किसी और की नहीं देखी.... अजीब बात थी कि इतना कठोर, यथार्थवादी और शोषण से इतनी उत्कट घृणा करने वाला व्यक्ति बच्चों की तरह इतना हँसता था कि गला रुँधने लगता था, आँखों में आँसू आ जाते थे।

4. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**
(क) एक साहब **फिलासफर** होना चाहते थे।
(ख) हँसना एक **नियामत** है।
(ग) हँस सकने वाला सदा **जीतता** है।
(घ) गाँधी जी ने **अहिंसा** का मार्ग अपनाया।

5. **निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिए–**
(क) जिंदगी एक धर्मयुद्ध है, तो इस युद्ध को हम हँसते-हँसते लड़े ना कि गाली-गलौज या किसी अन्य तरीके से।
(ख) जिस व्यक्ति को हँसना आता है, वह हार में भी हँस सकता है और हँसते-हँसते पराजय को भी जीत में बदल सकता है।

व्याकरण ज्ञान

1. **निर्देशानुसार वाक्य बदलिए–**
(क) सुकरात की पत्नी बड़ी झगडालू थी। (प्रश्नवाचक)
सुकरात की पत्नी का स्वभाव कैसा था?
(ख) गन्ना दो टुकड़े हो गया। (निषेधात्मक)
गन्ने के दो टुकड़े नहीं होने चाहिए।
(ग) आप जूते साफ करते हैं। (आज्ञावाचक वाक्य)
चलो, आप अपने जूते साफ करें।

2. **निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–**

दुर्जन	=	सज्जन	अग्रज	=	अनुज
हार	=	जीत	योग्य	=	अयोग्य
पराजय	=	जय	बाह्यमुखी	=	अंत:मुखी

3. **निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त विराम-चिह्न लगाइए–**
(क) एक व्यक्ति बोला, ''पंडित जी आप भूल रहे हैं कि हर मसले के दो पहलू होते हैं।''
(ख) बिल्कुल नहीं भूला, महाशय लार्ड जार्ज हँसते हुए बोले, ''क्योंकि गाड़ी तो अब भी मेरे घर पर खड़ी है; गधा गायब था सो आज यहाँ मिल गया।''

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

14 अमरनाथ की यात्रा

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. **सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–**
उत्तर–(क) (i) (ख) (iii) (ग) (i)

2. **गद्यांशों को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**
(क) (i) उपरोक्त गद्यांश लेखक ने अमरनाथ की यात्रा के संदर्भ में लिखा है।
(ii) लोगों ने लेखक को पहले ही बता दिया गया था कि जैसे-जैसे आप ऊपर जाएँगे, ऑक्सीजन की कमी होती जाएगी और साँस लेने में तकलीफ बढ़ती जाएगी।
(iii) मन में उत्साह होता है तो न ऑक्सीजन की भावी कमी का अहसास सताता है और न डर लगता है।
(ख) (i) यात्रा के दौरान लेखक टट्टू पर सवार हो गया। आगे चलकर घोड़ा बिदकने लगा तो लेखक ने घोड़े के मालिक से कहा, परन्तु उसने ना सुनी। तभी टट्टू ने एक जोर से हिनहिनाहट लगाई और दुलती झाड़ने लगा। यात्रियों में खलबली मच गई और लेखक के सामने मौत नजर आने लगी। लेकिन पता नहीं क्या हुआ कि लेखक जमीन पर सही-सलामत था।
(ii) हादसे में स्वयं को सही-सलामत जीवित देखकर लेखक के मन में धर्म के प्रति आस्था बढ़ गई।
(iii) लेखक की धर्म में आस्था कम थी। और वह यात्रा घूमने के कारण कर रहा था।

लिखित– Based on NEP 2020

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**
(क) दोस्तों के आग्रह पर लेखक ने अमरनाथ यात्रा का कार्यक्रम बनाया।
(ख) ऑक्सीजन की कमी के कारण और अपने स्वास्थ्य की चिन्ता करते हुए लेखक ने महागुनस की चोटी पर पहुँचने के लिए घोड़ा किया।
(ग) वेरीनाग में चिनार के घने पेड़ और खूबसूरत बगीचा था। पता चला कि यह जो नहर है यह झेलम का उद्गम स्थल है और कुंड को चारों तरफ से पक्का बाँध दिया गया है, चिनाब के पानी के बिलकुल विपरीत स्वच्छ निर्मल पानी का कुंड है।
(घ) 'छड़ी मुबारक' श्रीनगर के शंकराचार्य मंदिर में प्रस्थापित शिवलिंग का प्रतीक है और अमरेश्वर शिव से श्रावणी पूर्णिमा को गुफा में जाकर सबसे पहले उन्हीं का मिलन होता है।
(ङ) नीलगंगा के किनारे बसी हुई यह बस्ती धार्मिक दृष्टि से बड़ी महत्त्वपूर्ण है। कथा के अनुसार, एक बार काम-क्रीड़ा और खेल की बातों में भगवान श्री सदाशिव का मुख श्री पार्वती जी के नेत्रों के साथ लग गया। नतीजा यह हुआ कि उनका मुख अंजन के कारण काला हो गया। भगवान् सदाशिव ने अपने मुख को काला देखा, तो उसे श्री गंगा (नीलगंगा) में धोया, जिससे गंगा जी का रंग काला पड़ गया।
(च) तड़के आँख खुली तो टेंट के पीछे की रस्सियाँ खुली हुई और छोटे की ऊनी सदरी, चश्मा, जिसके बिना उसकी समूची दृष्टि यात्रा भर धुँधली रही और बहादुर की बरसाती जैकेट गायब थी।

4. **निम्नलिखित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए–**
उत्तर–लेखक के अनुसार, नदी का बहाव, उसकी अल्हड़ता, दूध-सा निर्मल पानी और उसकी कल-कल की ध्वनि में बिना पूरे पहलगाम में सन्नाटा हो जाए।

5. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**
(क) वह क्षण **मौत** से सीधे **साक्षात्कार** का क्षण था।
(ख) महागुनस की **चोटी** और **टट्टू** की वह खतरनाक दौड़।
(ग) ''**जाको राखे साइयाँ** '' का जाप करते लोग गुजर गए।
(घ) वेरीनाग से जो **बस** चली तो **हरियाली** की गोद में दौड़ती रही।
(ङ) पहलगाम का दूसरा दिन करीब-करीब **यात्रा कार्यालय** में ही बीता।
(च) इस जल के स्पर्श से **महापापों** का नाश हो जाता है।

व्याकरण ज्ञान

1. **वाक्यांशों के लिए उचित शब्द लिखिए–**

जो आस्था रखे	**आस्थावान**
जो व्यक्ति भ्रमण को निकला हो	**यात्री**
घर से बाहर भोजन करने का स्थान	**भोजनालय**
आमने-सामने हुई बातचीत	**साक्षात्कार**

2. निम्नलिखित शब्दों के भिन्न-भिन्न अर्थ लिखिए–

सवार होना = किसी पर सवारी करना, लगातार प्रश्न पूछना।
जान लेना = पता करना, मार देना।
हिसाब लगाना = जोड़-तोड़ करना, नाप-तौल करना।
तना हुआ = सीधा खड़ा होना, बंधा होना।

3. मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

(क) कहर बरपाना = बरबाद करना
महमूद गजनवी ने मंदिरों पर **कहना बरपा** दिया था।

(ख) देखते ही रह जाना = आश्चर्यचकित होना
ताजमहल की चित्रकारी को मैं **देखता ही रह गया।**

(ग) नींद ने दबोच लिया = गहरी नींद आ जाना
हम रातभर जागने का प्रण करके बैठे थे, परन्तु 12 बजते-बजते नींद ने **आकर दबोच लिया।**

(घ) सूना हो जाना = सब खत्म हो जाना
पिताजी की मृत्यु के बाद घर **सूना हो गया।**

4. विशेषण शब्दों के साथ उपयुक्त विशेष्य जोड़कर लिखिए–

निर्मल	=	आकाश	असाधारण	=	व्यक्ति
खूबसूरत	=	लड़की	व्यक्तिगत	=	बातें
श्रद्धावान्	=	भक्त	साहसिक	=	योद्धा

6. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और वाक्य में प्रयोग कीजिए–

(क) साक्षात्कार = आमने-सामने वार्तालाप
अनु को बैंक की नौकरी के लिए **साक्षात्कार** का बुलावा आया है।

(ख) परमात्मा = ईश्वर
हमें सदा **परमात्मा** की भक्ति करनी चाहिए।

(ग) सन्नाटा = सुनसान
जंगल में बहुत सन्नाटा है।

(घ) साहसिक = साहस के कार्य करने वाला
कण एक **साहसिक** योद्धा था।

(ङ) शीतल छाँह = ठंडी छाँव
रामू थक कर पेड़ की शीतल छाँह के नीचे बैठ गया।

कार्यकलाप (Activity)

स्वयं कीजिए।

15 संस्कृति क्या है?

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (ii) (ख) (ii) (ग) (iii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) सभ्यता मनुष्य का वह गुण है जिससे वह अपनी बाहरी तरक्की करता है।

(ख) नहीं सभ्यता और संस्कृति के मायने अलग-लगल है।

(ग) लेखक ने मनुष्य के अंदर छः विकार बताए है।

(घ) संस्कृति का काम आदमी के दोष को कम करना, उसके गुण को अधिक बनाना है।

(ङ) पाठ के आधार पर महात्मा बुद्ध और महावीर ने पुरानी संस्कृति का विरोध किया।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) **सभ्यता**

1. सभ्यता मनुष्य का वह गुण है जिसमें वह अपनी बाहरी तरक्की करता है।
2. पहले के मनुष्य की अपेक्षा सभ्यता में मनुष्य खेती करके अनाज पैदा करने लगा, कपड़े बुनकर पहनने लगा। आज रेलगाड़ी, मोटर-हवाई जहाज, सड़कें, मकान आदि सभ्यता के कारण हुआ। सभ्यता वह गुण है जो हमारे पास है।

संस्कृति

1. संस्कृति मनुष्य का वह गुण है, जिसमें वह अपनी भीतरी उन्नति करता है। अच्छे भोजन का सामान हम सभ्यता के जरिए पैदा करते हैं, लेकिन जिस ढंग से हम भोजन तैयार करते हैं, और जिस कला से हम उसे खाते हैं, वह हमारी संस्कृति होती है। संस्कृति धन नहीं गुण है। यह ठाठ-बाट नहीं; विनय और विनम्रता है।
2. संस्कृति वह गुण है जो हममें छिपा हुआ है। यह बहुत ही महीन व सूक्ष्म है जो हमारी पसंद तथा आदत में छिपी है।

(ख) पाठ के अनुसार एक समय वह था जब आदमी को घर बनाना नहीं आता था। खेती करना नहीं आता था, कपड़ा बुनना नहीं आता था। वह पेड़ की छाया या पहाड़ की खोह में वास करता था। कंदमूल या जंगली जीवों का गोश्त खाकर गुजारा करता था। वह या तो बिना कपड़ों के रहता या पेड़ों की छाल या जानवरों की खाल पहनकर अपनी लाज छिपाता था। इस हालत को मनुष्य की असभ्यता की हालत कहते हैं।

(ग) मनुष्य की समस्त भौतिक संपदाओं को सभ्यता माना है। आज रेलगाड़ी, मोटर, हवाई जहाज, लंबी-चौड़ी सड़कें, बड़े-बड़े मकान, अच्छा भोजन, अच्छी पोशाक से सभ्यता की पहचान है। सभ्यता वह है जो हमारे पास है।

(घ) संस्कृति मनुष्य का वह गुण है जिससे वह अपनी भीतरी उन्नति करता है। दया, माया, परोपकार सीखता है। संस्कृति धन नहीं, गुण है। यह ठाठ-बाट नहीं, विनय व विनम्रता है। संस्कृति वह गुण है जो हममें छिपा हुआ है।

(ङ) आदमी के भीतर जो छह विकार (काम, क्रोध, लोभ, मद, मोह और मत्सर) हैं, वे प्रकृति के दिए गए हैं। मगर, ये विकार अगर बेरोक छोड़ दिए जाएँ तो आदमी इतना गिर जाएगा कि उसमें और जानवर में कोई भेद नहीं रह जाएगा।

(च) संस्कृति का स्वभाव है कि वह आदान-प्रदान से बढ़ती है। जब दो देशों या जातियों के लोग आपस में मिलते हैं तब उन दोनों की संस्कृतियाँ एक-दूसरे को प्रभावित करती हैं।

(छ) भारतीय संस्कृति का जब-जब किसी विदेशी संस्कृति से मिलन हुआ, तब-तब हमारी संस्कृति में एक नई ताजगी आ गई। जब आर्य हमारे देश में आए तो द्रविड़ जाति से मिलकर उन्होंने उस संस्कृति की नींव डाली, जिसे हम भारतीय संस्कृति कहते हैं। जब यह संस्कृति कुछ पुरानी हो गई फिर महात्मा बुद्ध और महावीर ने इसका विरोध किया तथा कुछ उलट-पुलट करके यह संस्कृति फिर से नवीन हो गई। आज के समय में भारतीय संस्कृति में हिन्दुत्व, इस्लाम, ईसाई और यूरोप से विज्ञान और बुद्धिवाद का प्रार्दुभाव हुआ।

में कब-कब, कैसे-कैसे परिवर्तन हुए?

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) सभ्यता मनुष्य का वह गुण है जिससे वह अपनी **बाहरी** तरक्की करता है।

(ख) संस्कृति ठाठ-बाट नहीं, **विनय** और **विनम्रता** है।

(ग) संस्कृति बहुत ही **महीन** और **सूक्ष्म** है।

(घ) संस्कृति का स्वभाव है कि वह **आदान-प्रदान** से बढ़ती है।

(ङ) भारतीय लोग संस्कृति के मामले में बड़े **भाग्यशाली** रहे हैं।

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए–

सभ्य	=	असभ्य	उन्नति	=	अवनति
गुण	=	अवगुण	निर्माण	=	खंडन
पशुता	=	सभ्य	घृणा	=	प्रेम

2. 'मान' शब्द में 'अभि' उपसर्ग जोड़कर शब्द बना 'अभिमान'।

स्वाभिमान, अपमान, असमान, सम्मान

3. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) उन्नति = क्रोध हमारी **उन्नति** में सबसे बड़ी बाधा है।

(ख) सभ्य = हम एक **सभ्य** समाज में रहते हैं।

(ग) सूक्ष्म = सफलता के लिए **सूक्ष्म** बातों पर भी ध्यान रखना चाहिए।

(घ) दोष = अपनी गलती का **दोष** हमें दूसरों पर नहीं थोपना चाहिए।

4. इस प्रकार के पाँच शब्द पाठ से छाँटकर लिखिए–

मत्सर रिवाज गढ़ना
पोशाक तबियत

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

16 प्रेमचंद के फटे जूते

अभ्यास

मौखिक Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (ii) (ख) (i) (ग) (i)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) उक्त निबंध में लेखक ने प्रेमचंद के सादगी के व्यक्तित्व की विशेषताओं को उभारा है कि उन्होंने फोटो खिंचवाते समय फटे जूते, जिसमें से उनकी अंगुली भी बाहर झाँक रही थी, पहन रखे थे। साधारण से कपड़े, सादी-सी टोपी पहनकर ना कोई दिखावा, ना पश्चताप। यही तो महान कथाकार, उपन्यास सम्राट प्रेमचन्द्र के सादगी के व्यक्तित्व की विशेषता है।

(ख) लेखक बनावटी दिखावे की ओर संकेत करते हुए उक्त वाक्य लिखता है।

लिखित–

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) लेखक के अनुसार—प्रेमचंद जी पत्नी के साथ फोटो खिंचा रहे हैं। सिर पर किसी मोटे कपड़े की टोपी, कुरता और धोती पहने हैं। कनपटी चिपकी हैं; गालों की हड्डियाँ उभर आई हैं, पर घनी मूँछे चेहरे को भरा-भरा बतलाती है। पाँवों में कैनवास के जूते हैं, जिनके बंद बेतरतीब बँधे हैं। दाहिने पाँव का जूता कुछ ठीक है, मगर बाएँ जूते में बड़ा छेद हो गया है, जिसमें से अँगुली बाहर निकल आई है।

(ख) लेखक ने फोटो खिंचवाने के महत्त्व के विषय में बताया कि फोटो खिंचवाने के लिए अच्छी पोशाक, अचछे जूते और एक अच्छी-सी मुस्कान चेहरे पर होनी चाहिए।

(ग) लेखक के अनुसार प्रेमचंद की व्यंग्य मुस्कान उसके हौसले पस्त करती है। क्योंकि प्रेमचन्द्र जी बे-तरतीब कपड़े पहने, फटे जूते पहने और एक व्यंग्य मुस्कुराहट के साथ फोटो खिंचवा रहे हैं।

(घ) लेखक के अनुसार प्रेमचंद पत्नी के साथ फोटो खिंचवा रहे हैं।

4. निम्नलिखित पंक्तियों में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए–

(क) लेखक सोचता हूँ, कि प्रेमचन्द जी की फोटो खींचवाने की पोशाक इतनी भद्दी है, तो उनकी प्रतिदिन की पोशाक कैसी होगी।

(ख) लोग-बाग तो फोटो खिंचाने के लिए दूसरो की बीवी तक माँग ले जाते हैं और प्रेमचन्द जी से किसी से जूते नहीं माँगे गए। उन्हें फोटो के महत्त्व का नहीं पाता।

(ग) प्रेमचन्द का जूता कैसे फट गया। शायद कोई चीज या कोई पत्थर होगा जो काफी समय से वक्त की दीवारों के पीछे छुप गया होगा जिसको ढूँढ़ने के लिए उन्होंने ठोकर मार-मारकर जूता फाड़ लिया।

5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) प्रेमचंद का एक **चित्र** मेरे सामने है, **पत्नी** के साथ फोटो खिंचा रहे हैं।

(ख) मेरी **दृष्टि** इस जूते पर अटक गई है।

(ग) तुम फोटो का **महत्त्व** नहीं समझते।

(घ) चक्कर लगाने से जूता **फटता** नहीं है, **घिस** जाता है।

(ङ) मैंने तो **ठोकर** मार-मारकर जूता फाड़ लिया।

व्याकरण ज्ञान

1. 'उपयोग' शब्द 'योग' शब्द में 'उप' उपसर्ग लगाने से बना है।

(क) उप = उपनाम, उपचार, उपयोग, उपग्रह, उपसंहार

(ख) प्र = प्रलय, प्रहार, प्रयोग, प्रगति, प्रक्रिया, प्रबन्ध

(ग) अधि = अधिकार, अधिक, अधिकतम, अधिनायक, अधिशुल्क

(घ) अभि = अभिमान, अभिनय, अभिलाषा, अभियान, अभियोग

(ङ) निर् = निराशा, निर्दोष, निर्मल, निर्भय, निर्बल

(च) दुर् = दुराचार, दुर्जन, दुर्बल, दुर्भाग्य, दुर्लभ

2. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण छाँटकर लिखिए-

पचास रुपये	=	पचास
कंजूस आदमी	=	कंजूस
बीमार बच्चा	=	बीमार
छोटा खरगोश	=	छोटा
चार मीटर कपड़ा	=	चार मीटर

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) पोशाक = ड्रेस
दीपावली पर सब बच्चे नई **पोशाक** पहनते हैं।

(ख) अहसान = उपकार
गाँधीजी ने देश की जनता को अहिंसा का पाठ पढ़ाकर **अहसान** किया।

(ग) परंपरा = रिवाज
हमें परिवार की **परंपरा** का सम्मान करना चाहिए।

(घ) उपहास = मजाक

कभी किसी कमजोर व्यक्ति का **उपहास** नहीं उड़ाना चाहिए।

(ङ) विडंबना = दु:ख

बड़ी **विडंबना** है कि मनुष्य सत्य का साथ नहीं देता।

4. निम्नलिखित वाक्यांशों में से कारक-चिह्न छाँटिए–

(क) बेतरतीब से बँधे जूते **से**

(ख) दाहिने पाँव का जूता **का**

(ग) पोशाकें बदलने का गुण **का**

(घ) माँगे की मोटर से **से, की**

(ङ) कफन के चंदे की शराब **के, की**

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

17 स्वावलंबन

अभ्यास

मौखिक— Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (i) (ख) (ii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) 'स्वावलंबन' दो शब्दों से मिलकर बना है 'स्व' + 'अवलंबन'। 'स्व' का अर्थ है—'अपना' और 'आलंबन' का अर्थ है—'सहारा'। अत: स्वावलंबन का तात्पर्य है, अपना सहारा लेना यानी अपना काम स्वयं करना और किसी भी प्रकार से दूसरों पर निर्भर न होना।

(ख) इस पाठ में अब्राहम लिंकन, मैक्डोनल, श्री लाल बहादुर शास्त्री, डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम और मार्गारेट थैचर जैसी महान हस्तियों का उल्लेख हुआ है।

(ग) अन्य स्वावलंबी महापुरुषों में, धीरूभाई अंबानी, रतन टाटा, श्री नरेन्द्र मोदी आदि का नाम उल्लेखनीय है।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) आत्मनिर्भरता उन्नति का आधार है और आत्मविश्वास का प्रतीक है। जो व्यक्ति समाज में अपने सारे कार्य अपने आप करता है, आवश्यकता पड़ने पर दूसरों की सहायता लेता है और उसी प्रकार दूसरों को भी सहायता देता है, वह व्यक्ति उन्नति की दौड़ में कभी पीछे नहीं रह सकता।

(ख) स्वावलंबी व्यक्ति परिश्रम के कारण शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ होता है। लक्ष्मी उसके घर में निवास करती हैं, इसलिए उसके पास धन की कमी नहीं रहती। वह अपने ही बाहुबल से सारी सुख-सुविधाओं को जुटाने में सक्षम होता है। दूसरों को सहयोग देने के कारण समाज में यश अर्जित करता है। स्वावलंबी पुरुष चहुँ ओर से उन्नति के शिखर पर पहुँच जाता है।

(ग) विद्यार्थी-जीवन में स्वावलंबन का पाठ पढ़ना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि विद्यार्थी-जीवन मानव-जीवन की प्राथमिक अवस्था है। इस जीवन में उसकी जैसी नींव पड़ जाती है, उसी पर उसका सारा जीवन अवलंबित होता है।

(घ) निबंधानुसार एक विद्यार्थी को अपने सारे कार्य स्वयं करने चाहिए। उसे दूसरों पर निर्भर रहने की आदत नहीं होनी चाहिए। अपने कपड़े धोने, पढ़ाई संबंधी कार्य आदि स्वयं करते चाहिए। और बड़े विद्यार्थियों को तो विद्याध्ययन के साथ धन अर्जित करने के साधन भी जुटाने चाहिए। लड़का हो या लड़की, घर-गृहस्थी के कार्य भी सीखने चाहिए, जो जीवन के हर मोड़ पर काम आते हैं।

(ङ) क्योंकि यदि सभी व्यक्ति अपने-अपने क्षेत्र में, अपने-अपने कार्य स्वयं करें। विद्यार्थी स्वावलंबन की शिक्षा पर आचरण करें, तो वे जीवन के किसी भी क्षेत्र में असफल नहीं हो सकते। निरन्तर प्रगति की सीढ़ी पर चढ़ते जाएँगे।

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों का समास-विग्रह कीजिए–

कंचनमाटी = कंचन के समान माटी

राम-लक्ष्मण = राम और लक्ष्मण

नीलाकाश = नीला है जो आकाश

दूध-दही = दूध या दही

2. निम्न शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए–

(क) जो आँखों के सामने हो = सीता **प्रत्यक्ष** रूप से राम के सामने खड़ी थी।

(ख) जिसमें बल न हो = **निर्बल** व्यक्ति पर दया करनी चाहिए।

(ग) दूर की सोचने वाला = **दूरदर्शी** व्यक्ति सदा उन्नति की राह पर चलते हैं।

(घ) हृदय को छूने वाला = प्रेमचन्द के उपन्यास बहुत **मर्मस्पर्शी** होते हैं।

3. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

अत्यावश्यक = अत्य + आवश्यक

परोपकार = पर + उपकार

पराश्रित = पर + आश्रित

विद्यार्थी = विद्या + अर्थी

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

18 परनिंदा

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (iii) (ख) (i) (ग) (i)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) साहित्यशास्त्रियों ने रसों की संख्या दस मानी है।

(ख) लेखक के अनुसार यदि दूसरे की निंदा करने का सुअवसर प्राप्त न हो तो हमारा जीवन वीरान हो जाए।

(ग) खेल में राजा और रंक का भेद नहीं माना जाता।

(घ) जो व्यक्ति मनोरंजन के लिए या किसी समारोह के लिए व्यक्तियों को इकट्ठा करता है वह संयोजक होता है।

(ङ) कबीरदास जी कवि और संत महात्मा थे।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) इस जमाने में यदि सबसे सस्ता एवं सरल मनोरंजन का कोई साधन बचा है तो वह है परनिंदा। इसके लिए न किसी ऑडिटोरियम की आवश्यकता है और न किन्हीं अन्य उपकरणों की, न निमंत्रण पत्र छपवाने का झंझट, न सभा-सोसाइटी बनाकर चुनाव करने की किल्लत, न मासिक चंदा। कम-से-कम एक श्रोता अवश्य चाहिए और आप निंदारस का पूर्ण आनंद उठा सकते हैं।

(ख) कबीरदास ने निंदक का महत्त्व बताते हुए कहा कि निंदा से बिन पानी-साबुन से तन-मन निर्मल हो जाता है। सच पूछा जाए तो निंदा का आनंद परोक्ष में ही होता है। कबीरदास जी तो तिनके की निंदा करने को भी बुरा समझते हैं।

(ग) लोग पीठ पीछे इसलिए निंदा करते हैं, क्योंकि पीठ पीछे निंदा करने का अलग ही मजा होता है। सामने तो मूर्ख कहते हैं। पीठ पीछे निंदा करते हुए ऐसा प्रतीत होता है, मानो बड़ी रकम की लाटरी उनके नाम से निकल आई हो।

(घ) एक व्यक्ति सार्वजनिक रूप से अपनी सास की निंदा करते थे। जब उनकी पत्नी को यह बात पता चली तो दिन भर पत्नी ने खाना नहीं बनाया और शाम को सब सामान भी पैक कर लिया तथा मायके जाने से तैयारी करने लगी।

(ङ) इस पाठ में परनिंदा के गुण-अवगुण से परिचित कराया गया है। जो हमें बहुत अच्छी लगी।

4. निम्नलिखित पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए–

''परनिंदा मीठी रोटी है। जिधर से तोड़ो उधर से मीठी।''

दूसरों की बुराई करना और सुनना हमारे कानों को बहुत अच्छी लगती है और जुबान को तो जैसे मीठी रोटी का स्वाद आ जाता है।

व्याकरण ज्ञान

1. द्वंद्व समास : इसमें दोनों पद समान होते हैं। विग्रह करते समय 'और' का प्रयोग होता है; जैसे–

उदाहरणानुसार विग्रह कीजिए— सुख-दुख — सुख और दुख

पाप-पुण्य = पाप और पुण्य

माता-पिता = माता और पिता

दाल-रोटी = दाल और रोटी

गंगा-यमुना = गंगा और यमुना

2. विशेषण और भाववाचाएँ संज्ञाएँ छाँटकर लिखिए–

विशेषण–महँगाई, आवश्यकता, लापरवाही, बुरा, परेशानी, सावधानी, भोलापन, अनुभवी

भाववाचक संज्ञाएँ–महँगा, लापरवाह, सावधान, बुराई, परेशान, भोला, अनुभव, निंदा

3. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग छाँटकर लिखिए–

सुअवसर = **सु** अभिमान = **अभि**

अपमान = **अप** अधिगम = **अधि**

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

19 अध्ययन

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (iii) (ख) (i)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) धर्म के अभ्यास का अध्ययन एक प्रधान साधन है।

(ख) इस निबंध के लेखक रामचन्द्र शुक्ल है।

(ग) अध्ययन करते समय हमें विद्वान् और प्रतिभाशाली पुरुषों के मनोहर वाक्यों को, उनकी चमत्कारपूर्ण उक्तियों और विचारों को मन में संचित करते रहना चाहिए, जिससे हमारे पास ज्ञान का एक ऐसा प्रचुर भंडार हो जाए कि उसमें से समय-समय पर जब जैसा अवसर पड़े हम शांति, उपदेश और उत्साह प्राप्त कर सकें।

(घ) जो मनुष्य पढ़ना नहीं जानता, उसे भूतकाल का ज्ञान नहीं होता।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) कवि गिरधर ने चेतावनी दी हैं कि जो व्यक्ति बिना अच्छे-बुरे का विचार कर कार्य करता है, उसे बाद में पछताना पड़ता है। अपना काम तो वह बिगाड़ता ही है। साथ ही वह जगत में भी हँसी का पात्र बनता है।

(ख) हमें अध्ययन का चस्का लगना चाहिए। अध्ययन को केवल एक रूचि की बात कह देना ठीक नहीं होगा, एक धर्म के अभ्यास का अध्ययन एक प्रधान साधन है। अध्ययन के द्वारा हमें शिक्षा, उत्साह और शांति प्राप्त होती है तथ इसके द्वारा भाव और दृष्टांत मोतियों के समान हो जाते हैं, जिनकी आभा न तो कभी क्षीण होगी और न ही नष्ट।

(ग) अध्ययन की रुचि से हमें समय पड़ने पर शिक्षा, उत्साह और शांति प्राप्त होती है जिन्हें लेकर हम जीवन के भीषण संग्राम में अपनी छाप छोड़ सकते हैं। अध्ययन का एक लाभ यह है कि उससे चित्त भावनाओं और प्रौढ़ विचारों से पूर्ण हो जाता है। हम किसी अच्छे ग्रंथकार की कोई पुस्तक उठा लें। उसकी बातों, उनकी चमत्कार शक्तियों तथा उसके मनोहर दृष्टांतों को हृदय में इस क्रम से धारण करते जाएँ कि जब अवसर पड़े तब उन्हें उपस्थित कर सकें। हृदय का यह भंडार ऐसा होगा जो कभी खाली नहीं होगा, दिन-दिन बढ़ता जाएगा। इस प्रकार हृदय में संचित किए हुए भाव और दृष्टांत मोतियों के समान होंगे, जिनकी आभा कभी नष्ट व क्षीण नहीं होगी।

4. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

(क) प्रत्येक सभ्य देश के गरीब लोग अपने पूर्वजों की अपेक्षा अधिक सुख-चैन से इसलिए है क्योंकि पूर्वजों को अध्ययन में रुचि नहीं थी। और ना ही पहले शिक्षा, अध्ययन के उतने साधन ले जितने आज के सभ्य देश में है।

(ख) जहाँ अध्ययन से काम चलता है या अध्ययन के स्थान पर अपना कल-पराक्रम दिखाने से स्वयं का पतन होता है।

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों में वाक्य-प्रयोग द्वारा अंतर स्पष्ट कीजिए–

(क) ज्ञान = पुस्तकें **ज्ञान** का भंडार होती है।

(ख) विज्ञान = आज बच्चों का **विज्ञान** का प्रैक्टिकल है।
(ग) अपेक्षा = सुरेश की **अपेक्षा** विमल ज्यादा लम्बा है।
(घ) उपेक्षा = सेठजी हमेशा गरीबों की **उपेक्षा** करते हैं।
(ङ) आदि = साधारणत: एक, दो उदाहरण के बाद **आदि** का प्रयोग करते है।
(च) आदी = हमें किसी भी वस्तु का **आदी** नहीं होना चाहिए।

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

ज्ञान	=	**अज्ञान**	धर्म	=	**अधर्म**
जीवन	=	**मरण**	प्रसन्न	=	**अप्रसन्नता**
अभाव	=	**भरपूर**	अंधकार	=	**उजाला**
मृत्यु	=	**जीवन**	लघु	=	**गुरु**

3. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध कीजिए–

गीरधर	=	**गिरधर**	चश्का	=	**चस्का**
अधययन	=	**अध्ययन**	अपेछा	=	**अपेक्षा**
पराकरम	=	**पराक्रम**	सभ्य	=	**सभ्य**
कूंडली	=	**कुंडली**	अनविछण	=	**अन्वेषण**

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

1 निर्माण करो

कक्षा-7

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. **सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–**

उत्तर– (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii)

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) कवि जन-जन के जीवन में नई स्फूर्ति और नए प्राण भरने को कह रहा है।

(ख) कवि युगों से जो फूल मुरझे हुए थे, उनमें मुस्कान भरने की बात कर रहा है।

(ग) हर बालक शिक्षा के मंदिर का पुजारी और रक्षक है।

(घ) कवि ने अमर सपूतों नई पीढ़ी के बच्चों को कहा है।

लिखित– Based on NEP 2020

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) कवि अमर सपूतों का आह्वान करते हुए कहता है कि इस सृष्टि का नव-निर्माण करें। मुरझाए फूलों में फिर से मुस्कान की जान डाल दो। धरती की हर वस्तु को नया-नया-सा कर के शिक्षा के पावन मंदिर में रक्षा करो।

(ख) कली-कली और फूलों के मुस्कराने के कारण धरती की काया सुनहरे रंग की हो गई।

(ग) नवयुग का आह्वान नई पीढ़ी के जाग्रत होने से होगी। उनके जाग्रत होने पर नई सृष्टि का निर्माण करके हर जगह खुशहाली होगी।

(घ) प्रस्तुत कविता से हमें राष्ट्र के गौरव को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए तथा अपने अच्छे कार्यों एवं विचारों द्वारा देश को उन्नति के शिखर पर ले जाने का संदेश मिलता है।

4. **कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–**

नया **प्रातः है,** नई **बात** है, नई **किरण है,** ज्योति नई।
नई **उमंगें** नई **तरंगें** नई आस है, **साँस** नई।
युग-युग के मुरझे सुमनों में, नई-नई **मुस्कान** भरो।
उठो धरा के **अमर सपूतों** पुनः **नया निर्माण** करो।

5. **कविता की वे पंक्तियाँ लिखिए, जिनमें यह कहा गया है–**

(क) नई उमंगें, नई तरंगें, नई आस है, साँस नई।

(ख) जन-जन के जीवन में फिर से
नव स्फूर्ति, नव प्राण भरो।

व्याकरण ज्ञान

1. **कविता में से पाँच पुनरुक्त शब्द ढूढ़कर लिखिए–**

फूल-फूल युग-युग नई-नई
कली-कली शत-शत

2. **प्रत्येक पंक्ति में जो शब्द पर्यायवाची नहीं है, उस पर गोला ( ) लगाइए–**

(क)	जग	—	विश्व	दुनिया	संसार	(देश)
(ख)	धरा	—	पृथ्वी	(धारा)	धरती	भूमि
(ग)	किरण	—	अंशु	(राकेश)	मरीचि	कर
(घ)	उद्यान	—	वाटिका	(कली)	बगीचा	बाग
(ङ)	सुमन	—	फूल	(बाग)	कुसुम	प्रसून

3. **निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–**

नया	=	**पुराना**	स्फूर्ति	=	**सुस्त**
फूल	=	**काँटे**	ज्ञान	=	**अज्ञान**
नूतन	=	**पुराना**	जीवन	=	**मृत्यु**

4. **निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

(क) पुनः = मनुष्य जीवन **पुनः** नहीं मिलता।

(ख) निर्माण = नव-युग का **निर्माण** करो।

(ग) स्फूर्ति = जीवन में **स्फूर्ति** होनी चाहिए।

(घ) सुमन = बाग में बहुत-से **सुमन** खिले हैं।

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

2 सच्ची लगन

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. **सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–**

उत्तर– (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (iii)

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) करुण याचना करने वाला एक नन्हा दुबला-पतला बालक था।

(ख) बालक की स्वर की दृढ़ता से प्रभावित होकर अखबार ने उसे काम पर रख लिया।

(ग) बालक अपनी बचत का पैसा अपनी पढ़ाई पर खर्च करता था।

(घ) नहीं, हमें जीवन में आए संघर्षों से मुँह नहीं मोड़ना चाहिए और उन संघर्षों से डटकर मुकाबला करते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए जिससे भविष्य में हमारा एक महान व्यक्तित्व हो।

लिखित– Based on NEP 2020

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) बालक ने अखबार वाले से करुण याचना करते हुए कहा कि 'महाशय, क्या आप मुझे अखबार घूम-घूमकर बेचने के लिए अपने पास रखेंगे।'

(ख) बालक को बेचने के लिए जितने भी अखबार दिए गए थे, उसने थोड़ी देर में ही बेचकर अखबार-विक्रेता के पास पूरे पैसे जमा करा दिए। अखबार-विक्रेता उसकी इस ईमानदारी से बहुत प्रभावित हुआ।

(ग) बालक के अखबार-विक्रेता मालिक की दुकान व उससे लगे घर में आग लग गई। जिसमें ना सिर्फ सब कुछ जलकर भस्म हो गया बल्कि आग की चपेट में झुलसकर मालिक भी मारा गया।

(घ) भगवान भी उसकी मदद करता है जो अपनी मदद आप करता है।

(ङ) वह बालक अब्राहम लिंकन था, अमेरिका का प्रसिद्ध राष्ट्रपति, जिसे अमेरिकावासी अपना 'राष्ट्रपिता' कहते हैं।

4. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(क) बालक के स्वर की **दृढ़ता** से अखबारवाला **प्रभावित** हो गया।
(ख) ''**अब्राहम**'' बालक ने बताया और **अखबार** बेचने निकल पड़ा, **नंगे** पाँव।
(ग) शाम तक उसने कुल मिलाकर **पचास अखबार** बेच डाले।
(घ) अखबार-विक्रेता उसकी **ईमानदारी** से बड़ा प्रभावित हुआ।
(ङ) अखबार-विक्रेता बड़ा **चकित** हुआ।

5. निम्नलिखित कथनों का आशय स्पष्ट कीजिए–
(क) जो व्यक्ति अपनी सहायता स्वयं करता है, भगवान भी उन्हीं व्यक्तियों की सहायता करते है।
(ख) कभी भी मुसीबत कह कर नहीं आती। बल्कि कुछ विपदा तो अचानक ही दबे पाँव चुपचाप आ जाती है कि उनके आने की आहट ही नहीं आती।

व्याकरण ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय बताइए–

घरवाला	=	**वाला**	साप्ताहिक	=	**इक**
उपयोगी	=	**ई**	बुद्धिमान	=	**मान**
श्रमिक	=	**इक**	दयालुता	=	**आलु**
उदारता	=	**ता**	स्तंभित	=	**इत**
जीविका	=	**आ**	ईमानदारी	=	**ई**

2. निम्नलिखित वाक्यों में आए क्रिया-शब्दों को रेखांकित कीजिए और लिखिए–
(क) आज इन पैसों की जरूरत क्यों पड़ी? **क्यों पड़ी?**
(ख) पिता ने दूसरा विवाह कर लिया। **कर लिया।**
(ग) हर महीने कुछ पैसे मालिक के पास रखवा देता था। **रखवा देता था।**
(घ) दुकान जल जाने पर कुछ नहीं बचा। **जल जाने**
(ङ) कुछ ग्राहकों ने पुराने बिलों का भुगतान कर दिया। **कर दिया।**

3. निम्नलिखित वाक्यों को निषेधसूचक वाक्यों में बदलिए–
(क) मंजुलिका भविष्य में डॉक्टर नहीं बनना चाहती है।
(ख) नहीं, यहाँ आकर नहीं बैठो।
(ग) कमल सबसे आसानी से मित्रता नहीं करता है।
(घ) नहीं, मुझे अपनी शिकायत सुनना अच्छा नहीं लगता।
(ङ) सौरभ कल आगरा नहीं जाएगा।

4. निम्नलिखित शब्दों का उचित मिलान कीजिए–

पारिश्रमिक	—	वेतन	स्तंभित	—	हैरान
विपदा	—	मुसीबत	स्वाहा	—	नष्ट
समाधान	—	हल	व्यसन	—	लत

5. निम्नलिखित वाक्यों में शब्दों का क्रम ठीक करके वाक्य शुद्ध कीजिए–
(क) उसे अपना भविष्य अंधकारमय नजर आ रहा था।
(ख) हिम्मत हारने से क्या कभी किसी समस्या का समाधान हुआ है?
(ग) यह अब्राहम कौन थे, जानते हैं?
(घ) एक कारखाने में भट्ठी में कोयला झोंकना का काम था।
(ङ) मालिक की दुकान व उससे लगे घर में भी आग लग गई।

कार्यकलाप
श्री लालबहादुर शास्त्री/भारत अब्राहम लिंकन/अमेरिका
नेल्सन मंडेला/दक्षिण अफ्रीका

3 अजंता की चित्रकला

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–
उत्तर– (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
(क) हाँ, हमने अजंता की गुफाएँ देखी हैं।
(ख) अजंता की कुल उनतीस गुफाएँ हैं।
(ग) प्रथम गुफा की समूची दीवार पर लगभग साढ़े तीन मीटर ऊँचा और ढाई मीटर चौड़ा मार-विजय का चित्र अंकित है। इस गुफा में केवल संध्या के समय सूर्य की अंतिम किरणें प्रवेश पाती है।
(घ) नहीं, हम कभी किसी चित्रकला प्रदर्शनी में नहीं गए हैं।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–
(क) अजंता की गुफाएँ महाराष्ट्र प्रदेश में हैं।
(ख) जलगाँव, औरंगाबाद तथा पहूर इन तीन रेलवे स्टेशनों में से किसी एक पर उतरकर अजंता पहुँचा जा सकता है।
(ग) अजंता की उन्नीसवीं गुफा वहाँ की सबसे बड़ी स्तूप-गुफा है और उसका द्वार बड़ा ही भव्य है।
(घ) अजंता के चित्र-निर्माण की विधि संक्षेप में इस प्रकार थी : दीवार में जहाँ चित्रण करना होता था, वहाँ का पत्थर टपर कर खुरदरा बना दिया जाता था जिस पर गोबर, पत्थर का चूना और कभी-कभी धान की भूसी मिले हुए गारे का लेबा चढ़ाया जाता था। यह लेबा चूने के पतले पलस्तर से ढका जाता था और इस पर जमीन बाँधकर लाल रंग की रेखाओं से चित्र टीपे जाते थे, जिनमें बाद में रंग भरा जाता था। रंगों की योजना प्रसंगानुकूल चित्ताकर्षक है। आवश्यकतानुसार उनमें विविधता भी है। यथोचित हलका साया लगाकर चित्रों के अवयवों में गोलाई, उभार और गहराई दिखाई गई है। हाथ की मुद्राओं से, आँख की चितवनों से और अंगों की लोच आदि से बहुत-से भाव व्यक्त हो जाते हैं।
(ङ) पहली गुफा के दालान की समूची दीवार पर लगभग साढ़े तीन मीटर ऊँचा और ढाई मीटर चौड़ा मार-विजय का चित्र अंकित है। 'मार' (प्रलोभन, कामदेव, शैतान) की सेना भगवान बुद्ध को घेरे हुए है।
(च) अजंता की सत्रहवीं गुफा में माता-पुत्र का प्रसिद्ध चित्र है।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–
(क) अजंता की गुफाएँ **महाराष्ट्र** प्रदेश में हैं।
(ख) ये गुफाएँ संसार भर में भक्ति, उपासना, धैर्य, प्रेम, लगन एवं हस्त-कौशल का **अपूर्व** उदाहरण हैं।
(ग) विहार गुफा **भिक्षुओं** के रहने और अध्ययन करने के लिए होती थी।
(घ) पहली गुफा के दालान की समूची **दीवार** पर मार-विजय का चित्र अंकित है।
(ङ) इस गुफा में केवल संध्या के समय **सूर्य** की अंतिम किरणें प्रवेश पाती हैं।
(च) दाएँ हाथ में **नील कमल** धारण किए किंचित् त्रिभंग-युक्त भगवान।

व्याकरण ज्ञान

1. **निम्नलिखित वाक्यों में आए कारक-चिह्नों का रेखांकित कीजिए–**

(क) एक अन्य जातक दृश्य में युद्ध का प्रसंग बड़ी सजीवता से दिखाया गया है।
(ख) प्रत्येक भारतीय को अपने उन अज्ञात पूर्वजों पर गर्व है।
(ग) विहार गुफा भिक्षुओं के रहने और अध्ययन करने के लिए होती थी।
(घ) अजंता की छोटी-बड़ी कुल उनतीस गुफाएँ हैं।
(ङ) यहाँ पर अवलोकितेश्वर का विशाल चित्र है।
(च) इस गुफा में केवल संध्या के समय सूर्य की अंतिम किरणें प्रवेश पाती हैं।

2. **निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–**

(क) मेला = गाँव में दशहरे का **मेला** लगा हुआ है।
(ख) मोह = हमें पैसों का **मोह** नहीं है।
(ग) लगन = मीरा में श्रीकृष्ण के प्रति सच्ची **लगन** थीं।
(घ) चकित = शेर को देखकर बच्चे आश्चर्य**चकित** रह गए।
(ङ) उत्कृष्ट = ताजमहल चित्रकला का उत्कृष्ट नमूना है।

3. **'अ' उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए–**

अ + लौकिक	= **अ+ज्ञान**	अ + सफलता	= **अ+सत्य**
अ + प्रतिम	= **अ+द्वितीय**	अ + ज्ञात	= **अ+हिंसा**
अ + भ	= **अ+भाव**	अ + पूर्व	= **अ+धर्म**

4. **निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–**

ऊँचा	= **नीचा**	पवित्र	= **अपवित्र**
उपस्थित	= **अनुपस्थित**	छोटा	= **बड़ा**
धरती	= **आकाश**	कोमल	= **कठोर**
विशाल	= **क्षुद्र**	कुशलता	= **अकुशलता**

5. **निम्नलिखित शब्दों को बहुवचन में बदलिए–**

सिर	= **सिर**	गुफा	= **गुफाएँ**
पक्षी	= **पक्षियाँ**	परिवार	= **परिवार**
किरण	= **किरणें**	पहाड़	= **पहाड़ियाँ**
रेखा	= **रेखाएँ**	चित्र	= **चित्रों**
अंग	= **अंगों**	मूर्ति	= **मूर्तियाँ**

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

4 सेर को सवा सेर

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. **सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–**

उत्तर–(क) (i) (ख) (ii) (ग) (ii)

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) कला पर किसी अकेले का अधिकार नहीं होता। साधना और सच्ची लगन से उसे कोई भी प्राप्त कर सकता है।
(ख) साधुओं द्वारा गाए गए कीर्तन को सुनकर जब सारे दरबारी हँसने लगे तो तानसेन गर्व से मुस्करा उठे।
(ग) हम दोनों गुरु-भाई हैं। कथन के अनुसार तानसेन और बैजू बाबरा ने एक ही गुरु हरिदास से संगीत को शिक्षा प्राप्त की थी।
(घ) 'सेर ने सवा सेर को पहचान लिया था'' से अभिप्राय है कि तानसेन पहचान गया था कि बैजू बाबरा उससे भी अधिक मधुर संगीत सुना सकता है।

लिखित– Based on NEP 2020

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) साधुओं की एक टोली ने आगरा में प्रवेश किया।
(ख) जैसे ही साधुओं के कीर्तन की मधुर आवाज पहरेदार के कानों में पड़ी तो वह दौड़ा-दौड़ा आया।
(ग) तानसेन अन्य गायकों से ईर्ष्या इसलिए करता था क्योंकि वह संगीत को अपनी जायदाद समझता था और उसे अपने संगीत पर बहुत घमंड था।
(घ) दरबार की अनुचित आज्ञा सुनकर किशोर बैजू बाबरा का खून खौल उठा। उसने मन-ही-मन प्रतिज्ञा की कि मैं तानसेन का घमंड जरूर तोड़ूँगा। कला पर किसी का अधिकार नहीं होता।
(ङ) तानसेन ने गाना शुरू किया। सभी मुग्ध होकर तानसेन के संगीत का आनंद लेने लगे। संगीत के जादू ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। जब संगीत थमा तो सभी ने देखा, बरतन में रखा पत्थर मोम की तरह पिघल रहा है। तानसेन ने झट एक जोड़ी मजीरे उस पिघलते हुए पत्थर पर रख दिए। संगीत का जादू समाप्त हुआ तो पत्थर धीरे-धीरे ठंडा होकर जम गया और उस पर रखे मजीरे भी जम गए।
(च) तानसेन को सिर लटकाए देख बैजू ने कहा''जहाँपनाह! कला पर किसी अकेले का अधिकार नहीं होता। साधना और सच्ची लगन से उसे कोई भी प्राप्त कर सकता है।

व्याकरण ज्ञान

1. **निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण शब्द अलग कीजिए–**

मधुर आवाज	= **मधुर**	भयभीत साधु	= **भयभीत**
सच्चा गुरु	= **सच्चा**	सच्ची लगन	= **सच्ची**

2. **विपरीतार्थक शब्द लिखकर वाक्य पूरे कीजिए–**

(क) तुम **संकोच के साथ** अपनी बात कहो। (निसंकोच)
(ख) अब तो गंगा नदी का जल भी **अशुद्ध** हो गया है। (शुद्ध)
(ग) चंद्रमा भी **कलंक-रहित** नहीं है। (कलंक-सहित)
(घ) **नि:संदेह** यह कार्य हरि के चाचा ने ही किया है। (संदेह)
(ङ) हमें **अनुचित** बात का विरोध करना चाहिए। (उचित)

3. **निम्नलिखित मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

(क) खून खौल उठना = अपना अपमान होते देखकर **खून खौल उठना** लाजिमी है।
(ख) अवाक् रह जाना = टेस्ट में अपने नंबर देखकर मैं **आवाक् रह गया।**
(ग) सिर लटका लेना = फेल का परीक्षाफल देखने के बाद रमेश **सिर लटका कर** बैठ गया।
(घ) धुन सवार होना, = बच्चों पर खेलने जाने की **धुन सवार है।**

कार्यकलाप (Activity)

स्वयं कीजिए।

5 श्रीमती सरोजिनी नायडू

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) श्रीमती सरोजिनी नायडू अंग्रेजी भाषा में कविता लिखती थीं।

(ख) सरोजिनी नायडू का परिवार ब्रह्म समाज से प्रभावित था।

(ग) कांग्रेस ने सन् 1925 में उन्हें कानपुर-अधिवेशन का अध्यक्ष चुनकर उनके नेतृत्व के गुणों का समादर किया।

(घ) 2 मार्च, 1949 को प्रात: साढ़े तीन बजे उनकी आत्मा ने पार्थिव शरीर को त्याग दिया।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) सरोजिनी का जन्म 13 फरवरी, 1879 को पूर्वी बंगाल के ब्रह्मनगर नामक गाँव में हुआ था।

(ख) सरोजिनी नायडू इतने बड़े प्रसिद्ध नेता के मजेदार दर्शन पाकर अपने आप हँस पड़ी। तो गाँधी जी ने कहा तुम अवश्य ही श्रीमती नायडू हो, कौन इतना आदर विहीन हो सकता है।

(ग) गाँधी जी से सरोजिनी नायडू की पहली भेंट लंदन में हुई थी। सन् 1914 में गाँधी जी श्री गोखले से मिलने के लिए दक्षिण अफ्रीका से वहाँ गए थे। इस भेंट का वर्णन करते हुए सरोजिनी नायडू ने लिखा है, एक पुराने ढंग के मकान की सीढ़ियाँ चढ़कर जब मैं ऊपर गई, तो मैंने एक छोटे आदमी का सजीव चित्र देखा। उसका सिर छिपा हुआ था, वह फर्श पर जेल के काले कंबल पर बैठा जेल के ही लकड़ी के कटोरे में टमाटर और जैतून के तेल का भोजन कर रहा था। उसके आसपास भुनी हुई मूंगफली और केले के आटे से बने बेस्वाद बिस्कुटों के पिचके हुए कुछ डिब्बे रखे थे। मैं उस प्रसिद्ध नेता के मजेदार दर्शन पाकर अपने आप हँस पड़ी।

(घ) नेहरु जी ने लिखा है, ''मैं उन दिनों सरोजिनी नायडू के कई धारा-प्रवाह भाषणों से प्रभावित हुआ था। वे राष्ट्रीयता और देश-भक्ति से पूरी भरी थीं।''

(ङ) सरोजिनी का पहला कविता-संग्रह गोल्डन थ्रैशेल्ड के नाम से सन् 1905 में प्रकाशित हुआ। सरोजिनी ने यह अंग्रेजी में लिखा था। उनकी कविता के विषय थे भारत की पृष्टभूमि और इस देश की स्वस्थ संस्कृतिक विशेषता। दूसरा कवित्य-संग्रह 'दि बर्ड ऑफ टाइम' सन् 1912 में निकला। नायडू ने इसमें भाषा को तो समृद्ध किया ही साथ ही पूर्वी देशों की भावना और आत्मा से भी हमारा निकट का संपर्क कराया है। तीसरी कविता पुस्तक थी 'दि ब्रोकन विंग इसका प्रकाशन' सन् 1917 में हुआ।

(च) गाँधी जी की मृत्यु की घटना से सरोजिनी नायडू मर्माहत हो उठी। यह आघात उनके लिए भयानक सिद्ध हुआ। धीरे-धीरे उनका स्वास्थ्य बिगड़ता गया और 2 मार्च, 1949 को प्रात: साढ़े तीन बजे उनकी आत्मा ने पार्थिव शरीर को त्याग दिया।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) श्रीमती सरोजिनी नायडू पूरी तरह **राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम** में कूद पड़ीं।

(ख) भारतवासियों में **स्वतंत्रता-प्राप्ति** की भावना बढ़ रही थी।

(ग) गाँधी जी के नेतृत्व में देश ने **भारत छोड़ो** आंदोलन आरंभ किया।

(घ) तुम अवश्य ही श्रीमती नायडू हो और इतना **आदर-विहीन** हो सकता है।

5. निम्नलिखित वाक्यों के आगे 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

(क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–

(क) जो सप्ताह में एक बार हो = **साप्ताहिक**

(ख) जो बीमार हो = **रोगी**

(ग) जो ऊपर कहा गया हो = **उपरोक्त**

(घ) जिसके माता-पिता न हों = **अनाथ**

(ङ) जहाँ पहुँचना कठिन हो = **दुर्गम**

2. निम्नलिखित वाक्यों को भाववाच्य में बदलिए–

(क) वह सो रहा था। **वह गहरी नींद में सो रहा था।**

(ख) मैं नहीं जा सकता। **मैं आज नहीं जा सकता।**

(ग) वह बैठ नहीं सकता। **मैं किसी कारणवश बैठ नहीं सकता।**

(घ) बच्चा खेल रहा है। **बच्चा खुशी से खेल रहा है।**

(ङ) अतुल रोता है। **अतुल जोर-जोर से रोता है।**

3. निम्नलिखित अनुच्छेद में से कारक-चिह्नों को अलग करके लिखिए–

के, में, पर, को, के लिए, से, ने, का

4. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध कीजिए–

परतिष्ठा = प्रतिष्टा मूक्त = मुक्त

अदभूत = अद्भुत वीभूषित = विभूषित

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

6 वरदान

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (i) (ग) (i)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) कविता में 'मेरा' शब्द से कवि का आशय स्व, स्वार्थ और अहम से है।

(ख) कवि के अनुसार भगवान पृथ्वी पर आते हैं।

(ग) कवि ने सबकी पूजा में ईश्वर की पूजा बताई है।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) प्राणिमात्र का स्वार्थ है, मेरा, (स्वं) या अहंकार।

(ख) जीवन-मृत्यु, मिलन-बिछुड़न में ईश्वर का प्रकट होना बताया गया है।

(ग) ईश्वर इस धरती पर, जीवन-मृत्यु, मिलन-बिछुड़न, सभी दिशाओं, सूर्य, चन्द्र ज्योति, अग्नि, मनुष्य आदि सभी में समाया हुआ है।

(घ) इस पंक्ति का अभिप्राय है कि हे ईश्वर, मैं सभी प्राणियों में आपको देखकर सबका सदा सम्मान करूँ।

4. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रंसग व्याख्या कीजिए–

(क) 'स्व' की सीमा अखिल विश्व के, **स्व या अहम की भावना अखिल विश्व के**
'स्व' में जाकर मिल जाए। **स्व या अहम में जाकर समाप्त हो जाए।**
सबके हित में अपना हित हो, **और सभी मनुष्यों के हित में अपना हित हो**
यह निश्चय कभी न हिल पाए।। **यह भावना या निश्चय कभी भी डगमगा ना सके।**

(ख) छोटे-बड़े, देव-दानव-मानव **देव, दानव-मानव सभी छोटे-बड़े**
पशु-पक्षी हैं तव रूप। **पशु पक्षी में, वृक्षादि, नदी-सागरों**
वृक्ष-पहाड़, नदी-नद-सागर, **हवा, पर्वत, आकाश में आपका ही**
व्योम-वायु में वही स्वरूप।। **रूप समाया हुआ है।**

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

सूर्य	=	**दिवाकर**	**रवि**	**भास्कर**
पृथ्वी	=	**धरा**	**भू**	**वसुधा**
चंद्रमा	=	**चाँद**	**चंद्र**	**राकेश**
प्रभु	=	**ईश्वर**	**भगवान**	**देवता**

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

सम्मान	=	**अपमान**	वरदान	=	**अभिशाप**
स्वार्थ	=	**परमार्थ**	जीवन	=	**मरण**
दानव	=	**देवता**	उजाला	=	**अँधेरा**

3. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) स्व = **स्व**हित देश हित से बढ़कर नहीं है।

(ख) हित = प्रत्येक व्यक्ति के **हितों** का भी ध्यान रखना होगा।

(ग) वृक्ष = वन में बहुत-से आम के **वृक्ष** हैं।

(घ) व्योम = आज **व्योम** में बादल छाए हुए हैं।

कार्यकलाप (Activity)

स्वयं कीजिए।

7 छोटा जादूगर

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) कार्निवाल के मैदान में बिजली जगमगा रही थी।

(ख) छोटे जादूगर के परिवार में माँ और बाबूजी थे।

(ग) जादूगर के बाबू जी जेल गए थे।

(घ) देशप्रेम में बाबू जी जेल चले गए थे।

(ङ) उज्ज्वल धूप में समग्र संसार जैसे जादू-सा मेरे चारों ओर नृत्य करने लगा।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) लेखक ने गले में फटे कुरते के ऊपर से एक मोटी-सी सूत की रस्सी डाले तथा जेब में कुछ ताश के पत्ते रखे हुए लड़के को देखा।

(ख) छोटा जादूगर तमाशा दिखाकर पैसे कमाकर अपनी बीमार माँ की सेवा करने तथा अपने पेट भरने के लिए बीमार माँ को छोड़कर गया।

(ग) कार्निवाल के सब खिलौने उसके खेल में अपना अभिनय करने लगे। भालू मनाने लगा। बिल्ली रूठने लगी। बंदर घुड़कने लगा। गुड़िया का ब्याह हुआ। गुड्डा वर काना निकला। लड़के की वाचालता से ही अभिनय हो रहा था।

(घ) खेल देखकर श्रीमती जी ने लड़के को एक रुपया दिया।

(ङ) छोटा जादूगर तमाशा दिखाकर लेखक की गाड़ी से अपनी झोपड़ी पहुँचा और वहाँ पहुँचने पर उसकी माँ ने उसे बेटा-कहकर पुकारा और दम तोड़ दिया।

(च) मौलिक आवश्यकता मनुष्य को समय से पहले चतुर बना देती है और यही संसार का नियम भी है।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) कार्निवाल के मैदान में **बिजली** जगमगा रही थी।

(ख) जादूगर तो बिल्कुल **निकम्मा** है।

(ग) मैंने **दीर्घ नि:श्वास** लिया।

(घ) श्रीमती जी की वाणी में **माँ** की-सी मिठास थी।

(ङ) मनुष्य के सुख-दु:ख का माप अपना ही **साधन** होता है।

5. निम्नलिखित वाक्यों का आशय स्पष्ट कीजिए–

(क) छोटे जादूगर की बात तथा स्वर में दृढ़ता को देखकर लेखक ने अनुभव किया कि छोटा जादूगर झूठ नहीं बोल रहा है।

(ख) उसके मुँह पर अपमानित होने जैसी हँसी आ गई।

(ग) छोटे जादूगर के दु:ख/विषाद के आगे सारे संसार की जो जादू-सी उज्ज्वल धूप लेखक के चारों तरफ दिखाई दे रही थी, वह क्षण-भर में समाप्त हो गए।

(घ) लेखक द्वारा बीमार माँ को छोड़कर तुम तमाशा दिखाने क्यों चले आए, सुनकर छोटे जादूगर के चेहरे पर वही चित-परिचित अपमानित होने की अनुभूति होने लगी।

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों में 'ता' प्रत्यय जोड़कर शब्द बनाइए–

सुरम्य	+	**ता**	=	**सुरम्यता**
व्यग्र	+	**ता**	=	**व्यग्रता**
वाचाल	+	**ता**	=	**वाचालता**
निर्मल	+	**ता**	=	**निर्मलता**

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

बिजली	=	**चपला**	बोली	=	**वाणी**
शाम	=	**संध्या**	प्रसन्न	=	**खुश**

क्रोध = **रोष** भूल = **दोष**

3. **निम्नलिखित अनुच्छेद में उचित विराम-चिह्न लगाकर पुनः लिखिए–**

मैंने पूछा, "और उस परदे में क्या है! जहाँ तुम गए थे" "नहीं, वहाँ मैं न जा सका। टिकट लगता है।" मैंने कहा "तो चलो, मैं तुमको वहाँ लिवा ले चलूँ।" मैंने मन-ही-मन कहा, "भाई, आज के तुम्हीं मित्र रहे।" उसने कहा, "वहाँ जाकर क्या कीजिएगा? चलिए, निशाना लगाया जाए।"

4. **निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर इनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

(क) नौ दो ग्यारह होना = **भाग जाना**

पुलिस को देखकर **चोर नौ दो ग्यारह हो गए।**

(ख) आँसू निकल पड़ना = **बहुत दुःखी होना**

सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को देखकर मेरे **आँसू निकल पड़े।**

5. **निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–**

लाल = **काला, पीला** विषाद = **हर्ष**

स्मरण = **भूलना** इच्छा = **अनिच्छा**

संध्या = **प्रातः** स्वीकार = **अस्वीकार**

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

8 भारत की सांस्कृतिक एकता

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. **सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–**

उत्तर–(क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) फूट की बेल पनपने का तात्पर्य है कि व्यक्तियों के बीच भेद-भाव, भ्रष्टाचार, निर्धनता आदि भेदों के कारण अलगाव की स्थिति का पैदा हो जाना।

(ख) भारत में संपन्नता, विविधता, देश की अखंडता, सांस्कृति एकता आदि चीजें उसे अभेद्य बनाती है।

(ग) कलियुग के प्रथम चरण में भगवान बुद्ध ने अवतार के रूप में जन्म लिया।

(घ) भगवान ऋषभदेव हिन्दू धर्म से संबंधित थे।

लिखित– Based on NEP 2020

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) भारतीय राष्ट्रीयता में हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई, जैन आदि विभिन्न धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं। हर धर्म में पूजा अर्चना करने की अलग शैली है, लेकिन सभी धर्म मनुष्य को देश की प्रगति में सहायक बनने, और एक-दूसरे के काम आने तथा एक-दूसरे के धर्मों की इज्जत करने की शिक्षा देती है। सभी धर्मों के गुरु, देवता अलग-अलग है परन्तु वे सब एक ही ईश्वर/परमात्मा का रूप है। इसलिए भारतीय धर्मों में भेद होते हुए भी सांस्कृतिक एकता है।

(ख) भारतीय धर्म और साहित्य ने राष्ट्रीय एकता का पाठ पढ़ाया है। सभी काव्य-ग्रंथ, चाहे वे उत्तर के हों चाहे दक्षिण के, रामायण और महाभारत को अपना प्रेरणा-स्रोत बनाते रहे हैं। संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश के आम्नाय और काव्य-ग्रंथ उत्तर-दक्षिण में समान रूपों से मान्य हैं। कालिदास के 'रघुवंश' और भवभूति के 'उत्तररामचरित' में उत्तर और दक्षिण के प्राकृतिक दृश्यों का बड़ी रसमयता के साथ वर्णन किया गया है।

(ग) हिंदू तीर्थाटन में धार्मिक भावना के साथ राष्ट्रीय भावना भी निहित है। शिवभक्त ठेठ उत्तर की गंगोत्री से जाह्वी-जल लाकर दक्षिणी सीमा के रामेश्वरम् में महादेव का अभिषेक करते हैं। उत्तर में बदरी-केदार, दक्षिण में रामेश्वरम्, पूर्व में जगन्नाथ और पश्चिम में द्वारिकापुरी के तीर्थाटन से भारत की चारों दिशाओं की पूजा हो जाती है। भारत की सात पुरियाँ पवित्र और मोक्षप्रद मानी गई हैं। इनकी भी यात्रा की जाती है और प्रातः स्मरण भी किया जाता है। इनके नाम हैं अयोध्या, मथुरा, माया (हरिद्वार), काशी, कांची, अवंतिका (उज्जयिनी), द्वारावती (द्वारिका)।

(घ) मुसलमान और ईसाई धर्म ने भारत की संस्कृति को प्रभावित किया है। वे यहाँ की संस्कृति से प्रभावित हुए है। भारतीय सूफी कवियों ने वेदांत की भावभूमि को अपनाया तथा उनके ग्रंथों में हिन्दू परम्पराओं, कथाओं, विचारों का समावेश हुआ। ताज और तानसेन पर हिन्दु-मुसलमान समान रूप से गर्व करते हैं। रहीम, रसखान, जायसी आदि मुसलमान कवियों ने हिन्दी की रसमयता बढ़ाई। दूसरों के प्रति वैसा ही व्यवहार करो जैसा कि तुम दूसरों से अपने प्रति चाहते हो। ईसा मसीह का यह कथन महाभारत के 'आत्मनः प्रतिकूलानि परेषां न समाचरेत्' का ही पर्याय है।

(ङ) भारत की प्रायः सभी भाषाएँ संस्कृत से प्रभावित हुई, केवल लिपि का ही भेद था। मराठी और देवनागरी की लिपि भी समान है। संस्कृत में परिनिष्ठित लिपि होने के कारण देवनागरी प्रायः सभी प्रांतों में पहचानी जाती है। उर्दू का लिपि भेद होते हुए भी हिन्दी के साथ भाषा में साम्य थी। भाषाओं के भेद होते हुए भी विचारों में एकध्येषता रही है। जैसे प्रेमचन्द्र, अश्क, सुदर्शन, कृष्ण चदंर ने हिन्दी में भी लिखा तथा उर्दू में भी। प्रायः सभी भाषाओं में भगवान राम और कृष्ण की पावन गाथाओं से आप्लावित रहा है। सभी भाषाओं के साहित्य ने स्वतंत्रता की लड़ाई में योगदान किया है।

4. **निम्नलिखित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए–**

जीवन-मीमांसा, रहन-सहन और रीति रिवाज, हमारे उठने-बैठने का ढंग, चाल-ढाल, वेश-भूषा, साहित्य, संगीत, कला आदि से हमारे जातीय व्यक्तित्व का पता चलता है। इसलिए हमारा व्यक्तित्व एक जातीय व्यक्तिव है।

व्याकरण ज्ञान

1. **निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए–**

दिशा = **दिशाएँ** ग्रंथ = **ग्रंथों**

दृश्यों = **दृश्य** रवैया = **रवैया**

पुरी = **पूरा**

2. **निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए–**

आराध्य = **पूजन योग्य** **समर्पण योग्य**

राष्ट्र	=	**देश**			**राज्य**
अवयव	=	**अंश**			**टुकड़ा/भाग**
भारत	=	**अग्नि**			**कथा**

3. **निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए–**

स्वार्थ	=	**परमार्थ**	सुसंगठित	=	**असंगठित**
दरिद्र	=	**संपन्न**	एकता	=	**अनेकता**
रक्षा	=	**खतरा**	ह्रास	=	**वृद्धि**

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

9 पंच परमेश्वर

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. **सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–**

उत्तर– (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (iii)

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) खाला का अपने भानजे जुम्मन से अब निर्वाह करना मुश्किल हो गया था और वह उससे मासिक खर्च चाहती थी।

(ख) जुम्मन पंचायत करने के प्रस्ताव से प्रसन्न हुआ क्योंकि वह जानता था कि पंचों का निर्णय उसके पक्ष में ही होगा क्योंकि आस-पास के गाँवों में ऐसा कोई भी नहीं था जो उसके अनुग्रहों का ऋणी नहीं था।

(ग) जब जुम्मन को यह ज्ञात हुआ कि पंच के पद पर बैठकर न कोई किसी का दोस्त होता है, न दुश्मन। न्याय के सिवा उसे कुछ और नहीं सूझता और पंच की जुबान से खुदा बोलता है। तो मित्रता की मुरझाई लता फिर से हरी हो गई।

लिखित– Based on NEP 2020

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) जुम्मन शेख और अलगू चौधरी में गाढ़ी मित्रता थी।

(ख) खालाजान जुम्मन की बूढ़ी खाला थी। जुम्मन और उसकी पत्नी द्वारा उनके साथ बुरा व्यवहार किया जाता था।

(ग) जुम्मन ने जमीन अपने नाम करवाने के बाद उसे न तो कभी भरपेट रोटी दी और ना ही तन ढकने को कपड़ें। खाला जुम्मन से मासिक खर्च देने के लिए कहती थी जिससे वह अपना खुद पका-खा सके। इसलिए खालाजान ने पंचायत बैठाई।

(घ) खालाजान ने अपनी जायदाद मेरे नाम कर दी थी। मैंने उन्हें एवज़ में खाना-कपड़ा देना कबूल किया था। खुदा गवाह है, आज तक मैंने खालाजान को कोई तकलीफ़ नहीं दी। मैं उन्हें अपनी माँ के समान समझता हूँ। उनकी खिदमत करना मेरा फ़र्ज़ है, मगर औरतों में ज़रा अनबन रहती है। इसमें मेरा क्या बस है? खालाजान मुझसे माहवार खर्च अलग माँगती हैं। जायदाद जितनी है, वह पंचों से छिपी नहीं। उससे इतना मुनाफ़ा नहीं होता है कि माहवार खर्च दे सकूँ।

(ङ) अलगू को सरपंच चुने जाने पर जुम्मन बहुत प्रसन्न हुआ, परन्तु जब अलगू ने अपना फैसला जुम्मन के खिलाफ सुनाया तो जुम्मन सन्नाटे में आ गया। क्योंकि उसे उम्मीद नहीं थी कि जिस पर पूरा भरोसा करता है, वह उसे समय पड़ने पर धोखा देगा।

(च) अलगू ने अपना बैल समझू साहू को बेच दिया जिसके पैसे समझू साहू ने अलगू के बार-बार माँगने पर भी नहीं दिए। इसी बात को लेकर अलगू एवं समझू में झगड़ा था।

(छ) अलगू और जुम्मन के संबंध अच्छे न थे, फिर भी जुम्मन ने अलगू के पक्ष में फ़ैसला सुनाया क्योंकि पंच के पद पर बैठ कर ना कोई किसी का दोस्त होता है, ना किसी का दुश्मन। न्याय के सिवा उसे कुछ नहीं सूझता। पंच की जुबान से खुदा बोलता है।

व्याकरण ज्ञान

1. **निम्नलिखित के साथ उचित क्रियाएँ जोड़कर नई क्रियाएँ बनाइए–**

निर्णय	=	निर्णय करना	सहन	=	सहन करना
नाम	=	नाम करना	दर्शन	=	दर्शन होना
चिंता	=	चिंता होना	नाश	=	नाश करना

2. **इसी प्रकार निम्नलिखित के विपरीतार्थक शब्द लिखिए–**

आर्य	=	**अनार्य**	निद्रा	=	**अनिद्रा**
अल्प	=	**बहु**	पूर्ण	=	**अपूर्ण**
द्वितीय	=	**अद्वितीय**	परिचित	=	**अपरिचित**

3. **पाठ में से छः मुहावरों को छाँटकर लिखिए और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए**

गाढ़ी मित्रता
राम और श्याम में **गाढ़ी मित्रता** है।
आदर-सत्कार करना
मेहमानों का **आदर-सत्कार करना** शिष्टाचार होता है।
आनंद से फूल उठे
परीक्षा में अच्छे अंक देखकर वह **आनंद से फूल उठा।**
कन्नी काटना
पिताजी के निधन के बाद रिश्तेदार **कन्नी काटने** लगे।
हथौड़े की चोट
एक-एक शब्द जुम्मन के हृदय पर **हथौड़े की चोट** की तरह पड़ता था।
काया पलट होना
पैसा आते ही रमेश के घर की **काया पलट** हो गई।

4. **निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध कीजिए–**

मीत्रता	=	मित्रता	शीछा	=	शीशा
नीरवाह	=	निर्वाह	सिकारी	=	शिकारी
दबरार	=	दरबार	जीक्र	=	ज़िक्र

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

10 जीव-जंतुओं का बैंक

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. **सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–**

उत्तर–(क) (i) (ख) (ii) (ग) (i)

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) देखे गए पक्षी और उनका रूप-रंग-**तोता** हरे रंग का जिसके गले में लाल रंग की पट्टी होती है। **कबूतर**-स्लेटी और सफेद रंग के होते हैं। **कौआ**-यह काले रंग का पक्षी होता है। **कठफोड़वा**-यह भूरे रंग का होता है। इसकी चोंच लंबी एवं पैनी होती है। यह अपनी चोंच से लकड़ी/पेड़ों की शाखों में छेद कर देते हैं। **चिड़िया**-ये भूरे, काले, मिश्रित रंग की होती है। **बत्तख**-यह सफेद रंग का पक्षी है। यह पक्षी उड़ना नहीं जानता। **चील**-यह पक्षी काले/मटमैले से रंग का होता है।

(ख) जो पक्षी सुदूर क्षेत्रों से झीलों पर पानी पीने आते है, वे 'जल-पक्षी' कहलाते हैं। जैसे-साइबेरियन सारस।

(ग) हाँ, सभी पक्षी उड़ नहीं सकते। जैसे-बतख, ऑस्ट्रिच।

(घ) मुरगा अपनी ईमानदारी तथा शुद्धता के लिए प्रसिद्ध है।

(ङ) ऑस्ट्रेलिया के पक्षी-विशेषज्ञ का नाम डॉ० सुर्वोल ग्रेगरी है।

लिखित– Based on NEP 2020

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) ऑस्ट्रेलिया के विश्व-विख्यात पक्षियों के वैज्ञानिक डॉ० सुर्वोल ग्रेगरी ने अपने एक नवीनतम विश्लेषण से लोगों को चौंका दिया। अपने गंभीर अध्ययन के बाद उन्होंने सिद्ध किया है कि पक्षियों की लगभग कुल ढाई सौ जातियों में विकसित मानव जैसी बैंक प्रणाली तथा लेन-देन जैसी व्यवस्था पाई जाती है।

(ख) जाने-माने पक्षी फोटोग्राफर स्वर्गीय लोकबंधु के दर्जनों दुर्लभ चित्रों से भी डॉ० सुर्वोल ग्रेगरी की खोज की पुष्टि होती है।

(ग) डॉ० सालिम अली ने पक्षियों की आदतों और व्यवहार में विलक्षणताओं की अनेक हैरतअंग्रेज बातों से परिचित कराया।

(घ) विदेशों से आने वाले पक्षी एक साथ झीलों पर पानी पीने आते हैं।

(ङ) लेन-देन की व्यवस्था जल पक्षियों में विशेष रूप से पाई जाती है। लेन-देन के मामले में जीव-जन्तु, नर-मादा, लेन-देन करने वाले की आयु तथा उपार्जन-शक्ति का भी पूरा-पूरा ध्यान रखते हैं। सूद-ब्याज तक वसूल किया जाता है। हर वर्ग की दरें तथा अवधि तक निश्चित है।

(च) गौरैया को सूद के रूप में डेढ़गुना खाद्य-सामग्री सधन्यवाद वापस करनी पड़ती है।

(छ) कौए नीलामी द्वारा उधार देते हैं। लेकिन यह उधार केवल उसी कौए को दिया जाता है जिससे वापसी की पूरी आशा हो। सुस्त, दुष्ट और बेईमान पक्षी को पास नहीं फटकने दिया जाता। कौए रोटी, दूध, दही, मांस, रक्त, फल आदि उधार देते हैं। वसूली का समय दो से चार प्रतिशत सूद के आधार पर एकाध सप्ताह का होता है।

(ज) तोता और कबूतर वसूली के समय अपना असली रूप दिखाते हैं। ये ऋणी पक्षी की गतिविधियों पर पैनी नजर रखते हैं और उसके पास खाद्य-सामग्री आते ही उसे घेर लेते हैं।

(झ) निर्मम महाजनों के साथ बतख और चील की तुलना की गई है। दो-चार ग्राम खाद्य-सामग्री उधार देकर बतख और चील जीवन भर उसका शोषण करते है। वसूली के समय लेनदार को तरह-तरह से सताते, लताड़ते और मारते है। सूद या अवधि की कोई सीमा नहीं होती है।

(ञ) उधार में ईमानदारी तथा शुद्धता के लिए मुरगे का कोई जवाब नहीं है। मुरगियों और चूजों से वह कोई सूद नहीं लेता। मुरगी से एक ही रोज के भीतर मुरगा माल वापस ले लेता है।

4. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(क) **लेन-देन** यह व्यवस्था जल-पक्षियों में विशेष रूप से पाई जाती है।

(ख) ये पक्षी एक साथ **झीलों** पर **पानी** पीने आते हैं।

(ग) गौरैया मुख्यत: **तिलचट्टे, मच्छर** और अंगूर आदि उधार देती है।

(घ) कौए **नीलामी** द्वारा उधार देते हैं।

(ङ) **रोगी** और **घायल** पक्षियों को पूरी छूट दी जाती है।

(च) प्राय: वसूली **रेखाओं** से अधिक नहीं होती है।

व्याकरण ज्ञान

1. **इस पाठ में से पाँच व्यक्तिवाचक संज्ञा, पाँच जातिवाचक संज्ञा और पाँच भाववाचक संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए–**

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
डॉ० सुर्वोल ग्रेगरी	बैंक	लेन-देन
डॉ० सालिम अली	पक्षी	वसूली
सारस	वैज्ञानिक	बदनामी
कठफोड़वा	मानव	वापसी
कबूतर	कंजूस	कंजूसी

2. **निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द, उपसर्ग अथवा प्रत्यय अलग कीजिए–**

विलक्षणता	= **वि + लक्षण + ता**	निस्संदेह	= **निस् + संदेह**
विकसित	= **वि + कास + इत**	ईमानदारी	= **ईमानदार + ई**
सजातीय	= **स + जाति + ईय**	बाकायदा	= **बा + कायदा**

3. **'साफ-सुथरी' शब्द-युग्म है। इस पाठ में आए पाँच अन्य शब्द-युग्म छाँटकर लिखिए–**

लेन-देन, विश्व-विख्यात, जीव-जंतु, हिसाब-किताब, खाद्य-सामग्री

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

11 काकी

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. **सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–**

उत्तर–(क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) नींद खुलने पर शामू ने देखा कि घर में कुहराम मचा हुआ है। उसकी

काकी जमीन पर सो रही है। उस पर कपड़ा ढका हुआ था।

(ख) शामू से कहा गया कि काकी उसके मामा के यहाँ गई है।

(ग) पतंग के लिए शामू ने अपने पिताजी के कोट से चवन्नी चुराई।

(घ) पतंग में मोटी रस्सी इसलिए लगाई गई कि इनसे पातंग तनकर काकी कोक राम के यहाँ से नीचे उतारेंगे।

(ङ) शामू के पिताजी के आ जाने से शुभ कार्य में बाधा आ गई।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) काकी को जमीन पर देखकर शामू ने बहुत ऊधम मचाया। वह काकी के ऊपर जा गिरा।

(ख) पड़ोस में बालकों से शामू से पता चला कि काकी ऊपर राम के यहाँ गई है। वह कई दिन तक लगातार रोता रहा। फिर उसका रूदन तो शांत हो गया पर शोक शांत न हो सका।

(ग) वह पतंग को राम के यहाँ भेजना चाहता था जिसे पकड़कर काकी नीचे उतर सकें।

(घ) भोला ने शामू से कहा कि पतंग में जो रस्सी लगी है वह पकड़कर काकी उतर नहीं सकती। इसके दूर जाने का डर है।

(ङ) भोला की बात सुनकर शामू ने पतंग में मोटी रस्सी लगाने का निश्चय किया और इसके लिए उसने अपने पिता की जेब से एक रुपया लिया और भोला से कहा कि दो बढ़िया रस्सियाँ मँगा दे।

(च) कुपित विश्वेश्वर ने शामू को दो तमाचे लगाकर कहा कि ''चोरी सीखकर जेल जाएगा अच्छा, तुझे आज ठीक से समझाता हूँ।''

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) शामू ने देखा कि घर में **कुहराम** मचा हुआ है।

(ख) काकी के **दाह-संस्कार** में वह न जा सका।

(ग) काका, मुझे **पतंग** मँगा दो।

(घ) एक **अँधेरे** कमरे में उसमें **डोर** बाँधी जाने लगी।

(ङ) भोला शामू से अधिक **समझदार** था।

(च) विश्वेश्वर **हैरान-से** वहीं खड़े रहे गए।

5. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए–

(क) जिस प्रकार बारिश के बाद जमीन के ऊपर का पानी तो सूख जाता है, परन्तु जमीन के अंदर की नमी बहुत दिन तक बनी रहती है, उसी प्रकार शामू का रुदन तो शांत हो गया परन्तु उसके मन में बसा शोक शांत न हो सका।

(ख) भोला ने शामू के पिताजी से कहा कि रस्सी शामू भैया ने मँगाई थी। वो कह रहे थे कि इनसे पतंग तानकर काकी को राम के यहाँ से नीचे उतारेंगे।

व्याकरण ज्ञान

1. दिए गए क्रिया-शब्दों को प्रेरणार्थक रूप में बदलकर उनसे वाक्य बनाइए–

(क) मचाया= मचवाया
शामू ने कक्षा में बच्चों से खूब शोर **मचवाया।**

(ख) देखा = दिखवाया
पिताजी द्वारा बच्चों को मेला **दिखवाया** गया।

(ग) भागा = भगवाया
बैलों की दौड़ में रमेश द्वारा अपने बैलों को जोर से **भगवाया।**

2. निम्नलिखित वाक्यों के सामने सरल, संयुक्त या मिश्र वाक्य लिखिए

(क) उसकी काकी जमीन पर सो रही है। **सरलवाक्य**

(ख) उसने देखा कि घर में कुहराम मचा हुआ है। **मिश्रवाक्य**

(ग) फिर उसका रुदन तो शांत हो गया पर शोक शांत न हो सका। **संयुक्तवाक्य**

(घ) शामू से कहा गया कि काकी उसके मामा के यहाँ गई है। **मिश्रवाक्य**

(ङ) नाम की चिट रहेगी, तो पतंग ठीक वहीं पहुँच जाएगी। **संयुक्तवाक्य**

3. निम्नलिखित के वचन बदलकर इनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) मैं = **हम** आज बाजार जाएँगे।

(ख) दासी = रानी की बहुत-सी **दासियाँ** होती हैं।

(ग) पतंग = वसंत पंचमी पर आकाश में बहुत-सी **पतंगें** उड़ती हैं।

(घ) रस्सी = पेड़ों पर झूला डालने के लिए दो **रस्सियों** का प्रयोग किया जाता है।

(ङ) गंभीर = पढ़ाई के मामले में सदा **गंभीर** रहना चाहिए।

4. निम्नलिखित के दो-दो समानार्थी शब्द लिखिए–

दिन	=	**दिवस, वार**	जमीन	=	**धरती, वसुन्धरा**
पत्नी	=	**भार्या, गृहिणी**	बालक	=	**बच्चा, लड़का**
मौत	=	**निर्धन, देहांत**	पानी	=	**जल, नीर**

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

12 ऐसी वाणी बोलिए

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) भाषा मनुष्य का विशेष अधिकार है।

(ख) वचनों का माधुर्य हृदय-द्वार खोलने की कुंजी है।

(ग) वार्तालाप की शिष्टता मनुष्य को आदर का पात्र बनाती है।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) भाषा के कारण ही मनुष्य उत्तरोत्तर उन्नति करता चला आया है। अन्य जानवरों की अपेक्षा मनुष्य भौतिक बल में न्यून होते हुए भी अपनी बुद्धि और भाषा के सहारे सबसे अधिक सबल हो गया है। उसने पंच-महाभूत को अपने वश में कर लिया है। यह सब भाषा द्वारा सहकारिता के बल पर ही हो सका है। भाषा द्वारा हमारे ज्ञान और अनुभव की रक्षा होती है।

(ख) भाषा द्वारा मनुष्य की सामाजिकता कायम है, किंतु भाषा का दुरुपयोग ही उसे छिन्न-भिन्न भी कर देता है। एक मधुर शब्द दो रूहों को मिला देता है और एक ही कटु शब्द दो मित्रों के मन में वैमनस्य उत्पन्न कर देता है।

(ग) मधुर शब्द दो रुहों को मिला देता है और एक ही कटु शब्द दो मित्रों के मन में वैमनस्य उत्पन्न कर देता है। एक ही बात को हम कर्णकटु शब्दों में कहते हैं और उसी को हम मधुर बना सकते हैं। विष-भरे कनक-घटों की संसार में कमी नहीं है। कटुभाषी लोगों से लोग हृदय खोलकर बात करने से डरते हैं। बुरे वचन आदमी को रुष्ट कर सकते हैं।

(घ) वाणी की मधुरता के साथ विनयपूर्वक व्यवहार की भी आवश्यकता है। विनयपूर्ण व्यवहार ही शिष्टाचार है।

(ङ) शिष्टाचार वाणी का भी होता है और व्यवहार का भी। विनयपूर्ण व्यवहार ही शिष्टाचार है। शिष्टाचार का अर्थ लोग दिखावा या तकल्लुफ करते हैं। लेकिन वास्तव में उसका अर्थ है, सज्जनोचित व्यवहार। इनके द्वारा मनुष्य की शिक्षा-दीक्षा तथा कुल की परम्परा और मर्यादा का परिचय मिलता है। जैसे-किसी काम को कराने के लिए 'कृपया' शब्द का प्रयोग शिष्टता का परिचायक होता है। काम हो जाने के पश्चात् 'धन्यवाद' कहना भी जरूरी है। अपने से कम स्थिति के लोगों के स्वाभिमान की रक्षा करना सज्जनों का पहला कर्तव्य है।

4. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए–

(क) विष भरे सोने की घड़ों की कमी नहीं है। क्योंकि सज्जन व्यक्ति भी कभी-कभी कड़वे वचन बोल जाते हैं।

(ख) हृदय की मलिनता और मधुर वचनों का योग नहीं हो सकता है। वचन के अनुकूल जब कर्म होते हैं, तभी मनुष्य वद्ध बनता है। मधुर वचनों के साथ यह भी आवश्यक है कि उनके पीछे भाव भी शिष्ट मधुर हो।

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों से प्रत्यय अलग करके लिखिए–

द्रवित	=	द्रव + इत	साहित्यिक	=	साहित्य + इक
शिष्टता	=	शिष्ट + ता	वांछनीय	=	वांछ + नीय
आत्मीयता	=	आत्मीय + ईय	आर्थिक	=	अर्थ + इक

2. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

यथेष्ट	=	यथा + इष्ट	स्वाभिमान	=	स्व + अभिमान
वार्तालाप	=	वार्ता + आलाप	मनोनुकूल	=	मन: + अनुकूल

3. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बताइए–

भाषा	=	स्त्रीलिंग	उन्नति	=	स्त्रीलिंग
भाषण	=	पुल्लिग	हृदय	=	पुल्लिग
मर्यादा	=	स्त्रीलिंग	शिष्टाचार	=	पुल्लिग

4. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए–

(क) भाषा = भारतवर्ष में विभिन्न **भाषाएँ** बोली जाती है।

(ख) उन्नति = सत्य बोलने वाले सदा **उन्नति** के पथ पर चलते हैं।

(ग) शिष्टता = टीचर हमें **शिष्टता** के बारे में बताती है।

(घ) प्रकट = वन में पेड़ के पीछे से शेर **प्रकट** हो गया।

(ङ) गंध = किसी-किसी फूल की **गंध** अच्छी नहीं होती।

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

13 अहिंसा की विजय

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) राजा प्रसेनजित महात्मा बुद्ध के शिष्य थे।

(ख) अंगुलिमाल जब भी वह किसी का वध करता था तो उसकी एक अंगुली काट लेता था। अंगुलियों की उसने माला बनाई थी जो हमेशा उसके गले में लटकी रहती थी। इसी कारण उसका नाम अंगुलिमाल डाकू पड़ गया था।

(ग) जब महात्मा बुद्ध जंगल से गुजर रहे थे तो उनके मन में विचार चल रहा था कि वे लोगों का दु:ख निश्चय ही दूर करेंगे। उन्हें अपने और अपने ज्ञान पर पक्का विश्वास था।

(घ) बुद्ध ने उसे शांति, दया और प्रेम का उपदेश दिया। अंगुलिमाल की आँखें खुल गईं। उसके मन का अंधकार दूर हो गया। उसने अंगुलियों की माला तोड़ दी और अपने कटार फेंक दी। महात्मा बुद्ध का उस पर इतना प्रभाव पड़ा कि उसने हिंसा का जीवन सदा के लिए त्याग दिया और उनका शिष्य बन गया।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) राजा प्रसेनजित कोशल राज्य के राजा थे। कोशल की राजधानी श्रीवस्ती थी।

(ख) कोशल की प्रजा डाकू अंगुलिमाल से पीड़ित थी। इसलिए कोशल नरेश प्रसेनजित भी बड़े दुखी थे। कोशल नरेश उसे पकड़ पाने में असमर्थ थे। अंगुलिमाल के अत्याचार से प्रसेनजित की प्रजा त्राहि-त्राहि कर रही थी।

(ग) अंगुलिमाल जब भी वह किसी का वध करता था तो उसकी एक अंगुली काट लेता था। अंगुलियों की उसने माला बनाई थी जो हमेशा उसके गले में लटकी रहती थी। इसी कारण उसका नाम अंगुलिमाल डाकू पड़ गया था।

(घ) महात्मा बुद्ध जंगल में जाते हुए सोच रहे थे कि ''आदमी, आदमी को क्यों मारता है? जीव, जीव को देखकर प्रसन्न क्यों नहीं होता।''

(ङ) घनी झाड़ियाँ चीरती हुई एक विकराल मूर्ति आ खड़ी हुई। ऊँचा कद, काला शरीर, भयानक चेहरा, लाल आँखें, बिखरे बाल, बड़ी-बड़ी मूँछें, लंबी मजबूत भुजाएँ, चौड़ा सीना, हाथ में कटार। निश्चय ही यह मनुष्य नहीं, कोई बड़ा दैत्य था।

(च) महात्मा बुद्ध के उपदेशों को सुनकर अंगुलिमाल इतना प्रभावित हुआ कि उसने हिंसा का जीवन सदा के लिए त्याग दिया और उनका शिष्य बन गया।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) राजा प्रसेनजित महात्मा बुद्ध का **शिष्य** था।

(ख) अंगुलिमाल के अत्याचार से प्रसेनजित की प्रजा **त्राहि-त्राहि** कर रही थी।

(ग) महात्मा बुद्ध का **हृदय** तो लोगों के दुखों को देखकर दुखी था।

(घ) इसके बाद प्रसेनजित से विदा लेकर **महात्मा बुद्ध** उस जंगल की ओर चल पड़े जिसमें अंगुलिमाल रहता था।

(ङ) महात्मा बुद्ध के मुख पर सदैव मुस्कान रहती थी और **तेज** चमकता रहता था।

(च) बुद्ध ने अंगुलिमाल को शांति, **दया** और प्रेम का उपदेश दिया।

5. निम्नलिखित कथनों के आगे 'सत्य' व 'असत्य' लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) सत्य

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्द-युग्मों का अर्थभेद वाक्य-प्रयोग द्वारा स्पष्ट कीजिए–

(क) तेज = महात्मा के मुख पर सदैव **तेज** चमकता रहता था।
तेज़ = गाड़ी पकड़ने के लिए **तेज़** चलो।

(ख) राज = अंग्रेजों ने भारत पर बहुत समय तक **राज** किया।
राज़ = **राज़** की बात गुप्त ही रखनी चाहिए।

(ग) खुदा = पानी की पाइप लाइन डालने के लिए गहरा गड्ढा **खुदा** हुआ है।

ख़ुदा = ईश्वर की पूजा करना **ख़ुदा** की इबादत करना ही है।

2. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

सूर्य + अस्त = सूर्यास्त

धर्मात्मा =	**धर्म + आत्मा**	देवालय =	**देव + आलय**
प्रत्युपकार =	**प्रति + उपकार**	महर्षि =	**महा + ऋषि**
महात्मा =	**महा + आत्मा**	नरेश =	**नर + ईश**

3. इस पाठ में प्रयुक्त ऐसे बहुवचन वाले वाक्यों को छाँटकर लिखिए जो आदरार्थ भाव से प्रयोग किए गए हैं। जैसे राजा प्रसेनाजित महात्मा बुद्ध के शिष्य थे।

कोशल में राजा प्रसेनजित राज्य करते थे। कोशल नरेश प्रसेनजित भी बड़े दु:खी थे। कोशल नरेश उसे पकड़ने में असमर्थ थे। महात्मा बुद्ध जंगल की राह बढ़े जा रहे थे। महात्मा बुद्ध ध्यानमग्न थे।

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

14 प्रायश्चित्त

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (iii) (ख) (ii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) इस कहानी के लेखक भगवतीचरण वर्मा है।

(ख) नौकरों पर रामू की बहू का हुक्म चलने लगा।

(ग) राम की बहू कबरी बिल्ली से घृणा करती थी।

(घ) रामू की बहु द्वारा बिल्ली मारे जाने के कारण पंडित जी प्रायश्चित्त करवाने लाला घासीराम के घर आए।

(ङ) कहानी के अंत में महरी ने आकर कहा कि माँजी, बिल्ली उठकर भाग गई।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) बहु से कभी भंडारघर खुला रह जाता, तो कभी वह भंडारघर में बैठे-बैठे सो गई तो कबरी बिल्ली को मौका मिल जाता, घी-दूध पर जुट जाती। इस कारण रामू की बहू की आफत आ जाती और बिल्ली के छक्के-पंजे हो जाते।

(ख) खाने को जो चीजें भंडारघर में बनती या बाजार से आती यह कबरी बिल्ली चट कर जाती। इस कारण रामू को रूखा-सूखा भोजन मिलता था।

(ग) कबरी बिल्ली से पीछा छुड़ाने के लिए रामू की बहू ने उसे फँसाने के लिए कठघरा लगाया जिसमें दूध, मलाई, चूहे तथा बिल्ली को स्वादिष्ट लगने वाले विविध प्रकार के व्यंजन रखे गए।

(घ) रामू की बहू द्वारा पति के लिए बनाई गई पिस्ता, बादाम, मखाने युक्त खीर जिस पर सोने का वर्क लगा था, कबरी बिल्ली ने खा ली। यह देखकर रामू की बहु का खून खौल उठा और उसने कबरी बिल्ली की हत्या के लिए कमर कस ली।

(ङ) बिल्ली की हत्या खबर बिजली की तरह पास-पड़ोस में फैल गई। पड़ोस की औरतों का रामू के घर ताँता बँध गया। चारों तरफ से प्रश्नों की बौछार और रामू की बहू सिर झुकाए बैठी है।

(च) रामू की बहू द्वारा बिल्ली की हत्या की खबर सुनकर पड़ोस की औरतों का रामू के घर ताँता बँध गया।

(छ) पंडित परमसुख चौबे छोटे-से, मोटे-से आदमी थे। लंबाई चार फीट दस इंच और तोंद का घेरा अट्ठावन इंच। चेहरा गोल-मटोल, बड़ी-बड़ी मूँछें, रंग गोरा, गोखुरी चोटी कमर तक पहुँची हुई थी।

(ज) पंडित जी ने प्रायश्चित्त का यह विधान बताया कि एक सोने की बिल्ली बनवाकर बहू से दान करवा दी जाए। जब तक बिल्ली न दे दी जाएगी, तब तक घर अपवित्र रहेगा। बिल्ली दान कर देने के बाद इक्कीस दिन का पाठ हो जाएगा।

(झ) महरी ने लड़खड़ाते स्वर में कहा—"माँ जी, बिल्ली तो उठकर भाग गई।"

(ञ) 'प्रायश्चित्त' कहानी से हमें अंधविश्वास एवं पाखण्ड से दूर रहने की शिक्षा प्रदान मिलती है।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) लेकिन बहू ठहरी **चौदह वर्ष** की बालिका।

(ख) रामू की बहू के लिए **खाना-पीना** दुश्वार।

(ग) **पंजा** कटोरे में लगा और **कटोरा झनझनाहट** की आवाज के साथ फर्श पर।

(घ) **प्रायश्चित्त** होगा, **पकवानों** पर हाथ लगेगा।

(ङ) माँ जी **बिल्ली** तो उठकर भाग गई।

व्याकरण ज्ञान

1. नीचे दिए निर्देशानुसार दो-दो शब्दयुग्मों का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए–

विलोम शब्द युग्म = (i) जिदंगी में **सुख-दुख** तो लगा ही रहता है।
(ii) साहुकार **लेन-देन** का कार्य करते हैं।

सार्थक और निरर्थक शब्द = (i) स्कूल ना जाने के लिए **झूठ-मूठ** का बहाना ना बनायाच करो।
(ii) आजकल **मार-धाड़** वाली फिल्में अधिक बनती है।

मिलते-जुलते अर्थवाले शब्द = (i) दो व्यक्तियों के परस्पर **आचार-विचार** मेल नहीं खाते।
(ii) पिताजी अपने पीछे **भरा-पूरा** परिवार छोड़ कर गए है।

2. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) प्रायश्चित्त = अपनी गलती का **प्रायश्चित्त** करना सज्जन मनुष्य की विशेषता है।

(ख) घृणा = संसार में पाप से **घृणा** करो, पापी से नहीं।

(ग) अपराधिनी = गीता **अपराधिनी** की तरह सर झुकाए खड़ी थी।

(घ) छक्के-पंजे = मलाई-दूध देखकर बिल्ली के तो **छक्के-पंजे** हो गए।

3. निम्नलिखित शब्दों के युग्म शब्द बनाइए–

आगा = पीछा   गुण = दोष

लेन	=	देन	उलटा	=	पुलटा	जान	=	पहचान	काम	=	काज
जय	=	पराजय	गाली	=	गलौज						
कूड़ा	=	करकट	अड़ोसी	=	पड़ोसी						
हँसते	=	हँसाते	हृष्ट	=	पुष्ट						
टाल	=	मटोल	गाते	=	बजाते						

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

15 नेताजी सुभाषचन्द्र बोस

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) भारत की आजादी की लड़ाई दो प्रमुख मोर्चों पर लड़ी गई—एक शांति और अहिंसा वाला मोर्चा तथा दूसरा उग्र एवं क्रांतिकारी मोर्चा।

(ख) पहला मोर्चा गाँधी जी सँभाले हुए थे और दूसरे मोर्चे का नेतृत्व सुभाषचंद्र बोस ने सँभाला।

(ग) सुभाष के पिता का नाम रायबहादुर जानकी बोस तथा माता का नाम प्रभावती देवी था।

(घ) सुभाष बाबू की प्रारंभिक शिक्षा एक प्रोटेस्टेंट स्कूल में हुई।

(ङ) किशोर सुभाष के मन पर स्वामी विवेकानंद के विचारों की छाप पड़ी।

(च) उस समय बंगाल में स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व देशबंधु चितरंजन दास कर रहे थे।

(छ) सुभाष बाबू ने गाँधी जी से विचार मेल न होने के कारण बंगाल प्रांतीय कांग्रेस कमेटी के प्रधान पद से तथा मेजर पद से त्याग-पत्र दे दिया।

(ज) आजाद हिंद फौज के सैनिक आजादी के दीवाने थे। वे गीत गाते थे—
कदम कदम बढ़ाए जा, खुशी के गीत गाए जा।
यह जिंदगी है कौम की, तू कौम पर लुटाए जा।।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) भारत की आजादी की लड़ाई दो प्रमुख मोर्चों पर लड़ी गई—एक शांति और अहिंसा वाला मोर्चा तथा दूसरा उग्र एवं क्रांतिकारी मोर्चा। पहला मोर्चा गाँधी जी सँभाले हुए थे और दूसरे मोर्चे का नेतृत्व सुभाषचंद्र बोस ने सँभाला।

(ख) भारतीय स्वतंत्रता-संग्राम के इतिहास में श्री सुभाषचन्द्र बोस जी का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। भारत की आजादी की लड़ाई सुभाषचन्द्र के नेतृत्व में उग्र एवं क्रांतिकारी मोर्चा पर लड़ी गई। सुभाषचन्द्र यथार्थवादी थे। इन्होंने अंग्रेजों के विपक्षियों से मिलकर, उनसे सैनिक सहायता ली तथा विदेशों में स्थित भारतीय सेनाओं को संगठित किया। उन्होंने इस पवित्र कार्य के लिए अपना जीवन तक न्यौछावर कर दिया। बढ़ते हुए सैनिक विद्रोह को देखकर अंग्रेजों को भारत को आजादी देने पर विवश होना पड़ा।

(ग) एक बार कक्षा में उस अंग्रेज प्रोफेसर ने भारतीयों के बारे में ज्यों ही निंदाजनक शब्द कहे, सुभाषचंद्र आवेश में आ गए। उन्होंने कॉलेज में हड़ताल करा दी। क्योंकि नवयुवक सुभाष ने हड़ताल का नेतृत्व किया था, इसलिए उन्हें कलकत्ता विश्वविद्यालय से दो वर्ष के लिए निकाल दिया गया।

(घ) आई० सी० एस० की परीक्षा पास करते ही उन्हें उच्च पद पर सरकारी नौकरी मिलनी थी, पर उन्होंने विदेशी सरकार की नौकरी को लात मार दी और अपने लिए देश-सेवा का काम चुना।

(ङ) सुभाषचंद्र बोस का स्वदेशी शासन का सपना था। इसके लिए सुभाष जेल भी गए। अपने नेतृत्व में जुलूस भी निकलवाया। आजादी की लड़ाई में सक्रिय रहते हुए उन्होंने फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की। फिर द्वितीय विश्व महायुद्ध छिड़ गया तब सुभाष, गाँधी जी के स्वतंत्रता संघर्ष से सन्तुष्ट नहीं थे। वे दो मास तक किसी से ना मिले और दाढ़ी बढ़कर चुपचाप मौलवी के वेश में पेशावर जा पहुँचे। वे कठिनाइयों से घिरे हुए थे। वे किसी तरह वहाँ से काबुल, मास्को और फिर बार्लिन पहुँचे। वहाँ वे हिटलर से मिले। हिटलर, सुभाषचन्द्र से बहुत प्रभावित हुए। फिर वे जापान पहुँचे, वहाँ से वे सिंगापुर गए। नेताजी ने आह्वान किया, ''तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा।'' आजाद हिन्द फौज के सैनिकों ने इंफाल में मोर्चे पर अभावों से ग्रस्त होते हुए भी वीरतापूर्वक लड़ाई लड़ी। जगह-जगह अंग्रेजों को मुँह की खानी पड़ी।

(च) आजादी के लिए सुभाषचंद्र ने देशवासियों से आह्वान किया ''तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा।''

(छ) 16 अगस्त, 1945 को नेताजी सिंगापुर से हवाई जहाज द्वारा बैंकाक पहुँचे। सैगाँव ठहरकर उनका जहाज दो बजे दोपहर को ताई होकू पहुँचा। आधे घंटे बाद जब जहाज उड़ा तो दुर्घटनाग्रस्त हो गया। कहते हैं कि 18 अगस्त को रात 9 बजे उनका देहांत हो गया।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) वहाँ उनकी **गाँधीजी** जी से न पटी।

(ख) अंग्रेज सरकार ने सुभाष बाबू को चिकित्सा के लिए **वियना** भेजा।

(ग) बर्लिन में सुभाष बाबू **हिटलर** से मिले।

(घ) सुभाष बाबू की माताजी का नाम **प्रभावती देवी** था।

(ङ) **5 जुलाई, 1943** को नेताजी ने आजाद हिंद अस्थाई सरकार की स्थापना की।

व्याकरण ज्ञान

1. 'ईय', 'ई', 'इक' और 'इत' प्रत्यय वाले अन्य तीन-तीन शब्द लिखिए–

राष्ट्रीय	आत्मीय	स्वर्गीय
लिखी	हँसी	बोली
क्रमिक	श्रमिक	रसिक
पठित	लिखित	चलित

2. संधि कीजिए–

प्र + आरंभिक = प्रारंभिक
सम् + न्यासी = संन्यासी
देह + अंत = देहांत
प्रति + एक = प्रत्येक
चिकित्स + आलय = चिकित्सालय

3. **नीचे दिए गए शब्दों में शुद्ध शब्द पर (✓) का चिह्न लगाइए–**

परीक्शा	✓ परीक्षा	परिक्षा
सन्यासी	संयासी	✓ संन्यासी
✓ नेतृत्व	नेत्रित्व	नेत्रत्व
अन्तर्गत	अन्तरगत	✓ अंतर्गत
✓ स्वास्थ्य	स्वासथ्य	स्वास्थय

4. **निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर इनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

(क) पहाड़ टूट पड़ना = **मुसीबत आना**
दुर्घटना में कमाऊ बेटा मर जाने से परिवार पर **पहाड़ टूट पड़ा।**

(ख) न्यौछावर करना = **बहुत प्यार करना।**
माता-पिता अपने बच्चों पर **न्यौछावर रहते** हैं।

(ग) बेड़ियाँ काटना = **आजाद होना**
गाँधी जी ने भारतमाता की **बेड़ियाँ काटने** की शपथ ली थी।

(घ) दिल मसोसकर रह जाना = **अफसोस करना**
नरेश अपने पिताजी की सेवा ना कर पाने पर **दिल मसोसकर रह गया।**

(ङ) मुँह की खाना = **हार जाना**
आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों को **मुँह की खानी** पड़ी थी।

(च) जान हथेली पर रखना = **प्राणों की परवाह न करना**
सैनिक जान हथेली पर रखकर युद्ध के मैदान में जाते हैं।

5. **निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए–**

स्वदेश	= **देश**	आजादी	= **गुलामी**
गहरा	= **उथला**	संतुष्ट	= **असंतुष्ट**
स्वतंत्रता	= **परतन्त्रता**	गिरफ्तार	= **आजाद**
उग्र	= **सौम्य**	स्वर्ग	= **नरक**

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

16 तिवारी का तोता

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. **सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–**
(क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) इस कहानी के लेखक का नाम सुदर्शन है।
(ख) तिवारी जी काशी नगर में रहते थे और उन्होंने एक तोता पाला हुआ था।
(ग) तिवारी जी का तोता पिंजरे में रहता था।
(घ) हमें कभी किसी पशु-पक्षी को कैद करके नहीं रखना चाहिए।

लिखित– Based on NEP 2020

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) जंगली तोता जंगल में आजाद रहता है, जबकि पिंजरे का तोता पिंजरों में कैद रहता है। जंगल में खतरे होते हैं। परन्तु पिंजरे के तोते का घर मजबूत होता है।

(ख) पिंजरे के तोते का दुर्भाग्य है कि उसने कभी खुले आसमान तले पंख नहीं फैलाए और ना ही कभी खुली हवा में साँस ली। कभी अपने रास्ते आप नहीं ढूंढ़े। उसने कभी मौत का सामना नहीं किया, ना ही जिंदगी के मजे लूटे हैं।

(ग) पिंजरे के तोते ने अपने मालिक का गुणगान करते हुए कहा कि मेरा मालिक मुझ पर मेहरबान है। वह मुझे पानी पिलाता है। दाना खिलाता है, रात और अँधेरे में मेरी रक्षा करता है।

(घ) जंगल के तोते ने पिंजरे के तोते से कहा कि तू मालिक की बात सुनाता है और मालिक की बोली बोलता है। सिर्फ एक दिन अपन मालिक की बात न सुन और उसकी बोली में जवाब ना दे फिर देख क्या होता है।

(ङ) पिंजरे के तोते ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि जंगल के तोते के कारण ही उसे अपने मालिक से और उसकी कैद से छुटकारा मिला।

4. **निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिए–**

(क) जंगल में कितने खतरे होते हैं, पिंजरों के तोते ने कभी उन खतरों का सामना नहीं किया। इसलिए उसने कभी जीवन के आनन्द नहीं लूटे।

(ख) कैद में रहकर पिंजरे का तोता खुश है। उसे कैदी या गुलामी पसन्द है इसलिए तुझ पर लानत है। तू कभी आज़ादी नहीं चाहता।

व्याकरण ज्ञान

1. **दो वाक्यों को मिलाकर एक वाक्य बनाइए। निम्नलिखित उदाहरण देखिए, समझिए और कीजिए–**

उदाहरण— तुझ पर लानत है।
तेरी आज़ादी मर चुकी है।
तुझ पर इसलिए लानत है क्योंकि तेरी आज़ादी मर चुकी है।

(क) मैं कैदी नहीं हूँ। मैं जब चाहूँ पिंजरे में घूम सकता हूँ।
मैं कैदी नहीं हूँ, क्योंकि मैं जब चाहूँ पिंजरे में घूम सकता हूँ।

(ख) मैं आज किसी की बात नहीं सुनूँगा।
मैं सिर्फ अपने मन की बात सुनूँगा।
मैं आज किसी की बात नहीं सुनूँगा। सिर्फ अपने मन की बात सुनूँगा।

2. **वचन बदलते हुए वाक्य दोबारा लिखिए–**

(क) पिंजरे का तोता बोला।
(ख) मेरी बात समझने की कोशिश करो।
(ग) जंगली तोते खतरनाक होते हैं।
(घ) बेटे ने तोते को सींक चुभोई।

3. **निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया के नीचे रेखा खींचिए–**

(क) काशी में तिवारी जी <u>रहते</u> थे।
(ख) पिंजरे के तोते ने <u>जबाव दिया</u>।
(ग) मेरा घर मेरा <u>कैदखाना</u> है।
(घ) हैरानी आँखों की पलकों पर <u>छाई हुई थी</u>।
(ङ) उनके पास एक <u>तोता था</u>।

4. **रेखांकित अंश में कौन-सा कारक प्रयुक्त हुआ है? लिखिए–**

(क) तिवारी के बेटे ने सींक चुभोई। **संबंधकारक**
(ख) मैं पानी पीता हूँ। **कर्ताकारक**
(ग) पेड़ से पत्ता गिर गया। **अपादान कारक**
(घ) मैं तेरे लिए पानी लाया हूँ। **संप्रदान कारक**
(ङ) पिंजरे में दाना है। **अधिकरण कारक**

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

17 साँप की मणि

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) लेखक कोलंबो जाकर रावण की लंकापुरी देखना चाहता था।

(ख) जहाज वहाँ चार दिन रुकने वाला था।

(ग) साँप की मणि के बारे में लेखक ने सुना था कि साँप की मणि का मोल सात बादशाहों के बराबर होता है।

(घ) खबर लाने वाले ने लेखक के मित्र से कहा कि अभी मैं एक साँप को मणि से खेलते देख आया हूँ। अगर आप इसी वक्त चले तो मणि हाथ आ सकती है।

(ङ) लेखक ने बंदूक की बात कही तो आदमी ने कहा, ''बंदूक की कोई जरूरत नहीं है साहब, आप थोड़ी देर रूकिए, मैं अभी आया।''

(च) जानकारी प्राप्त करने पर लेखक को पता चला कि यह एक किस्म का पत्थर है, जो गर्म होकर अँधेरे में जलने लगता है। जब तक ठंडा नहीं हो जाता, वह इसी तरह रोशन रहता है।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) साँप की मणि के बारे में लेखक के दोस्त ने बताया कि मणि एक ही प्रकार के साँप के पास होती है, जिसे कालिया कहते हैं। साँप मणि अपने मुँह के अन्दर रखता है। जब उसे रोशनी की जरूरत होती है, तो वह किसी साफ पत्थर पर उसे सामने रख देता है। उस वक्त जरा भी खटका हो तो वह झट मणि मुँह में दबाकर भाग जाता है। यह उसकी आदत है कि जहाँ एक बार मणि को निकालता है, वही बार-बार आता है।

(ख) जंगल में पहुँचकर लेखक ने देखा कि बीस गज की दूरी पर एक साँप फन उठाए बैठा था और उसके आस-पास उजाला हो रहा था।

(ग) बंदूक की जगह आदमी ने कीचड़ का प्रयोग किया। उसने वो कीचड़ मणि के ऊपर फेंक दी जिससे अँधेरा छा गया।

(घ) लेखक ने पेड़ के नीचे उतरने से रोकने के लिए आदमी ने कहा, भूलकर भी नीचे न जाइएगा, नहीं तो घर तक न पहुँचेगे। वह साँप यही पर कहीं-न-कहीं छिपा बैठा है।

(ङ) लेखक को संदेह था कि यह वही मणि है, जिसका मोल सात बादशाहों के बराबर है।

(च) मणि के बारे में लेखक ने बताया कि यह एक किस्म का पत्थर है, जो गर्म होकर अँधेरे में जलने लगता है। जब तक वह ठंड नहीं हो जाता, वह इसी तरह रोशन रहता था। साँप दिन-भर इसे मुँह में रखता है ताकि यह गर्म रहे। रात को वह इसे किसी जंगल में निकालता है और इसकी रोशनी में कीड़े-मकौड़े खाता है।

4. इन प्रश्नों के उत्तर कल्पना तथा अनुमान के आधार पर दीजिए–

(क) हम साँप को मारकर साँप की मणि लेने का प्रयत्न करते।

(ख) यदि आपके हाथ साँप की मणि लग जाएगी तो हम उसे संभाल कर घर में रखेंगे।

व्याकरण ज्ञान

1. दिए गए वाक्यों में विशेषण छाँटिए और लिखिए कि ये विशेषण के कौन-से भेद के अंतर्गत आते हैं–

(क)	**सात दिन**	**निश्चित संख्यावाचक**
(ख)	**पचासों**	**परिमाणवाचक अनिश्चित**
(ग)	**सात**	**निश्चित संख्यावाचक**
(घ)	**बीस गज**	**निश्चित परिणामवाचक**
(ङ)	**अधिक**	**अनिश्चित परिणामवाचक**
(च)	**साफ**	**गुणवाचक**
(छ)	**चार मीटर**	**परिणामवाचक निश्चित**

2. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए–

मैं	=	**हम**	वह	=	**वे**
खबर	=	**खबरें**	मणि	=	**मणियाँ**
किस्सा	=	**किस्से**	कहानी	=	**कहानियाँ**
बंदूक	=	**बंदूकों**	चीज	=	**चीजें**

3. ध्वन्यात्मक रूप में परिवर्तित कीजिए–

घबराना	=	घबराहट	खड़खड़ाना	=	खड़खड़ाहट
चहचहाना	=	चहचाहट	मुस्कराना	=	मुस्कराहट
ठकठकाना	=	ठकठकाहट	हिनहिनाना	=	हिनहिनाहट
गुर्राना	=	गुर्राहट	खटखटाना	=	खटखटाहट

4. प्रश्नचिह्न का प्रयोग करते हुए पाँच वाक्य लिखिए–

क्या आप मेरे साथ बाजार चलेंगे?

तुम हमारे घर कब आओगे?

क्या तुमने अपना पाठ याद कर लिया?

क्या आपके पास कोई पालतू जानवर है?

आज आपने क्या खाना बनाया है?

5. नीचे दिए गए शब्दों में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग-अलग कीजिए

अधर्म	=	अ + धर्म	अन्याय	=	अ + न्याय
असत्य	=	अ + सत्य	अकाल	=	अ + काल
अलौकिक	=	अ + लौकिक	अशिष्ट	=	अ + शिष्ट
अस्पष्ट	=	अ + स्पष्ट	अपरिचित	=	अ + परीचित

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

18 काले बादल

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) (i) (ख) (ii) (ग) (ii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) प्रस्तुत कविता के रचयिता सुमित्रानन्दन पंत जी है।

(ख) काले बादल में चाँदी की रेखा के समान बिजली चमक रही है। काले बादलों के माध्यम से राग-द्वेष आदि छोड़कर आपस में प्रेमपूर्वक रहने का अभिप्राय है।

(ग) केकी-केका आँगन में नाच-नाच कर गा रहे है।

(घ) जन में प्रेम और विश्वास नहीं है।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) उक्त पंक्ति का अर्थ है—काले बादलों के बीच में चाँदी की रेखा के सामान चमकती बिजली रहती है।

(ख) कवि का काले बादल से अभिप्राय जीवन के राग-द्वेष और दु:ख क्लेश से है।

(ग) कवि राग-द्वेष, दु:ख क्लेश, घोर अंधकार से घृणा करता है।

(घ) कवि के मन में काले बादलों के बीच मानवता में एकता की एक चिल्लाती हुई सोने की रेखा संसार में लाने की इच्छा हो रही है।

(ङ) कवि ने एकता रूपी सोने की रेखा को निराशा में आशा की किरण के प्रतीक के रूप में कहा है।

4. निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या कीजिए–

मुझे मृत्यु से डर नहीं लगता, परन्तु दुनीर्ति से प्यार भी नहीं है। यह मनुष्य की रीति नहीं है। जग में प्रेम और विश्वास नहीं है। इसलिए हे मानव, काले बादलों के बीच एकता, राग-द्वेष रहित एक सोने की रेखा के सामान रीति संसार में लाओ।

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

केकी	= मयूर, मोर	क्लेश	= दु:ख, रोना-पीटना
नभ	= आकाश, गगन	चपला	= बिजली, दामिनी

2. निम्न शब्दों के भिन्नार्थक दो-दो वाक्य बनाइए–

(क) चाँदी = (i) **चाँदी** सबसे महँगी धातु है।
(ii) एक लाख की लाटरी निकल जाने पर रमेश की तो जैसे **चाँदी** निकल गई।

(ख) चपला = (i) आकाश में जोर से **चपला** चमक रही हे।
(ii) गाड़ी पकड़ने के लिए हम बहुत **चपला** गति से चल रहे थे।

(ग) विधि = (i) पंडितजी पूरे **विधि**-विधान से पूजा कर रहे हैं।
(ii) जज साहब **विधि** के अनुसार ही अपना फैसला देते हैं।

(घ) झिल्ली = (i) चादर का कपड़ा एक **झिल्ली** की तरह है।
(ii) आँखों की **झिल्ली** बहुत नाजुक होती है।

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

19 अमर शहीद भगत सिंह के पात्र

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. **सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–**
(क) (i) (ख) (i) (ग) (ii)

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) भगतसिंह एक क्रांतिकारी थे।

(ख) भारत देश को आजाद करवाने के लिए भगतसिंह ने अपने प्राणों की आहुति दे दी थी।

(ग) भगतसिंह के क्रांति को रोकने के लिए ही अंग्रेजों ने उन्हें फाँसी दी।

(घ) उनके लिखे पत्रों से पता चलता है कि भारत को आजाद कराने के लिए किसी भी हद तक जा सकते थे। वे क्रांति के प्रतीक चिह्न को मद्धिम नहीं पड़ने देना चाहते थे।

लिखित– Based on NEP 2020

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) माँजी के जेल में मिलने आने पर तथा मुलाकात का आदेश नहीं मिल पाने से माँजी का निराश होकर वापस लौटने से भगतसिंह को बहुत दुख हुआ।

(ख) हालात से मुकाबला करने को उन्होंने अपनी माँजी और भाई से कहा, क्योंकि जब एक बरस तक मुलाकातें करके भी तबीयत नहीं भरी तो और दो चार मुलाकातों से भी तसल्ली न होगी।

(ग) भगतसिंह के विचार थे कि देश और मानवता के लिए जो कुछ करने की हसरतें उनके दिल में थी, उनका हजारवाँ भाग भी पूरा नहीं कर सके। अगर स्वतंत्र जिंदा रह सकता, तब शायद इन्हें पूरा करने का अवसर मिलता और मैं अपनी हसरत पूरी कर सकता।

(घ) फाँसी के फंदे से बच जाने पर उनके मन में आशंका उत्पन्न हुई कि आज मेरी कमजोरियाँ जनता के सामने नहीं है, अगर मैं फाँसी से बच गया तो वे जाहिर हो जाएगी तथा क्रांति का प्रतीक चिह्न मद्धिम न पड़ गए या संभवत: हो जाए।

(ङ) भगतसिंह आजादी के लिए अपना सर्वस्व कुर्बान कर चुके थे और अब अपने प्राणों की आहुति दे रहे है। यह सोचकर उन्हें अपने ऊपर गर्व महसूस हो रहा था।

(च) उन्होंने 'शैतानी शक्तियों' शब्दों का प्रयोग अंग्रेजों के लिए किया, क्योंकि अंग्रेज क्रांतिकारियों के मंसूबों पर पानी फेरना चाहते थे।

4. **निम्नलिखित अनुच्छेद को उचित शब्दों द्वारा पूर्ण कजिए–**
मुझे यह **जानकर** कि एक दिन तुम **माँ जी** को साथ लेकर आए और **मुलाकात** का आदेश नहीं मिलने से **निराश होकर** वापस लौट गए, **बहुत दुःख** हुआ। तुम्हें तो पता चल चुका था कि **जेल** में मुलाकात **की इजाजत** की नहीं देते। फिर **माँ जी** को साथ क्यों लाए? मैं जानता हूँ कि इस समय वे बहुत **घबराई** हुई हैं, लेकिन इस **घबराहट** और **परेशानी** का क्या **फायदा** नुकसान **जरूर** है, क्योंकि जब से मुझे पता चला कि वे बहुत **रो रही** हैं, मैं स्वयं भी **बेचैन** हो रहा हूँ। **घबराने** की कोई बात नहीं, फिर इससे कुछ **मिलता** भी नहीं।

व्याकरण ज्ञान

1. **निम्नलिखित आगत (विदेशी) शब्दों के हिंदी पर्याय लिखिए–**

कुर्बानी	=	बलिदान	तमाम	=	सारे
नुकसान	=	हानि	आरजू	=	अभिलाषा
इजाजत	=	अनुमति	आजादी	=	स्वतंत्रता
मुलाकात	=	परस्पर मिलना	हसरत	=	इच्छा

2. **दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–**

दुनिया	=	जगत	संसार
माता	=	जननी	माँ
साहस	=	वीरता	बहादुर
इच्छा	=	चाह	कामना

3. **निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण शब्द छाँटकर उनके भेदों के नाम लिखिए–**

वीर भगत सिंह	=	वीर	गुणवाचक
अनेक इच्छाएँ	=	अनेक	अनिश्चित परिमाणवाचक
शैतानी शक्तियाँ	=	शैतानी	गुणवाचक
दो-चार मुलाकातें	=	दो-चार	अनिश्चित परिमाणवाचक

4. **निम्नलिखित अनुच्छेद में से सर्वनाम और कारक-चिह्नों को छाँटिए–**
सर्वनाम—मेरी, मैं, वे, मेरे, अपने
कारक-चिह्न—के, से, का, की, में, को, के लिए

5. **निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए–**

(क) निराश = असफलता से **निराश** नहीं होना चाहिए।

(ख) इजाज़त = बच्चों को मूवी देखने की **इजाजत** नहीं देनी चाहिए।

(ग) मुलाकात = कल कैदियों से **मुलाकात** करने का दिन है।

(घ) पाबंद = गाँधी जी समय के बड़े **पाबंद** थे।

(ङ) प्रतीक = कबूतर शांति के **प्रतीक** हैं।

(च) तमाम = **तमाम** परेशानियों के बावजूद हँसना ही दिलेरी है।

कार्यकलाप
स्वयं कीजिए।

20 पर्यावरण

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. **सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–**
(क) (iii) (ख) (ii) (ग) (ii)

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) 'पर्यावरण' का अर्थ है'हमारे चारों ओर भौतिक वस्तुओं का घेरा।'

(ख) ऑक्सीजन हमारे फेफड़ों में जाती है।

(ग) शुद्ध वायु हमारे शरीर से रक्त की गंदगी को कार्बन डाइ-ऑक्साइड के रूप में बाहर निकालती है।

(घ) यदि वायु में ऑक्सीजन की मात्रा कम होगी तो वह रक्त की शुद्धि

ठीक ढंग से नहीं कर पाएगी तथा हमें फेफड़ों की अनेक बीमारियाँ हो जाएँगी।

(ङ) दूषित वायु में साँस लेने पर दमा, तपेदिक, कैंसर तथा श्वास संबंधी अनेक रोग उत्पन्न होते हैं।

(च) पीपल का वृक्ष तो रात्रि में भी कार्बन डाइ-ऑक्साइड को ग्रहण करके हमें शुद्ध वायु प्रदान करता है।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) पर्यावरण में कई वस्तुएँ आ जाती हैं। हमारे चारों ओर वायु का घेरा, भूमि, पानी, पेड़-पौधे, सूर्य का ताप आदि।

(ख) वायु में कई प्रकार की गैसें मिली रहती हैं जिनमें नाइट्रोजन और ऑक्सीजन की मात्रा सर्वाधिक होती है।

(ग) अशुद्ध वायु में कार्बन डाइ-ऑक्साइड, धूल के कण तथा अन्य विषैले पदार्थों के कण अधिक पाए जाते हैं।

(घ) अच्छे स्वास्थ्य के लिए वायु का शुद्ध होना नितांत आवश्यक है। जब हम साँस लेते है तो ऑक्सीजन हमारे फेफड़ों में जाती है। यह रक्त को शुद्ध करने का काम करती है। रक्त की गंदगी को कार्बन डाइ-ऑक्साइड के रूप में बाहर निकलती है।

(ङ) वायु के दूषित होने के अनेक कारण हैंकल कारखानों की चिमनियों से निकलता धुआँ, सड़कों पर चलने वाले वाहनों से निकलता हुआ धुआँ तथा गंदगी के कारण उनसे निकलने वाले विषैले तत्वों से वायु प्रदूषित हो जाती है। नगरों में जहाँ अनेक औद्योगिक केंद्र होते हैं तथा सड़कों पर अनेक वाहन चलते हैं, वहाँ की वायु बहुत प्रदूषित होती है।

(च) ध्वनि-प्रदूषण वाहनों, कल-कारखानों, मशीनों, लाउडस्पीकरों, रेलों, हवाई-जहाज आदि के शोर से होता है।

(छ) अशुद्ध जल के सेवन से हैजा, पेचिश तथा पेट की अनेक बीमारियाँ हो जाती हैं।

(ज) हम पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए अपने घरों का कूड़ा-करकट उसके लिए बनाए गए स्थान पर ही डालें तथा अपने आसपास के स्थानों, सड़कों तथा सार्वजनिक स्थानों को साफ रखें। साथ ही अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाएँ और पहले से लगे हुए वृक्षों को हानि भी न पहुँचाएँ।

4. सही मेल मिलाइए–

प्रदूषण	उससे होने वाले रोग
जल	हैजा, पेचिश, पेट की बीमारियाँ
वायु	दमा, तपेदिक, श्वास
ध्वनि	हृदय, रक्तचाप, सिरदर्द, बहरापन

व्याकरण ज्ञान

1. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों द्वारा रिक्त स्थानों को पूरा कीजिए–

(क) रक्त की **शुद्धता** शुद्ध वायु पर निर्भर है।

(ख) आज पेड़-पौधों के संरक्षण की बहुत **आवश्यकता** है।

(ग) शुद्ध वायु की भाँति शुद्ध जल की **उपयोगिता** भी कम नहीं है।

(घ) **कर्तव्यनिष्ठ** व्यक्ति अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखता है।

2. 'दुर्' उपसर्ग तथा 'इक' प्रत्यय के योग से बने तीन-तीन शब्द लिखिए–

(क) 'दुर्' उपसर्ग = दुराचार, दुर्लभ, दुर्जन

(ख) 'इक' प्रत्यय = क्रमिक, रसिक, श्रमिक

3. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

सर्वाधिक = सर्व + अधिक   स्वच्छ = सु + अच्छ

अत्यंत = अत + यंत   जीवाणु = जीव + आणु

4. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए–

गली = कूचा, छोटा मोहल्ला   जल = पानी, नीर

मात्रा = परिमाण, अवयव   फल = लाभ, नतीजा

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

कक्षा-8

1 जय बोल!

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) अस्थियाँ जलाने से तात्पर्य है कि देश के वीर तेज धूप में अपनी अस्थियों को तपा कर भी राष्ट्र की सेवा में लगे रहते हैं।

(ख) 'पुण्यवेदी' से आशय कविता में बलिदानों की भूमि से है।

(ग) जो वीरों के रूपी असंख्य छोटे-छोटे दीपक जलते-बुझते राष्ट्र पर न्यौछावर हो रहे हैं।

(घ) सूर्य, चंद्र, भूगोल, ग्रह आदि उन वीरों की वीरता की गवाही दे रहे हैं जो देश पर न्यौछावर हुए।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) प्रस्तुत कविता के लेखक 'रामधारी सिंह दिनकर' वीर रस की कविताओं के लिए प्रसिद्ध है।

(ख) हमें देशभक्तों की जय-जयकार करनी चाहिए, क्योंकि वीरों ने तेज धूप में अपनी अस्थियों को तपा कर, तेज बारिशों, सर्दियों में हड्डियों को गलाकर, भिगोकर हँसते-हँसते राष्ट्र के लिए न्यौछावर हुए। ऐसे वीरों की सदा जय-जयकार करनी चाहिए।

(ग) वीरों रूपी असंख्य छोटे-छोटे दीपक जो बार-बार जल कर बुझ गए।

(घ) प्रस्तुत कविता की रचना कवि ने देशभक्तों को सम्मान देने के लिए की है।

4. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए–

भावार्थ–जो अज्ञानी, मूर्ख हैं, वह इन वीरों के बारे में क्या जानें। आज सूर्य चंद्रमा, भूगोल, खगोल ग्रह आदि सभी वीरों की वीरता की महिमा का बखान कर रहे हैं। हे मनुष्य,! उन वीरों की जय-जयकार बोल!

5. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

(क) जला **अस्थियाँ बारी**-बारी,
जिन्होंने छिटकाई चिंगारी।
जो चढ़ गए **पुण्यवेदी पर लिए बिना गर्दन का मोल**
कलम! **आज उनकी जय बोल!**

(ख) पीकर जिनकी **लाल शिखाएँ**,
उगल रहीं लू-लपट दिशाएँ।
उनके **सिंहनाद से सहमी** धरती **रही अभी तक** डोल,
कलम! **आज उनकी जय** बोल!

व्याकरण ज्ञान

1. उदाहरणानुसार निम्नलिखित शब्द-युग्मों के अर्थ लिखिए–

गली-गली = **एक-एक गली**
बारी-बारी = **बारी-बारी से**
लू-लपट = **लू की लपटें**
बाल-बच्चे = **बाल बच्चेदार**
वन-वन = **प्रत्येक वन में**
आना-जाना = **बार-बार आना और जाना**
लाभ-हानि = **लाभ और हानि**

2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

पुण्यवेदी **प् + उ + ण् + य् + अ + व् + ए + द् + ई**
अगणित **अ् + ग् + अ + ण + इ + त + अ**
अमोलक **अ् + म् + ओ + ल् + क + अ + क् + अ**
शिवालय **श् + इ + व् + आ + ल् + अ + य् + अ**
महाराज **म् + अ + ह + आ + र + आ + ज् + अ**
देवर्षि **द् + ए + व् + ऋ + ष् + इ**

3. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए–

अस्थि	**अस्थियाँ**	चिंगारी	**चिंगारियाँ**
लेखनी	**लेखनियाँ**	दिशा	**दिशाएँ**
कविता	**कविताएँ**	शिखा	**शिखाएँ**

4. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए–

अपना	**पराया**	ठंडा	**गर्म**
आज	**कल**	लघु	**गुरु**
इंसान	**दानव**	धरती	**आकाश**
देशभक्त	**देशद्रोह**	आग	**पानी**

5. निम्नलिखित तत्सम शब्दों के लिए तद्भव शब्द लिखिए–

अस्थि	**हड्डी**	अग्नि	**आग**
चंद्र	**चाँद**	कर्म	**कार्य**
शिखा	**चोटी**	सिंह	**शेर**

कार्यकलाप

स्वयं करें।

2 जब मैंने पहली पुस्तक खरीदी

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) लेखक को पढ़ने की चाह लग गई।

(ख) आर्यसमाज के सुधारवादी आंदोलन का उद्देश्य था, जो भी समाज विरोधी, मनुष्य-विरोधी मूल्य हैं, रूढ़ियाँ हैं, उनका खंडन करना और अंत में अपने हत्यारे तक को क्षमा कर उसे सहारा देना।

(ग) धर्मवीर भारती को स्कूल में इनाम में दो पुस्तकें मिलीं। पिताजी ने अपनी अलमारी के एक खाने से अपनी चीजें हटाकर जगह बनाई और दोनों किताबें उस खाने में रखकर कहा, ''आज से यह खाना तुम्हारी अपनी किताबों का। यह तुम्हारी लाइब्रेरी हैं।'' इस तरह धर्मवीर भारती की अपनी लाइब्रेरी बनी।

(घ) देवदास फिल्म देखने को माँ से मिले रुपए से लेखक ने शरत् चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखित देवदास नामक पुस्तक खरीदी। पुस्तक-विक्रेता ने उन्हें पुस्तक केवल दस आने में दे दी।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) लेखक के माता-पिता आर्यसमाज संस्था से जुड़े थे।

(ख) लेखक के घर 'आर्यमित्र, साप्ताहिक, वेदोदय, सरस्वती, गृहिणी और दो बाल पत्रिकाएँ बाल सखा और चमचम नामक पत्र-पत्रिकाएँ आती थीं।

(ग) लेखक ने स्वामी दयानंद जी के बारे में लिखा कि वे तत्कालीन पाखंडों के विरुद्ध अदम्य साहस दिखाने वाले अद्‌भुत व्यक्ति थे।

(घ) लेखक को इनाम के रूप में दो अंग्रेजी किताबें मिली थी। एक में दो छोटे बच्चे घोंसलों की खोज में बागों और कुंजों में लटकते है। दूसरी पुस्तक में पानी के जहाज की कथाएँ थी। इन दो किताबों ने एक नई दुनिया का द्वार खोल दिए पक्षियों से भरा आकाश और रहस्यों से भरा समुद्र।

(ङ) देवदास फिल्म का गाना गाते समय लेखक की आँखों में आँसू आ जाते थे क्योंकि गाने में बहुत दुख भरा था।

(च) लेखक की निजी लाइब्रेरी की पहली पुस्तक उसके अपने पैसों से खरीदी शरत् चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखित पुस्तक देवदास थी।

4. रिक्त स्थानों को भरिए–

(क) उस समय **आर्यसमाज** का **सुधारवादी** आंदोलन पूरे जोर पर था।

(ख) हम लोग बड़े **आर्थिक कष्टों** से गुजर रहे थे।

(ग) वे तत्कालीन **पाखंडों** के विरुद्ध **अदम्य** साहस दिखाने वाले अद्‌भुत व्यक्ति थे।

(घ) **अंग्रेजी** में मेरे सबसे ज्यादा नंबर थे।

(ङ) **दुख भरे दिन अब बीतत नाहीं** उसे अकसर गुनगुनाता रहता था।

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों में से कारक-चिह्न छाँटकर लिखिए–

(क) के लिए, की (ख) से (ग) को (घ) की, से, का, के, में (ङ) की, में।

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थक शब्द लिखिए–

बचपन	=	**बाल्यावस्था**	पिता	=	**जनक**
प्रकाश	=	**ज्योति**	जीवन	=	**जीविका**
परिश्रम	=	**मेहनत**	बाग	=	**लगाम**
संकट	=	**विपत्ति**	निजी	=	**अपना**

3. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) सुधारवादी = स्वामी विवेकानंद ने **सुधारवादी** आंदोलन में भाग लिया था।

(ख) आह्वान = भगतसिंह ने राष्ट्र का **आह्वान** किया।

(ग) अनुवाद = संस्कृत का हिंदी में **अनुवाद** करो।

(घ) तत्कालीन = **तत्कालीन** प्रधानमंत्री ने देश की उन्नति के लिए कार्य किए।

(ङ) प्रख्यात = मुंशी प्रेमचंद एक **प्रख्यात** लेखक है।

4. निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण शब्दों को अलग कीजिए–

आर्थिक कष्ट	=	**आर्थिक**	सुंदर कन्या	=	**सुंदर**
रोचक शैली	=	**रोचक**	अद्‌भुत व्यक्ति	=	**अदभुत**
गलत संगति	=	**गलत**	पाँचवाँ दर्जा	=	**पाँचवाँ**
घोर विरोधी	=	**घोर**	पुराना ग्राहक	=	**पुराना**

कार्यकलाप

स्वयं कीजिए।

3 मालव-प्रेम

अभ्यास

मौखिक–

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (iii) (ग) (i)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) प्रस्तुत एकांकी में विक्रमी संवत् के प्रारंभ होने के लगभग 25 वर्ष पूर्व के काल को प्रदर्शित किया है।

(ख) मालव कन्या विजया के सामने दुविधा थी कि वह श्रीपाल और देश में से किसे चुनें?

(ग) जयदेव द्वारा अपमानित होने के कारण श्रीपाल अपने देश का दुश्मन बना।

(घ) अंत में विजया श्रीपाल के गले में हार डालती है। यह प्रसंग से स्पष्ट होता है कि विजया ने श्रीपाल को अपने पति के रूप में स्वीकार किया।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) विजया ने श्रीपाल को अशिष्ट कहा क्योंकि श्रीपाल एकांत में देर तक चुपचाप विजया को देख रहा था।

(ख) श्रीपाल ने बदला लेने के लिए विदेशी शासन शकों को मालवा पर आक्रमण करने के लिए आमंत्रित किया।

(ग) जयदेव ने श्रीपाल का मस्तक मालवा-भूमि को समर्पित करने का दंड सोचा।

(घ) मानव का सबसे बड़ा पतन पराधीनता है।

(ङ) विजया प्यार और देश में से देश का चुनाव करती है।

4. हाँ/नहीं में उत्तर दीजिए–

(क) नहीं (ख) नहीं (ग) नहीं (घ) नहीं (ङ) नहीं (च) नहीं

5. निम्न पंक्तियों का आशय अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए–

(क) जब मानव में निराशा का जन्म हो जाता है, तो वह बुरी आदतों की तरफ खींचता जाता है। या बुराइयाँ उस निराश व्यक्ति को अपनी तरह खींच लेती है।

ख) देश की रक्षा में बलिदान होने के लिए किसी एक विजया या श्रीपाल का प्रश्न नहीं होता, यह पूरे देश के लिए हैं।

1. प्रत्यय -दार का प्रयोग 'से युक्त', 'वाला' 'करने वाला' आदि अर्थों में संज्ञाओं के साथ होता है। अगर शब्द पुल्लिंग आकारांत हो तो वह 'ए' में बदल जाता है।

काँटा	**काँटेदार**	शान	**शानदार**	हवा	**हवादार**
मजा	**मजेदार**	दुकान	**दुकानदार**	जमीन	**जमींदार**
किराया	**किराएदार**	मसाला	**मसालेदार**	चौकी	**चौकीदार**

2. वाक्यों को 'होकर' से जोड़िए–

(क) होशियार लड़के होकर काम से जी चुराते हो।

(ख) सिपाही होकर युद्ध से डरते हो।

(ग) अच्छे परिवार के होकर ऐसा निम्न काम करते हो।

(घ) आप अच्छे खिलाड़ी होकर भी बच्चे से हार गए।

(ङ) आदमी होकर चूहों से डरते हो।

3. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए–

(क) इस तरह **बच्चों की तरह उछलते-कूदते** आपको शोभा नहीं देता।

(ख) **बातें करते समय गाली देना** आपको शोभा नहीं देता।

(ग) **बच्चों, बड़ों से इस तरह बातें करना** आप लोगों को शोभा नहीं देता।

(घ) कोई **वादा करके मुकर जाना** आपको शोभा नहीं देता।

4. पाठ के अनुसार वाक्यों का मिलान कीजिए–

(क) जिस देश में ऐसे वीर हों (i) उसे अपने ऊपर गर्व क्यों न हो।
(ख) मुझे अभिमान है कि (ii) मैंने तुम्हें देशद्रोह से बचा लिया।
(ग) यह समय नहीं है (iii) कि हम इस पर बहस करें।
(घ) जब देश में विदेशी शासन होगा (iv) तब क्या जाति स्वाधीन रह पाएगी?
(ङ) यह नए प्रकार का खेल है (v) जिसमें हाथ बाँधने पड़ते हैं।

कार्यकलाप

स्वयं करें।

4 गिल्लू

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) गिलहरी का छोटा-सा बच्चा निश्चेष्ट-सा गमले से चिपटा पड़ा था।

(ख) गिल्लू को जाली के पास बैठकर अपनेपन से बाहर झाँकते देखकर लेखिका ने सोचा कि इसे मुक्त करना आवश्यक है।

(ग) मुक्त होने के बाद गिल्लू खिड़की की खुली जाली की राह से बाहर चला जाता और दिन भर गिलहरियों के झुंड का नेता बना, हर डाल पर उछलता-कूदता रहता और ठीक चार बजे वह खिड़की के भीतर आकर अपने झूले में झूलने लगता।

(घ) लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए वह उनके पैर पर आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता। उसका यह दौड़ने का क्रम तब तक चलता जब तक लेखिका उसे पकड़ने के लिए न उठती।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) लेखिका ने उस घायल गिलहरी के बच्चे हौले से उठाकर अपने कमरे में आई फिर रुई से रक्त पोंछकर घावों पर पेनिसिलिन का मरहम लगाया। रुई की पतली बत्ती दूध में भिगोकर जैसे-तैसे उसके नन्हें से मुँह में लगाई पर मुँह खुल न सका और दूध की बूँदें दोनों ओर लुढ़क गईं।

(ख) गिल्लू को जब काजू या बिस्कुट मिल जाने थे तो वह लिफाफे से बाहर आकर पंजों से पकड़कर उन्हें कुतरने लगता था।

(ग) लेखिका ने गिल्लू के बैठने के लिए फूल रखने की एक हल्की सी डलिया में रुई बिछाकर उसे तार से खिड़की पर लटका कर एक घर बनाया जिसमें वह दो वर्ष तक रहा।

(घ) गिल्लू का प्रिय भोजन काजू था।

(ङ) गिल्लू लेखिका के पास बैठकर उनकी थाली से एक-एक चावल उठाकर बड़ी सफाई से खाता था।

(च) जीवन के अंतिम चरण में गिल्लू ने ना कुछ खाया, और ना ही बाहर गया। वह अपने झूले से उतरकर लेखिका के बिस्तर पर आया ठंडे पंजों से लेखिका की उँगली पकड़कर हाथ से चिपक गया।

2. रिक्त स्थानों को भरिए–

(क) वह **निश्चेष्ट** सा **गमले** से चिपटा पड़ा था।

(ख) हम उसे **गिल्लू** कहकर बुलाने लगे।

(ग) फिर **गिल्लू** के जीवन का **प्रथम** बसंत आया।

(घ) **गिल्लू** इनमें अपवाद था।

(ङ) **गिलहरियों** के जीवन की **अवधि** दो वर्ष से अधिक नहीं होती।

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियाविशेषण को छाँटकर उसका प्रकार बताइए–

(क) मेज पर पहुँच जाता। **स्थानवाचक**

(ख) दोपहर में काम करती। **कालवाचक**

(ग) दिन भर कुछ न खाया। **कालवाचक**

(घ) झूले से उतरकर मेरे पास आया। **स्थानवाचक**

2. निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय छाँटकर लिखिए–

(क) **उद्देश्य**—गिलहरी का एक छोटा-सा बच्चा है।
विधेय—निकट जाकर देखा

(ख) **उद्देश्य**— वह स्वयं हिलाकर
विधेय— अपने घर में झूला झूलता।

(ग) **उद्देश्य**— मैंने कीलें निकालकर
विधेय— जाली का कोन खोल दिया।

(घ) **उद्देश्य**— मेरे पास बहुत-से पशु-पक्षी हैं
विधेय— और उनसे मुझे लगाव भी कम नहीं।

3. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

सुबह = **प्रातः, भोर, प्रभात** काम = **कार्य, कर्म, कारज**
प्रेम = **प्यार, मोह, लगन** रात = **रात्रि, रजनी, निशा**

4. पाठ में से चार ऐसे शब्द ढूँढ़कर लिखिए जिनमें योजक-चिह्न का प्रयोग हुआ हो।

बहुत-से, पशु-पक्षी चिक-चिक, मनकों-सी

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

निश्चेष्ट	=	**चेष्टावान**	मुक्त	=	**ग्रस्त**
आवश्यकता	=	**अनावश्यकता**	सुलभ	=	**दुर्लभ**
घृणा	=	**प्रेम**	जीवन	=	**मरण**
उष्ण	=	**शीत**	संध्या	=	**प्रातः**

कार्यकलाप

स्वयं करें।

5 क्या निराश हुआ जाए

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) मनुष्य ने सामाजिक नियम इसलिए बनाए जिससे लोग ईमानदारी, सच्चाई और परोपकार की भावना से जिए। तथा एक महान भारत पाने की अभिलाषा पूर्ण हो सके।

(ख) सामाजिक नियम टूटने पर मनुष्य सोचता है कि अब समाज में ऐसा माहौल बनेगा कि व्यक्ति भ्रष्टाचार आदि से ग्रस्त होकर निराश हो जाएगा।

(ग) समाज को पूर्णरूप से दोषयुक्त मान लेने पर एक महान् भारतवर्ष को पाने की संभावना बनी रहेगी।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) इस समय सुखी वही है, जो कुछ नहीं करता, जो कुछ भी करेगा, उसमें लोग दोष खोजने लगेंगे। उसके सारे गुण भुला दिए जाएँगे और दोषों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाने लगेगा। दोष किसमें नहीं होते? यही कारण है कि हर आदमी दोषी अधिक दिख रहा है, गुणी कम या बिल्कुल ही नहीं।

(ख) ईमानदारी से मेहनत करके जीविका चलाने वाले निरीह और भोले-भाले श्रमजीवी पिस रहे हैं, और झूठ तथा फरेब का रोजगार करने वाले फल-फूल रहे हैं। ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है, सच्चाई केवल भीरु और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है। ऐसी स्थिति में जीवन के महान मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था ही हिलने लगी है।

(ग) सैकड़ों घटनाएँ ऐसी घटती है, जिन्हें उजागर करने से लोकचित्त में अच्छाई के प्रति अच्छी भावना जागती है। एक घटित घटना के अनुसार लेखक ने रेलवे स्टेशन पर टिकट लेकर दस रुपए की जगह सौ का नोट दे दिया और जल्दी से कुछ याद ही नहीं रहा। थोड़ी देर बाद टिकट बाबू मेरे पास आया और उसने बाकि के बचे नब्बे रुपए मेरे हाथ पर रख दिया। दूसरी एक और घटनानुसार एक बार रात्रि में हमारी बस एक सुनसान जगह पर खराब हो जाने पर कंडक्टर द्वारा थोड़ी ही देर में सही बस लाना तथा मेरे बच्चों के लिए दूध लेकर आना। कैसे रह सकता हूँ कि मनुष्य में दया-भावना रह ही नहीं गई।

(घ) लोभ-मोह, काम-क्रोध आदि विकार मनुष्य में स्वाभाविक रूप से विद्यमान रहते हैं, पर उन्हें प्रधान शक्ति मान लेना और अपने मन तथा बुद्धि को उन्हीं के इशारे पर छोड़ देना बहुत निकृष्ट आचरण है।

4. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए–

(क) व्यक्ति का हृदय हर समय आदर्शों के अनुकूल कार्य नहीं कर सकता। कभी-कभी संयम व आदर्शों से बाहर जाकर भी कार्य किया जाता है।

(ख) भारतवर्ष सदा कानून को धर्म के रूप में देखता आ रहा है। आज एकाएक कानून और धर्म में अंतर कर दिया है। धर्म को डर के कारण धोखा नहीं दिया जा सकता भले ही कानून को धोखा दिया जा सकता है।

(ग) मनुष्य द्वारा बनाई गई विधियाँ कुछ गलत नतीजे पर चल रही है, परंतु उन्हें आए दिन बदला जा रहा है। इसलिए मनुष्य को निराश होने की जरूरत नहीं है क्योंकि आशा की ज्योति अभी जल रही है तथा महान भारतवर्ष के पाने की संभावना बनी हुई है।

5. सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाइए–

उत्तर– (क) (✓) (ख) (✗) (ग) (✗) (घ) (✓)

व्याकरण ज्ञान

1. इसी प्रकार के अन्य पाँच वाक्य बनाइए।

(i) बसंत को ऋतुराज भी कहते हैं। यह है सभी ऋतुओं का राजा बसंत को सभी ऋतुओं का राजा होने के कारण ऋतुराज कहा जाता है।

(ii) चारों ओर फूल-ही-फूल दिखाई देते हैं। सुगंधित फूलों पर भौरे गुंजार कर रहे हैं।
वातावरण में चारों तरफ फूल-ही-फूल नजर आ रहे हैं और उन फूलों पर भौरों की गुंजार से मनमोहन वातावरण हो रहा है।

(iii) जिसने भी मन, लगन और शुद्ध भावना से कार्य को प्रारंभ किया, उसे सफलता मिलने में देर नहीं लगती।
यदि हम सच्चे मन, लगन और शुद्ध भावना से किसी कार्य को प्रारंभ करते हैं तो एक कार्य में सफलता निश्चित ही होती है।

(iv) धैर्य और विश्वासपूर्ण चेष्टाएँ ही अच्छे परिणाम उत्पन्न करती है।
अच्छे परिणाम के लिए मनुष्य में धैर्यशीलता तथा मन में विश्वास की आवश्यकता होती है।

(v) मनुष्य को मनुष्य बनाने की शक्ति यदि किसी साधन में है, तो वह शिक्षा ही हो सकती है।
शिक्षा के द्वारा ही किसी मनुष्य को समाज में रहने योग्य मनुष्य बनाया जा सकता है।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति रेखांकित शब्दों के विपरीतार्थक शब्दों से कीजिए–

(क) यदि तुम **उत्कृष्ट** विचारों को मन में नहीं ला सकते तो कम-से-कम **निकृष्ट** विचारों से मन को मलिन तो न करो।

(ख) यदि इस सम्मेलन का **उद्घाटन** प्रधानमंत्री जी करेंगे तो **समापन** कौन करेगा?

(ग) यदि परमात्मा में **आस्था** है तो **अनास्था** की भावना तो आनी ही नहीं चाहिए।

(घ) यदि सभा में किसी पर **आरोप** लगाए जाएँगे तो **प्रत्यारोप** भी लगेंगे ही।

6. निम्नलिखित का वाच्य-परिवर्तन कीजिए–

(क) मुझसे यह पत्र नहीं लिखा जा रहा।
(ख) मेरे द्वारा यह पत्र नहीं पढ़ा जा रहा।
(ग) शैलेश से प्रातःकाल नहीं उठा जाता।
(घ) मैं पढ़ नहीं सकता।
(ङ) मैं धूप में आसानी से नहीं चल सकता।

कार्यकलाप

स्वयं करें।

6 समय-नियोजन

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) हम सभी अक्सर शिकायत किया करते हैं—समय के अभाव की।

(ख) नेहरु जी अपनी तरफ से पूरा प्रयत्न किया करते थे कि उनके काम में एक दिन भी देरी न हो।

(ग) गाँधी जी और नेहरु जी का जीवन यह प्रमाणित करता है कि अपना समय सोच-समझकर कर निश्चित कर लें और फिर उसका दृढ़तापूर्वक आचरण करें, तो अपने निश्चित कार्यों के अतिरिक्त और बहुत-से कार्यों के लिए हम समर्थ हो जाएँगे।

(घ) समय धन के समान है।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) समय से हमारे जीवन में कार्य करना जरूरी होता है। यदि हम समय का हिसाब रखना सीख लेते हैं तो हम सुख-शांति के भंडार की कुंजी प्राप्त कर सकते है। यह बात सदैव स्मरण रखनी चाहिए कि बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता।

(ख) नेहरु जी की दिनचर्या बहुत व्यस्त थी। प्रतिदिन आने वाली फाइलों का निबटान करना, विभिन्न आदमियों से मुलाकात, सभा, सोसाइटियों में जाना, दैनिक व्यायाम और अपने लिए मनोरंजन के लिए समय का सदुपयोग करते थे।

(ग) गाँधी जी को दर्शनार्थियों की भीड़ सदैव घेरे रहती थी। उनसे मिलने देश-विदेश से भी लोग आते थे, जो उनसे विचार-विमर्श व सलाह लिया करते थे। इसके अतिरिक्त उन्हें लेख-लिखने का भी शौक था और वे प्रतिदिन लिखते थे। प्रात: कालीन प्रार्थना सभा भी जाते है और भ्रमण भी करते थे। यही नहीं दुनिया के कोने-कोने से भेजे गए पत्रों का उत्तर भी वे स्वयं हाथों से लिखकर देते थे।

(घ) हर काम को करने के लिए एक निर्धारित समय होता है। यदि विद्यार्थी जीवन में हम समय से पढ़ाई नहीं करेंगे, समय से जागना, व्यायाम आदि नहीं करेंगे तो हम समय से परीक्षा भी नहीं दे पाएँगे। निर्धारित समय पर निश्चित कार्य करने से ही जीवन में सफलता प्राप्त होती है।

(ङ) समयानुसार कार्य करने से सुख, चैन, शांति की प्राप्ति होती है। समय से व्यायाम, चिंतन, अध्ययन करने से हमारा तन-मन स्वस्थ एवं सबल बन पाएगा। यदि हम इन सब कार्यों के लिए ही समय नहीं निकाल पाए तो विषय परिस्थितियों में अपना संतुलन किस प्रकार बनाएँगे। कहा भी गया है कि समय की लहरें किसी की प्रतीक्षा नहीं करती और न ही समय किसी के लिए सकता है।

(च) गाँधी जी और नेहरु जी इतने व्यस्त रहते हुए भी अपना काम समय पर कर लेते थे क्योंकि उन लोगों ने अपनी दिनचर्या बनाई हुई थी। आपने समय की कीमत को वो लोग जानते थे। और वो अपनी बनाई हुई दिनचर्या का दृढ़तापूर्वक पालन करते थे।

(छ) विद्यार्थियों के लिए समय का सही पालन करना बहुत आवश्यक है। क्योंकि उन्हें तो एक लंबा जीवन जीना है और सफलता के ऊँचे-नीचे पहाड़ों को छूना है। विद्यार्थी अपनी विद्यार्थी जीवन में जो आदतें प्राप्त कर लेता है, उसे हमेशा वहीं आदतें पड़ी रहती है। विद्यालयों में विद्यार्थी को समय तालिका इसलिए बनवाई जाती है जिससे वह सभी कार्य उसी समय तालिका के अनुरूप करें। ताकि वह जीवन में उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होता रहें।

4. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) भारत का प्रधानमंत्री होने के कारण उन पर कितना **दायित्व** है।

(ख) **व्यस्तता** होते हुए भी नेहरु जी अपने **दैनिक व्यायाम** और मनोरंजन के लिए समय निकाल लेते थे।

(ग) दूसरे दिन वह सभी **फाइलों** को निबटा कर वापस भेज दिया करते थे।

(घ) विद्यार्थी जीवन में जो आदतें पड़ जाती हैं; वे **जीवन पर्यंत** तक बनी रहती हैं।

(ङ) किसी ने ठीक ही कहा है कि समय, **धन** के समान है।

(च) 18-19 घंटे छात्रों के स्वयं **अपने विवेकपूर्ण** उपयोग के लिए होते हैं।

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

व्यस्त	=	**अव्यस्त**	आवश्यक	=	**अनावश्यक**
स्वस्थ	=	**अस्वस्थ**	निरंतर	=	**जिसका क्रम टूटा हो**
संतुलन	=	**असंतुलन**	कुशल	=	**अकुशल**

2. नीचे दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

व्यस्त	=	**व्याकुल**	आवश्यक	=	**जरूरी**
जीवन	=	**प्राणधारण**	व्यायाम	=	**योगा**
समय	=	**काल**	कोशिश	=	**प्रयत्न**
पत्र	=	**चिट्ठी**	सफलता	=	**पूर्णता**

3. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए–

सोसाइटियाँ	=	**सोसाइटी**	परिस्थितियाँ	=	**परिस्थिति**
सफलता	=	**सफलताएँ**	सावधानी	=	**सावधानियाँ**
समस्या	=	**समस्याएँ**	फाइलें	=	**फाइल**

4. निम्नलिखित वाक्यों में से कारक-चिह्नों को छाँटिए–

(क) में (ख) मेरी (ग) में (घ) से, में, ने (ङ) के (च) में (छ) को।

कार्यकलाप

छात्र स्वयं करें।

7 बाललीला

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) श्रीकृष्ण अपनी माता से रूठ गए है और उनसे चाँद लेने की जिद कर रहे हैं।

(ख) श्रीकृष्ण माँ द्वारा चाँद ना दिलाने के संदर्भ में दोष लगाते हैं।

(ग) मक्खन न खाने की सफाई देते हुए श्रीकृष्ण कहते हैं कि वो तो भोर होते ही गाय को चराने के लिए उपवन चले जाते हैं और शाम को लौटते हैं।

(घ) कृष्ण बाहें छोटी होने की बात इसलिए कहते हैं कि मक्खन का छींका ऊँचाई पर बँधा है और मेरी बाँहे छोटी-छोटी है तब मैं किस प्रकार मक्खन खा सकता हूँ।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) माता यशोदा द्वारा कृष्ण को चाँद ना दिलाने पर श्री कृष्ण केवल नंद बाबा के पुत्र होने की बात कहते हैं।

(ख) यशोदा कहती है कि आगे आओ, मेरी बात सुनो कृष्ण, बलदेव नहीं तुम ही मेरे पुत्र हो।

(ग) मक्खन के छींके के टूटने से तथा गोपियों द्वारा माता से श्रीकृष्ण की शिकायत करने तथा कृष्ण के मुख पर मक्खन लगा होने के कारण उनकी मक्खन खाने की चोरी पकड़ी गई।

(घ) माता यशोदा कृष्ण की बात पर विश्वास नहीं करती इसलिए कृष्ण स्वयं को पराया कहते हैं।

(ङ) अंत में श्रीकृष्ण माँ को लाठी वापस कर देते हैं।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) आगे आउ, बात सुनि मोरी **बलदेवहिं** न जनैहौं।

(ख) **भोर** भए गैयन के पाछे, मधुवन मोहि पठायो।

(ग) ग्वाल-बाल सब बैर पड़े हैं, **बरबस** मुख लपटायो।

(घ) **सूरदास** तब बिहँसि जसोदा, लै उर कंठ लगायो।

5. निम्नलिखित को हल कीजिए–

(क) यशोदा माँ—नंद बाबा (ख) बलदेव (ग) रुक्मणी (घ) द्वापर युग (ङ) सतयुग, कलयुग, त्रेतायुग।

व्याकरण ज्ञान

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

धरनि	=	**धरती**	मैया	=	**माँ**
माखन	=	**मक्खन**	पय	=	**दूध**
बेनी	=	**चोटी**	सुरभी	=	**गाय**
चंद्र	=	**चाँद**	सुत	=	**पुत्र**

3. नीचे दिए तद्भव शब्दों के तत्सम रूप लिखिए–

बहियन	=	**बाँह**	मुँह	=	**मुख**
मैया	=	**माँ**	पहर	=	**प्रहर**
सिर	=	**शिर**	पूत	=	**सुत**
धरनि	=	**धरती**	साँझ	=	**साँस**

4. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए–

(क) चंद्र = शिवजी के मस्तक पर **चंद्र** रेखा शोभयामान है।

(ख) पय = **पय** से दही , मक्खन, पनीर आदि चीजें बनती हैं।

(ग) सुत = राम के **सुत** लव-कुश थे।

(घ) भोर = सुरेश **भोर** होते ही खेत पर चला गया।

(ङ) विधि = पंडित जी पूजा **विधि**-विधान से करते है।

(च) भेद = किसी से **भेद**-भाव की नीति न अपनाएँ।

(छ) उर = कोई ऐसा कार्य न करे जिससे किसी के **उर** को ठेस लगे।

कार्यकलाप

स्वयं करें।

8 समाज के सच्चे शिक्षक

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (ii) (ग) (ii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) सूट-बूट पहने एक सज्जन कुली-कुली चिल्ला रहे थे।

(ख) सामान उठाने वाला व्यक्ति ईश्वरचंद्र विद्यासागर थे।

(ग) ईश्वरचंद्र विद्यासागर को 'संस्कृत कॉलेज' का अध्यक्ष बनाया गया।

(घ) समाज के हितों के लिए उनके कार्य है—कई शिक्षा संस्थाएँ खोली, बालिकाओं के लिए विद्यालयों की स्थापना करना, विधवा-विवाह आंदोलन तथा बहु-विवाह आंदोलन आदि।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) रेलवे स्टेशन पर साधारण-सा दिखने वाला व्यक्ति ईश्वरचंद्र विद्यासागर थे।

(ख) संस्कृत कॉलेज में जाति के आधार पर छात्रों की भर्ती का नियम तोड़ने का काम ईश्वरचंद्र ने ही किया। उन्होंने कहा, "यदि आप लोग पैसे की खातिर अंग्रेजों को संस्कृत पढ़ा सकते हैं तो मेरी समझ में नहीं आता कि बिना जाति-भेदभाव के अपने ही देशवासियों को क्यों नहीं पढ़ा सकते!"

(ग) अपमान का जीवन न जीने के प्रति विद्यासागर के विचार थे कि अपमान का जीवन बिताने की बजाय मैं रोटी के लिए सब्जी बेचना अथवा परचून की दुकान करना अच्छा समझता हूँ।

(घ) बालिका शिक्षा के लिए ईश्वरचंद्र ने बालिकाओं के लिए विद्यालय खुलवाया। उन्हीं की कोशिश से कोलकाता में बेपून विद्यालय, मेदिनीपुर, बर्दवान, हुगली और नदिया जिले में पचास बालिका विद्यालयों की स्थापना हुई।

(ङ) प्रोफेसर साहब की पहली पत्नी की मृत्यु हो चुकी थी। उन्होंने एक छोटी लड़की से विवाह कर लिया था। घर पहुँचकर जब विद्यासागर ने उस छोटी लड़की को देखा तो फूट-फूटकर रोने लगे। फिर वे एक पल भी वहाँ नहीं रुके।

(च) विधवा-विवाह के लिए समाज अनुमति नहीं देता था। ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने विधवा-विवाह को समाज-सम्मत और कानूनी घोषित कराने के लिए वातावरण बनाया। इसके लिए उन्हें बहुत-सी बाधाओं का सामना करना पड़ा। लेकिन लंबे समय के संघर्ष के बाद वे अपने उद्देश्य में सफल हुए। विधवा-विवाह को बढ़ावा देने के लिए इन्होंने अपने पुत्र का विवाह भी एक विधवा से किया। इसके संबंध में इन्होंने अपनी पुस्तक 'तत्वबोधिनी पत्रिका' में लिखा था, 'हमें अपने देश में विधवा-विवाह की प्रगति देखकर बड़ी खुशी है।'

(छ) विद्यासागर ने बहु विवाह प्रथा का विरोध इसलिए किया क्योंकि कुलीन घरों के लोग केवल पैसे के लोभ में आकर विवाह करते हैं। उनमें वैवाहिक कर्तव्य पालन की जरा भी भावना नहीं होती। इस तरह जिन औरतों की शादी केवल नायमात्र के लिए ही होती। उन्हें शादी से प्राप्त होने वाले सुख की कोई आशा नहीं होती। सच्चे प्रेम-पात्र के अभाव में उनके हृदय की प्रेम-भावना अतृप्त रह जाती है। वे क्षीण होती रहती या अनैतिकता का शिकार हो जाती है। इसके कारण बुराइयों फैल रही है। विवाहित स्त्रियाँ नरक में धकेली जा रही हैं।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) विद्यासागर जी **अनुशासन** को बहुत पसंद करते थे।

(ख) ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने बंगाल में कई **शिक्षा-संस्थाएँ** खोलीं।

(ग) प्रोफेसर साहब की पहली **पत्नी** की मृत्यु हो चुकी थी।

(घ) विधवा-विवाह के संबंधों में **तत्वबोधिनी** पत्रिका ने लिखा था।

(ङ) हजारों **विवाहित** स्त्रियाँ इसके कारण नरक में धकेली जा रही हैं।

5. सही कथन पर (✓) एवं गलत कथन पर (✗) का निशान लगाइए–

उत्तर– (क) (✓) (ख) (✓) (ग) (✓) (घ) (✗) (ङ) (✗)।

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित के अर्थ लिखिए और इनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) जहाँ चाह वहाँ राह = इच्छा हो तो उपाय निकल ही आता है।
अच्छी नौकरी मिलने पर मेरी तो **जहाँ चाह वहाँ राह** हो गई।

(ख) अभूतपूर्व = जो पहले ना हुआ हो।
ऐसी किसी घटना का जिक्र करो जो **अभूतपूर्व** हो।

(ग) घड़ों पानी पड़ना = बहुत लज्जित होना
अपनी गलती पर श्याम पर **घड़ों पानी पड़** गया।

(घ) चेतना = होश
अस्पताल में रोगी अभी **चेतन** अवस्था में नहीं है।

2. निम्नलिखित शब्दों में विपरीतार्थक शब्द लिखिए–

सज्जन	=	**दुर्जन**	शर्म	=	**बेशर्म**
निर्भीक	=	**भीरू**	साधारण	=	**असाधारण**
विद्वान	=	**अविद्वान**	प्रवेश	=	**निषेध**

4. निम्नलिखित शब्दों को बहुवचन में बदलिए–

शिक्षा	=	**शिक्षाएँ**	शिक्षक	=	**शिक्षकों**
दुकान	=	**दुकानें**	स्त्री	=	**स्त्रियाँ**
बूढ़ा	=	**बूढ़ें**	संस्था	=	**संस्थाएँ**

कार्यकलाप

स्वयं करें।

9 बदला तो मैंने भी लिया था

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) 'हॉकी का जादूगर' मेजर ध्यानचंद को कहा जाता है।

(ख) 'पंजाब रेजिमेंट' और 'सैपर्स एंड माइनर्स' टीम के बीच मुकाबला हो रहा था।

(ग) बुरा काम करने वाला आदमी हर समय डरा रहता है कि उसके साथ भी बुराई की जाएगी।

(घ) मेजर ध्यानचंद के अनुसार लगन, साधना और खेल-भावना यही सफलता के सबसे बड़े मंत्र हैं।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) मेजर ध्यानचंद को विरोधी टीम के एक लड़के ने सिर पर हॉकी मार दी जिससे ध्यानचंद की टीम मैच हार जाए।

(ख) ध्यानचंद ने हमलावर खिलाड़ी की टीम को छह गोल से हराकर बदला लिया।

(ग) लेखक के अनुसार 'लगन, साधना और खेल-भावना सफलता के मूल-मंत्र हैं।

(घ) हॉकी खेलने के ढंग से प्रभावित होकर ध्यानचंद को 'हॉकी का जादूगर' कहा जाता है।

(ङ) ध्यानचंद को खेल-भावना से हिटलर भी बहुत प्रभावित हुए। हिटलर ने उन्हें जर्मनी आकर मार्शल बनाने का निमंत्रण दिया।

(च) हमें खेलते समय ध्यान रखना चाहिए कि हार-जीत किसी एक की नहीं बल्कि पूरे देश की है।

4. निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिए–

लगन, साधना और खेल-भावना यही सफलता के मूल-मंत्र हैं। मेजर ध्यानचंद के अनुसार भी सफलता के यही मूलमंत्र है।

5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) उन दिनों मैं **पंजाब रेजिमेंट** की ओर से खेला करता था।

(ख) तुम चिंता **मत** करो, मैं इसका **बदला** जरूर लूँगा।

(ग) मुझसे मेरी **सफलता** का राज जानना चाहते हैं।

(घ) 16 साल की उम्र में मैं **फर्स्ट ब्रेहिमन रेजिमेंट** में एक साधारण **सिपाही** के रूप में भरती हो गया।

(ङ) उस समय मैं सेना में **लॉस नायक** था।

(च) उन्होंने मुझे **हॉकी का जादूगर** कहना शुरू कर दिया।

(छ) **हिटलर** ने भी अपनी ओर से मुझे एक पदक दिया था।

व्याकरण ज्ञान

स्वयं कीजिए

कार्यकलाप

स्वयं करें।

10 थॉमस एल्वा एडीसन

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) अमेरिका के 'मीलान' नामक स्थान पर 11 फरवरी, 1847 को एडीसन का जन्म हुआ था।

(ख) एडीसन के पिता का नाम सैमुअल एडीसन तथा माता का नाम लैंसी इलियट था।

(ग) बालक एडीसन का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहता था।

(घ) एडीसन एक दिन गाड़ी में परीक्षण कर रहा था कि अचानक फास्फोरस से आग लग गई।

(ङ) एडीसन के कुछ महत्त्वपूर्ण आविष्कार निम्न है—स्वयं तार लेखन यंत्र, विद्युत प्रकाश, फोनोग्राफ, सिनेमा फोटो यंत्र, ध्वनिवर्धक यंत्र।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) विज्ञान ने ही मनुष्य के जीवन को सुगम और सरल बना दिया है।

(ख) एडीसन के पिता सेना में नौकरी करते थे और माताजी स्कूल में अध्यापिका थी।

(ग) एडीसन द्वारा गाड़ी में परीक्षण करते समय फास्फोरस में आग लग गई। जिससे गॉर्ड को बहुत गुस्सा आ गया और उसने एडीसन की कनपटी पर एक घूँसा जमाया जिससे एडीसन कुछ बहरा-सा हो गया। फिर वह पहले की तरह सुनने योग्य जीवन-भर न हो सका।

(घ) एडीसन को न्यूयॉर्क की एक कंपनी में अच्छी नौकरी मिल गई। उसने कंपनी के एक बिगड़े हुए यंत्र को बिल्कुल ठीक कर दिया। इस पर उसे सब कारीगरों का मुखिया बना दिया गया और अब उसे 300 डॉलर मासिक वेतन मिलने लगा।

(ङ) अक्टूबर, 1931 में इस महान् वैज्ञानिक का देहांत हो गया।

(च) इस महान वैज्ञानिक की जीवन-ज्योति बुझ गई, परंतु उनके द्वारा दिया गया बिजली का बल्ब आज भी जगमगा रहा है। एडीसन द्वारा किए गए आविष्कार आज भी उपयोग किए जा रहे है।

4. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) **विज्ञान** ने मनुष्य को जीवन को सुगम और सरल बना दिया है।

(ख) अमेरिका के 'मीलान' नामक स्थान पर 11 फरवरी, 1847 को **एडीसन** का जन्म हुआ था।

(ग) बालक एडीसन का **स्वास्थ्य** अच्छा नहीं रहता था।

(घ) क्रोध में आकर गार्ड ने एडीसन की **कनपटी** पर एक घूँसा जमाया।

(ङ) बोस्टन नगर में जाकर उसने तार का एक कठिन काम कर दिखाया जिससे उसे फिर **तारघर** में नौकरी मिल गई।

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों में से कर्ता को अलग करके लिखिए–

(क) एडीसन (ख) गार्ड (ग) राष्ट्रपति

2. **निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–**

देहांत = **देहा + अंत** प्रोत्साहित = **प्र + ओत्साहित**

सदुपयोग = **सद + उपयोग** प्रयोगशाला = **प्रय + ओगशाला**

कार्यकलाप

छात्र स्वयं करें।

11 पारसमणि

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. **सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–**

उत्तर– (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) आदमी को रात में सपने में भगवान दिखाई दिए।

(ख) हीरे को नदी में फेंक दिया।

(ग) भगवान बुद्ध और भगवान महावीर का उदाहरण देकर लेखक ने कहा कि अगर पैसे में और पैसे के वैभव में ही सब कुछ होता तो भगवान बुद्ध क्यों घर-बार छोड़ते और क्यों भगवान महावीर राजपाट का त्याग करते।

(घ) प्रसिद्ध वैज्ञानिक आइस्टीन ने लिखा था। आगे आने वाली पीढियाँ मुश्किल से विश्वास कर पाएँगी कि इस धरती पर हाड़-मांस का बना गाँधी- जैसा व्यक्ति कभी चलता-फिरता था।

(ङ) धन का खोट आदमी को तब मालूम होता है, जब वह खरा बनने लगता है।

(च) आदमी ने देवदूत से कहा ''भैया मेरा नाम उन लोगों में लिख लेना, जो इंसान की सेवा करते हैं?''

(छ) विनोबा भाव को चालीस लाख एकड़ से ऊपर जमीन दान में मिली।

लिखित– Based on NEP 2020

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) हीरे को पाने के बाद आदमी के मन में एक विचार पैदा हुआ, 'साधु ने इसे यों ही क्यों डाल रखा है? जरूर उसके पास इस हीरे से भी मूल्यवान कोई चीज है, जिसने ऐसी अनमोल चीज को मिट्टी के मोल बना दिया है। यह हीरा तो आज है, कल नहीं। मुझे वही चीज प्राप्त करनी चाहिए जो हीरे को भी ठीकरा कर देती है।'

(ख) जिसके पास धन से भी कीमती कोई दूसरी चीज होती है, उसे धन फीका लगता है। कहा भी गया है कि जिसके पास केवल धन है उससे बढ़कर गरीब और कोई नहीं है। मुझसे धनी कोई नहीं है क्योंकि मैं बिना भगवान के और किसी का दास नहीं हूँ। आदमी के आगे धन-दौलत की कोई कीमत नहीं है।

(ग) धन-दौलत की दौड़ में व्यक्ति दिन-रात दौड़ रहे हैं। उनके जीवन में सहजता नहीं रहती और जीवन में उतावली और उलझनें रहती है, उसे नींद के लिए नींद की गोलियों का सहारा लेना पड़ता है।

(घ) गाँधी जी ने आडंबर छोड़ दिए। सादगी का जीवन बनाया और बिताया। वह समझ गए थे कि जो आनंद सादगी की जिंदगी में है, वह पैसे की जिंदगी में नहीं।

(ङ) दुनिया में सबसे दुर्लभ आदमी का शरीर है। सारे प्राणियों में आदमी को ऊँचा माना गया है और वह इसलिए कि आदमी के पास बुद्धि है, विवेक है। संसार में जितनी ईजादें हुई हैं, सब बुद्धि के जोर पर हुई हैं।

(च) मानव जाति की सेवा करने वाले लोग है—गाँधी जी, हजरत मुहम्मद, भगवान बुद्ध, अबूबिन आदम और विनोबा भावे।

(छ) धन से आप कुछ लोगों को अपनी ओर खींच सकते हैं, सेना से कुछ और ज्यादा पर विजय पा सकते है, लेकिन सेवा की बड़ी महिमा है। जो मानव जाति की सेवा करता है। उससे बड़ा धनी कोई नहीं हो सकता। इसलिए सारी दुनिया को तो सेवक ही जीत सकता है।

4. **रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्दों द्वारा कीजिए–**

(क) **रवींद्रनाथ ठाकुर** की यह रचना बड़ी ही सीख देने वाली है।

(ख) एक आदमी को रात में सपने में **भगवान** दिखाई दिए।

(ग) अमुक जगह पर एक **साधु** रहता है, उससे मिलो।

(घ) उसके पास **एक हीरा** है, उसे ले लो।

(ङ) उसने उन्हें **सपने में भगवान के दर्शन** देने और उनसे मिलकर बात बताई।

(च) जाओ, वहाँ नदी किनारे **पेड़ के नीचे** हीरा पड़ा है, उसे ले लो।''

व्याकरण ज्ञान

1. **निम्नलिखित वाक्यों को भूतकाल में बदलकर लिखिए–**

(क) रवींद्रनाथ ठाकुर की एक बड़ी-सी सीख देने वाली रचना थी।

(ख) पेड़ के नीचे सचमुच बड़ा कीमती हीरा पड़ा था।

(ग) एक महान व्यक्ति ने कितनी बढ़िया बात कही थी।

(घ) लेकिन वह चाहता था कि उसके देशवासी खूब खुशहाल हों।

(ङ) बहुत-से लोग ऐसा करते थे, पर यह रास्ता सबका रास्ता नहीं था।

2. **निम्नलिखित वाक्यांशों का अर्थ लिखकर इनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

(क) अचरज की सीमा न रहना = आश्चर्यचकित होना
परीक्षाफल देखने के बाद मेरी **अचरज की सीमा नहीं** रही।

(ख) मिट्टी के मोल बना देना = सस्ती होना
आलू की पैदावार ज्यादा होने के कारण इस बार आलू **मिटटी के मोल हो** गए।

(ग) खुशहाल रहना = सुखी होना
नौकरी लग जाने पर सुरेश का परिवार **खुशहाल हो गया।**

(घ) पैसे की होड़ में रहना = लालची होना
लोग आजकल **पैसे की होड़** में लगे रहते हैं।

(ङ) नाम अमर हो जाना = मशहूर हो जाना
परोपकारी व्यक्तियों का नाम **अमर हो जाता** है।

3. **निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए–**

धन	=	**धनवान**	दिन	=	**दैनिक**
शरीर	=	**शारीरिक**	महानता	=	**महान**
रेगिस्तान	=	**रेगिस्तानी**	सादगी	=	**सादा**
बुरा	=	**बुराई**	समाज	=	**सामाजिक**

4. **निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया सकर्मक है या अकर्मक, बताइए–**

(क) सकर्मक (ख) सकर्मक (ग) अकर्मक (घ) सकर्मक (ङ) अकर्मक

5. **निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए–**

साधु	=	**साधु**	हीरा	=	**हीरे**
ठीकरा	=	**ठीकरा**	घटना	=	**घटनाएँ**
चीज	=	**चीजें**	बुराई	=	**बुराइयाँ**
सभा	=	**सभाएँ**	ग्रंथ	=	**ग्रंथों**

कार्यकलाप

छात्र स्वयं करें।

12 चंद्रशेखर आजाद

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (ii) (ख) (iii) (ग) (ii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) चंद्रशेखर आजाद का जन्म मध्य प्रदेश में झबुरा जिले के भाबरा नामक ग्राम में हुआ था।

(ख) सिपाही सत्याग्रहियों को अपने जूतों से मार रहा था और उन्हें गालियाँ भी दे रहा था। इसलिए बालक चंद्रशेखर ने सिपाही पर हमला किया।

(ग) रामप्रसाद बिस्मिल तथा आजाद ने दल के संगठन के लिए रुपयों की व्यवस्था करने के लिए काकोरी के पास यात्री गाड़ी को रोककर सरकारी खजाना लूट लिया।

(घ) आजाद ने अपनी कनपटी पर गोली इसलिए मारी क्योंकि वह जीते-जी अंग्रेजों के हाथों में नहीं आना चाहते थे।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) चंद्रशेखर आजाद एक महान क्रांतिकारी थे। इनके पिता का नाम पं० सीताराम तिवारी थे।

(ख) एक बार काशी के जिला मजिस्ट्रेट की अदालत में खचाखच भीड़ के बीच से हथकड़ी से जकड़े सोलह वर्ष के एक बालक को सिपाही बड़ी सतर्कता से लाए। यह बालक महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद था। बालक से संबंधित मुकदमे की पैरवी शुरू हुई।

मजिस्ट्रेट ''तुम्हारा नाम क्या है?''

बालक ''आजाद।''

मजिस्ट्रेट ''तुम्हारा घर कहाँ है?''

बालक ''जेलखाना।''

मजिस्ट्रेट (गुस्से से) ''तुम काम क्या करते हो?''

बालक ''भारत-माँ को स्वाधीन कराने की साधना।''

अब मजिस्ट्रेट ने पूछा कि ''क्या तुमने सिपाही पर हमला किया?''

बालक ने कहा, ''हाँ! क्योंकि सिपाही सत्याग्राहियों को अपने जूते से मार रहा था और उन्हें गालियाँ भी दे रहा था।''

इसके बाद मजिस्ट्रेट ने आज्ञा दी, ''इसे ले जाकर 15 कोड़े मारो और मुक्त कर दो।''

(ग) आजाद हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन सेना का प्रधान सेनापति नियुक्त हुए।

(घ) चंद्रशेखर आजाद पुलिस की चंगुल में नहीं आए। आजाद किसी जंगल या पहाड़ में छिपकर नहीं रहते थे। वे अपना नाम और वेश बदलकर जगह-जगह पर घूमते थे और अपने दल का संगठन करते थे।

(ङ) आजाद की देख-रेख में भगतसिंह और राजगुरु ने लाहौर के उपाधीक्षक सांडर्स को गोली से मार दिया, जिसकी लाठी से लाला जी घायल हुए थे।

(च) जब चंद्रशेखर आजाद अल्फ्रेड पार्क में बैठे हुए थे तब उन्हें पुलिस ने घेर लिया। आजाद को सारी स्थिति समझते देर न लगी और एक विशाल पेड़ की आड़ में स्थिर होकर अपनी रिवाल्वर से गोलियाँ चलाने लगे। लगभग एक घंटे तक दोनों पक्षों से गोलियाँ चलती रहीं। जब अंत में उनकी रिवाल्वर में एक गोली बची तो उन्होंने उसे स्वयं अपनी कनपटी पर दाग दी। क्योंकि उन्होंने कसम खा रखी थी कि वे कभी भी जीते जी अंग्रेजों के हाथ में नहीं आएँगे।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) आजाद हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन सेना के प्रधान **सेनापति** नियुक्त हुए।

(ख) 9 अगस्त, **1925 को** काकोरी के पास एक यात्री गाड़ी रोककर सरकारी खजाना लूटा गया।

(ग) भगतसिंह और बटुकेश्वर दत्त ने असेंबली में **बम** फेंका।

(घ) अंग्रेजी सरकार बराबर जनता को कुचलने की **नीतियाँ** बनाती गई।

(ङ) क्रांतिकारी दल का उद्देश्य डाके डालना या दूसरों ही हत्याएँ करना नहीं, बल्कि देश को **आजाद** कराना था।

(च) **चंद्रशेखर आजाद** कभी भी पुलिस के चंगुल में नहीं आए।

व्याकरण ज्ञान

1. इस पाठ में आए संज्ञा को उनके भेदों के आधार पर अलग-अलग करके लिखिए।

भगतसिंह,आजाद, भारत	—	**व्यक्तिवाचक संज्ञा**
खचाखच भीड़, शृंखलाबद्ध	—	**समुदायवाचक संज्ञा**
वीर, सिपाही, क्रांतिकारी	—	**जातिवाचक संज्ञा**
लाठी, गोली, रिवाल्वर	—	**द्रव्यवाचक संज्ञा**
रोष, खुशी, दुख	—	**भाववाचक संज्ञा**

2. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) बलिदान = अनेक देशभक्तों ने देश के लिए **बलिदान** दिया।

(ख) जीविकोपार्जन = मजदूर अपने **जीविकोपार्जन** के लिए बहुत मेहनत करते थे।

(ग) पराधीनता = हमारा देश पहले अंग्रेजों के **पराधीन** था।

(घ) सत्याग्रही = विनोवा भावे **सत्याग्रही** भी थे।

(ङ) स्थगित = स्कूल में इस बार बाल-दिवस पर होने वाला कार्यक्रम **स्थगित** कर दिया।

(च) अवलंबन = बुढ़ापे में लाठी का ही **अवलंबन** होता है।

3. इस पाठ में प्रयुक्त सर्वनाम शब्दों को छाँटकर लिखिए।

उन्हें, वे, मैं, यह, इसकी, हमारा, तुमने, वह, उनकी, इन्हें, उनसे, वही।

4. पाठ में प्रयुक्त विशेषण शब्दों को छाँटकर लिखिए।

अपना, 15 कोड़े, लगभग, आठ रुपया, छोटी-सी, बहुत-से, हँसते, विदेशी।

5. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर इनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) मौत की नींद सो जाना = मृत्यु हो जाना
बीमारी से लड़ते लड़ते मरीज **मौत की नींद सो** गया।

(ख) वीरगति को प्राप्त होना = शहादत को प्राप्त होना
युद्ध में बहुत-से सैनिक **वीरगति को प्राप्त हो** गए।

(ग) जान हथेली पर रखना = प्राणों की परवाह न करना
सैनिक **जान हथेली पर रखकर** युद्ध के मैदान में जाते है।

6. पाठ में प्रयुक्त दो एकवचन क्रिया वाले और दो बहुवचन क्रिया

वाले वाक्य लिखिए।

(i) पंद्रह वर्ष की अवस्था में आजाद विद्याध्ययन करने के लिए काशी आ गए।

(ii) आजाद ने झाँसी में मोटर चलाना सीखा।

(iii) अनेक लोग उसकी प्रतीक्षा कर रहे थे।

(iv) रामप्रसाद बिस्मिल और आजाद ने मिलकर सरकारी खजाना लूटा था।

कार्यकलाप

छात्र स्वयं करें।

13 कसौटी

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) फालू का असली नाम अशोक है।

(ख) हाँ, मसूरी पहाड़ों पर स्थित उत्तराखंड राज्य में है।

(ग) नहीं, सुनार कसौटी पर सोने को परखता है।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) फालू श्रीमती विद्यावती कौशल का छोटा लड़का है। पाँच वर्ष की आयु में वो बूढ़ा सलाहकार भी, तरुण सेवक भी है।

(ख) बच्चों के खेलघर के पास लेखक ने देखा कि एक नौकर किसी धनी परिवार के दो बालकों को लिए खड़ा है।

(ग) नौकर की ललकार पर लेखक ने फालू से कहा, "फालू, हम घूमने जा रहे हैं, तू जा झूल-खेल, हम लौटते समय रात में तुझे ले लेंगे।"

(घ) खेलघर के मुंशी ने उनसे कहा कि आप बच्चे को छोड़ गए, यह नौ बजे तक खेलता रहा। पर जब मैंने खेलघर बंद किया और आप नहीं आए तो मुझे लगा कि यह जरुर रोएगा। इसलिए इसे बिना बताए मैं छिपकर बैठे गया। लेकिन यह घबराया नहीं और खेलता रहा। सचमुच बाबू जी, यह तो शेर बच्चा है।

(ङ) फालू के बड़े भाई प्रमोद के आने पर फालू के व्यवहार में परिवर्तन आया। अब हर काम फालू प्रमोद पर टालता, कन्नी काट जाता था या खुद बहरा-सा हो जाता। काम को प्रमोद करें, वहीं क्यों करे।

(च) लेखक ने उक्त पंक्ति इसलिए कहीं क्योंकि जब किसी काम को दो आदमी करने लगे तो वह पहले से जल्दी व सुंदर होना चाहिए।

(छ) नागरिकों में सामूहिक उत्तरदायित्व का बोध किसी भी राष्ट्र के जीवित होने की सर्वोत्तम कसौटी है।

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रियाविशेषण और संबंधबोधक शब्दों को छाँटकर अलग-अलग लिखिए

(क)	घुस आए है	— **क्रिया विशेषण**	के अंदर	— **संबंधबोधक**
(ख)	मैंने यह	— **क्रिया विशेषण**	पहले भी	— **संबंधबोधक**
(ग)	बच्चे	— **क्रिया विशेषण**	बाहर	— **संबंधबोधक**
(घ)	बैठी है	— **क्रिया विशेषण**	के नीचे	— **संबंधबोधक**
(ङ)	भीतर आए	— **क्रिया विशेषण**	अंदर	— **संबंधबोधक**

2. उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय अलग करके लिखिए–

पुष्पित	= **पुष्प + इत**	भ्रमित	= **भ्रम + इत**
धार्मिक	= **धर्म + इक**	खंडित	= **खंड + इत**
पल्लवित	= **पल्लव + इत**	गुंजित	= **गुंज + इत**

3. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए–

(क) उत्साह = मैं अपना जन्मदिन बड़े **उत्साह** से बनाती हूँ।

(ख) झिझक = रमेश से पैसे लेते हुए श्याम बहुत **झिझक** रहा था।

(ग) डरपोक = चूहा एक **डरपोक** जीव है।

(घ) सद्भावना = पंद्रह अगस्त को **सद्भावना** यात्रा निकाली जाती है।

कार्यकलाप

छात्र स्वयं करें।

14 गुलाब राजा क्यों?

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) गुलाब जहाँ भी जाता उसकी खुशबू से सब मोहित हो जाते उसके वैभ भवशील व्यक्तित्व के कारण ही गुलाब को राजा कहा गया है।

(ख) सुंदर-सुंदर रंगों वाले फूल बनाने का विचार मन में आते ही ब्रह्मा जी ने फूलों की सभा बुलाई।

(ग) जगह न होने के कारण गुलाब को जंगली फूलों के साथ बैठना पड़ा।

(घ) गुलाब की सुंदरता और खुशबू से प्रभावित होकर सब उसे अपने से दूर हटाना चाहते थे।

(ङ) मानव रूपी फूलों में मानव स्वयं अपने व्यक्तित्व की खुशबू भर सकता है।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) कहानी के अनुसार पहले फूलों का रंग सफेद होता था।

(ख) सफेद फूलों को देखकर ब्रह्मा जी ने सोचा कि क्यूँ न सुंदर-सुंदर रंगों वाले फूल बनाऊँ? अपने चारों ओर की प्राकृतिक छटा को अनूठा रूप दूँ?

(ग) कश्मीर की हसीन वादियों में दूर-दूर तक फैली केसर की क्यारियों में सभा प्रारंभ हुई।

(घ) गुलाब को ब्रह्मा जी ने जंगली फूलों के साथ बैठने का इशारा किया।

(ङ) गेंदा और सूरजमुखी ने पीला रंग लिया।

(च) सबकी नजरों में गुलाब के प्रति श्रद्धा भाव देखकर तथा उसके वैभवपूर्ण व्यक्तित्व की निराली छटा के कारण गुलाब को सर्वसम्मति से राजा चुना गया।

(छ) मानव-फूल में मानव स्वयं अपने व्यक्तित्व की खुशबू भर सकता है। समाज रूपी उपवन को अपने नैतिक गुणों द्वारा महका सकता है।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) हजारों साल पहले **संसार** के सभी **फूलों** का रंग **सफेद** होता था।

(ख) एक दिन उन्होंने **फूलों** की एक सभा बुलाई।

(ग) उसकी **खुशबू** से सबका मन **प्रफुल्लित** हो उठा।

(घ) गेंदा ने अपने लिए **पीला** और **सूरजमुखी** ने भी पीला माँगा।

(ङ) जहाँ रहोगे सबकी शान में **चार चाँद लगाओगे**।

5. किसने, किसको और क्यों कहा?

(क) सभी फूलों के सफेद होने से पहचानने में कठिनाई होने के कारण गेंदे ने ब्रह्माजी से उक्त बात कहीं।

(ख) हर किसी के अपने पास से हटाने के कारण ब्रह्माजी ने गुलाब से उक्त पंक्ति कही।

(ग) सुंदरता और खुशबू तथा वैभवपूर्ण व्यक्तित्व के कारण ब्रह्माजी ने गुलाब से उक्त बात कही।

व्याकरण ज्ञान

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

कहानी	=	**कथा**	सफेद	=	**उजला**
परेशानी	=	**कष्ट**	सौंदर्य	=	**सुंदर**
दृष्टि	=	**नजर**	राजा	=	**नृप**

3. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) अतिरिक्त = मीना को लाल रंग के **अतिरिक्त** कोई रंग अच्छा नहीं लगता।

(ख) स्नेहमयी = माँ हमेशा **स्नेहमयी** होती है।

(ग) वनस्पति = **वनस्पति** शास्त्र में पेड़, पौधों के विषय में पढ़ा जाता है।

(घ) मनमोहक = श्रीकृष्ण की मुस्कान बहुत **मनमोहक** है।

(ङ) सानी = क्रिकेट में सचिन का कोई **सानी** नहीं है।

(च) प्रकृति = **प्रकृति** की छटा मंत्रमुग्ध करने वाली है।

4. उचित शब्द द्वारा रिक्त स्थान भरिए–

(क) मेरे बगीचे में **कुल** पंद्रह फूलों के पौधे हैं।

(ख) वर्षा के बाद शीतल **पवन** बह रही है।

(ग) फूलों के भिन्न-भिन्न **आकार** हैं।

5. निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण शब्दों को अलग कीजिए–

सफेद फूल	=	**सफेद**	हसीन वादियाँ	=	**हसीन**
स्नेहमयी दृष्टि	=	**स्नेहमयी**	प्रफुल्लित मन	=	**प्रफुल्लित**
काला रंग	=	**काला**	खुशबूदार फूल	=	**खुशबूदार**
महकता उपवन	=	**महकता**	अद्भुत रचना	=	**अद्भुत**

कार्यकलाप

छात्र स्वयं करें।

15 भोलाराम का जीव

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) चित्रगुप्त मृत्युलोक के रजिस्टर है और वह रजिस्टर में भोलाराम के जीव का रिकार्ड ढूंढ़ रहे थे।

(ख) यमदूत के हाथों भोलाराम का जीव छूटकर गायब हो गया था। इसलिए वह मृत्युलोक खाली हाथ लौटा।

(ग) नारद पृथ्वी पर भोला राम के जीव के बारे में जानकारी लेने गए थे।

(घ) भोलाराम की दरख्वास्तों पर वजन के रूप में नारद ने अपनी वीणा रख दी, जिससे भोलाराम के परिवार को पेंशन की प्राप्ति हो सके।

(ङ) नारद जी को भोलाराम का जीव पेंशन की दरख्वास्तों में अटका हुआ मिला।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) चित्रगुप्त ने धर्मराज को बताया—''महाराज, आजकल पृथ्वी पर इस प्रकार का व्यापार बहुत चला है। लोग दोस्तों को कुछ चीज भेजते हैं

और उसे रास्ते में ही रेलवेवाले उड़ा लेते हैं। हौजरी के पार्सलों के मोजे रेलवे अफसर पहनते हैं। मालगाड़ी के डिब्बे के डिब्बे रास्ते में कट जाते हैं। एक बात और हो रही है; राजनैतिक दलों के नेता विरोधी नेता को उड़ाकर बंद कर देते हैं।

(ख) लेखक द्वारा समाज के सरकारी विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी की ओर कटाक्ष किया गया है। इन विभागों में बिना रिश्वत के कार्य कराना आसान नहीं होता। जैसे भोलाराम की पेंशन की दरख्वास्तों की फाइल दबी पड़ी है क्योंकि उन पर रिश्वत रूपी वजन नहीं रखा गया।

(ग) उक्त पंक्ति का आशय है—जिस प्रकार पेपर पर वजनी चीज यानि पेपर वेट या पत्थर ना रखा जाए तो वह हवा में उड़ जाता है, इसी प्रकार भोलाराम ने दरख्वास्तों पर रिश्वत रूपी वजन नहीं रखा तो वह हवा में उड़ गई यानि गायब हो गई।

(घ) भोलाराम पेंशन के लिए पाँच साल से दरख्वास्तें दे रहा था परंतु उसकी दरख्वास्तों पर कोई कार्यवाही न होने के कारण भोलाराम का जीव इस फाइल में अटका था। उसका मन उन्हीं दरख्वास्तों में था। और अपनी दरख्वास्ते छोड़कर जाना नहीं चाहता था।

(ङ) इस कहानी में सबसे अच्छा नारद और भोलाराम की पत्नी का संवाद लगा। यह कहानी हमें भ्रष्टाचार और रिश्वत आदि बुराइयों से दूर रहने का संदेश देती है।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) महाराज, **रिकार्ड** सब ठीक है।
(ख) महाराज, वह भी **लापता** है।
(ग) पर भोलाराम का जीव मुझे **चकमा** दे गया।
(घ) पाँच साल हो गए, **पेंशन** पर बैठे।
(ङ) यही हर गृहस्थी का **आधार** है।
(च) उसमें **पेंशन** के कागजात भी थे।

5. किसने कहा–

(क) यमराज ने (ख) यमदूत ने (ग) चित्रगुप्त ने (घ) चपरासी ने (ङ) नारद ने (च) भोलाराम के जीव ने।

व्याकरण ज्ञान

1. समास द्वारा समस्तपद बनाइए–

जाने बिना = **बिना जाने** — हाथ-ही-हाथ में = **हाथोंहाथ**
शक्ति के अनुसार = **यथाशक्ति** — हर मास = **प्रतिमास**
जैसा संभव हो = **यथासंभव** — जन्म भर = **आजन्म**
बिलकुल बीच में = **मध्य** — बिना मतलब के = **बेमतलब**

2. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और इनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) नगण्य = जिसको कोई गिनती न हो
मंदिर में भिखारियों की संख्या **नगण्य** है।
(ख) व्याप्त = संपूर्ण
राज्य में चारों तरफ हरियाली **व्याप्त** है।
(ग) मौलिक = मुख्य
शिक्षा हमारा **मौलिक** अधिकार है।
(घ) क्रंदन = रनलाई, रोना
भूख लगने के कारण बच्चा **क्रंदन** कर रहा है।
(ङ) विकृत = बिगड़ा हुआ
सुरेश का लड़का **विकृत** है।
(च) मुद्दा = उद्देश्य
छात्रों को हमेशा अपना **मुद्दा** याद रखना चाहिए।

3. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

देह = **शरीर, काया** — हुक्म = **आज्ञा, आदेश**
पत्नी = **भार्या, गृहिणी** — मृत्यु = **निधन, देहांत**
मूर्ख = **अज्ञ, मूढ़** — स्वर्ग = **देवलोक, सुरलोक**

4. निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए–

(क) गाँधी जी के नाम से सभी परिचीत है।
(ख) कृति ने अपना काम समाप्त कर लिया।
(ग) विनय तुम यह कार्य अभी मत करो।
(घ) क्या साहिल पुस्तक पढ़ चुका?
(ङ) क्या आज वर्षा नहीं हो रही?

5. निम्नलिखित वाक्यों को उचित विस्मयादिबोधक शब्दों से पूर्ण कीजिए–

उत्तर–धन्य! हैं ऐसे वीर।
हाय! वह तो बर्बाद हो गया।
शाबास! मुझे तुमसे ऐसी ही उम्मीद थी।
अरे! ऐसा नहीं कहते।
बाप रे बाप! कितना बड़ा साँप।
ओह! तो ये तुम्हारा काम है।
आहा! कितनी सुहावनी हवा चल रही है।
हे भगवान! हमारी रक्षा करो।

6. इस पाठ में अनेक उर्दू और अंग्रेजी के शब्दों का प्रयोग हुआ है। पाठ से छह उर्दू तथा छह अंग्रेजी के शब्द छाँटकर उनके हिंदी पर्याय लिखिए–

उत्तर–उर्दू हिंदी अंग्रेजी हिंदी

उर्दू	**हिंदी**
सिफारिश	किसी के गुणों का दूसरे से अनमोदन करना
देह	काया
द्वार	दरवाजा
दरख्वास्त	अर्जी
फुरसत	खाली समय
रीति-रिवाज	परिपाटी
अंग्रेजी	**हिंदी**
अलॉट	कब्जा देना/लेना
रिकॉड	हिसाब-किताब रखना
पार्सल	बंडल
ओवरसियर	आयकर
इनकम टैक्स	आयकर
पेशंन	रोजगार निवृत्ति वेतन

कार्यकलाप

छात्र स्वयं करें।

16 शरणागत के लिए

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) राणा हमीर अपने दरबार में बैठे अपना राज-काज देख रहे थे।

(ख) अपने प्राणों की रक्षा के लिए माहमशाह राजा की शरण में आया।

(ग) राजा हमीर द्वारा माहमशाह को अलाउद्दीन के सुपुर्द ना करने के कारण अलाउद्दीन और राणा हमीर के बीच युद्ध हुआ।

(घ) रणथम्भोर की ये शहादतें, ये बलिदान, ये कुरबानियाँ वीरता के इतिहास में अपना जोड़ नहीं रखतीं और आज सदियों बाद भी उनसे अगरबत्तियों-सी, जीवन के सौरभ की भीनी एवं प्रेरक सुगंध आ रही है।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) हमीर की शरण में अलाउद्दीन का खादिम माहमशाह आया। बादशाह ने नाराज होकर माहमशाह को फाँसी की सजा सुनाई। इस डर से वह जेल से फरार हो गया और अपने प्राणों की रक्षा के लिए हमीर की शरण में आया।

(ख) माहम को अन्य राजाओं ने शरण इसलिए नहीं दी क्योंकि माहम अलाउद्दीन का भगोड़ा था और उसे शरण देकर कोई भी बादशाह को नाराज नहीं करना चाहता था।

(ग) हमीर के सरदारों की राय थी, ''महाराज, माहमशाह की तलवार आज आपकी शरण में है, पर कल तक वह हमारे खून की प्यासी थी। हम उसे अपनी छाया में लेकर दिल्ली के तख्त की लपलपाती क्रोधाग्नि को न्यौता क्यों दें?''

(घ) मनुष्य की सोच ने समझने की शक्ति को व्यवहार बुद्धि कहते है।

(ङ) अलाउद्दीन खिलजी ने हमीद को संदेश पहुँचाया, ''क्या तुम नहीं जानते, हमीर! जो तुमने माहम को अपनी छत दी? खैर, मैं भूलों को माफ़ करना जानता हूँ। कोई बात नहीं, माहम को अपनी देख-रेख में मेरे सुपुर्द करो और अपने कसूर की माफ़ी माँगो।''

(च) एक तरफ अपने बादशाह के लिए लड़ने वाले फौजें तो दूसरी तरफ अपनी आन पर मर मिटने वाले सिपाही। एक तरफ भरपूर साधन, तो दूसरी तरफ भरपूर आन। बादशाह की ताकत जितनी छीजती, दिल्ली से पूरा कर देती, पर हमीर की शक्ति धारा की जो लहर बह जाती, फिर न लौटती। व्यय के सारे रास्ते खुले हुए थे, आय के बंद। काँरू का खजाना और कुबेर का कोष भी यों कब तक टिक पाता।

(छ) यह युद्ध दिल्ली की फौज के लिए एक रण था और रणभम्भोर वालों के लिए यह आत्मदान का यज्ञ था। राजपूतानी स्त्रियों ने जौहर कर लिया था।

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों से तत्सम और तद्भव शब्दों की सूची अलग-अलग बनाइए–

तत्सम शब्द	तद्भव	तत्सम शब्द	तद्भव
उत्साह	घर	क्रोध	आँख
प्राय:	सिर	न्यौता	कर्त्तव्य
रक्षक	दुखिया	शरण	सीमा

2. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) शरण = **शरण** में आए हुए दीनजनों की सदा रक्षा करें।

(ख) संकट = सच्चा मित्र **संकट** के समय कभी साथ नहीं छोड़ता।

(ग) उत्साहित = यात्रा पर जाते समय सभी व्यक्ति बहुत **उत्साहित** हैं।

(घ) क्रोधाग्नि = कृष्ण की हँसी कँस की **क्रोधाग्नि** को बढ़ावा देती थी।

(ङ) वृत्ति = सोमेश की यह निंदा **वृत्ति** किसी को भी अच्छी नहीं लगती।

(च) कर्तव्य = हमें अपने **कर्तव्य** का सदैव पालन करना चाहिए।

3. निम्नलिखित आगत शब्दों के लिए तत्सम या तद्भव हिंदी पर्याय लिखिए–

कहानी	=	**कथा**	सफेद	=	**श्वेत**
नज़दीक	=	**निकट**	फ़रार होना	=	**भागना**
किस्मत	=	**भाग्य**	आखिरी	=	**अंतिम**
माफ़ करना	=	**क्षमा**	हाज़िर	=	**प्रकट**
हुक्म	=	**आज्ञा**	फ़ौज	=	**सेना**

कार्यकलाप

छात्र स्वयं करें।

17 आर्यभट्ट

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) विशाल ब्रह्मांड सदा से मनुष्य की जिज्ञासा का केंद्र रहा है। आकाश में सुशोभित चाँद-सितारों की सुंदरता उसे दीर्घकाल से ऊपर निहारने को बाध्य करती रही है।

(ख) ग्रह-नक्षत्रों की चर्चा आते ही आर्यभट्ट का नाम सर्वप्रथम आता है।

(ग) आर्यभट्ट का जन्म 476 ई० में पाटलिपुत्र में हुआ जो आजकल का पटना है।

(घ) आर्यभट्ट को गणित तथा ज्योतिष विषयों का ज्ञान था।

(ङ) आर्यभट्ट के ग्रंथ का नाम 'आर्यभट्टीय' था।

(च) 'आर्यभट्टीय' संस्कृत भाषा में लिखा गया है।

(छ) 'आर्यभट्टीय' चार भागों में विभाजित है।

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) आर्यभट्ट ज्योतिष के महारथी थे, उन्होंने सदियों से फैले अंधविश्वासों का विरोध करते हुए आकाश के ग्रह-नक्षत्रों की विस्तृत जानकारी समाज को दी। आर्यभट्ट ने सर्वप्रथम संसार को बताया कि पृथ्वी अपनी धुरी पर परिक्रमा करती है। उन्होंने बताया कि चंद्रमा और पृथ्वी की परछाईं पड़ने से ग्रहण होता है। पृथ्वी की छाया जब चंद्रमा पर पड़ती है तो चंद्रग्रहण होता है और चंद्रमा की छाया जब पृथ्वी पर पड़ती है तो सूर्यग्रहण होता है। उन्होंने आज से हजारों वर्ष पूर्व यह ज्ञान दिया कि चंद्रमा स्वयं नहीं चमकता अपितु सूर्य के प्रकाश से चमकता है।

(ख) आर्यभट्ट की पुस्तक और खोजे भारतीय वैज्ञानिक उन्नति तथा अनुसंधान के क्षेत्र में विशिष्ट गौरव रखती है। आर्यभट्ट ज्योतिष के महारथी थे। उन्होंने ज्ञान दिया कि चंद्रमा स्वयं नहीं चमकता अपितु सूर्य के प्रकाश से चमकता है। आकाश के ग्रह-नक्षत्र मनुष्य के जीवन पर प्रभाव डालते हैं, परंतु आर्यभट्टीय में किसी भी प्रकार का अंधविश्वास नहीं झलकता। इन्होंने गणित में भी नए-नए सिद्धांतों की खोज की। उन्होंने बीजगणित का ज्ञान सर्वप्रथम संसार को दिया। वर्णमाला के सारे अक्षरों के लिए संख्यामान निश्चित करके 'अक्षरांक पद्धति' का निर्माण किया। इन्होंने अंकगणित, बीजगणित तथा रेखागणित के अनेक सूत्रों के बारे में अपनी पुस्तक में लिखा।

(ग) युग-युगांतर से मनुष्य न केवल प्रकृति का उपासक रहा है, अपितु उसकी कुशाग्र बुद्धि आकाश में विद्यमान ग्रह-नक्षत्रों की खोज भी करती है। अंतरिक्ष जगत पर किए गए भिन्न-भिन्न अनुसंधानों का ही

परिणाम है कि आज मानव के लिए अंतरिक्ष यात्रा सुलभ हो गई है। प्राचीन काल में देश ने साहित्य, कला, विज्ञान आदि विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय उन्नति की।

(घ) बड़ी-बड़ी संख्याओं को वर्णों के माध्यम से छोटे रूप में लिखने का अद्भुत आविष्कार किया। वर्णमाला के सारे अक्षरों के लिए संख्यामान निश्चित कर दिए। इससे बड़ी-से-बड़ी संख्या को सरलता से लिखा जा सकता था। इस तरीके को 'अक्षरांक पद्धति' कहा जाता है।

(ङ) आर्यभट्ट ने गणितशास्त्र में भी नए-नए सिद्धांतों की खोज की। उन्होंने बीजगणित का ज्ञान सर्वप्रथम संसार को दिया। उन्होंने बड़ी-बड़ी संख्याओं को वर्णों के माध्यम से छोटे रूप में लिखने का अद्भुत आविष्कार किया। वर्णमाला के सारे अक्षरों के लिए संख्यामान निश्चित कर दिए। इससे बड़ी-से-बड़ी संख्या को सरलता से लिखा जा सकता था। इस तरीके को 'अक्षरांक पद्धति' कहा जाता है। उन्होंने अंकगणित, बीजगणित तथा रेखागणित के अनेक सूत्रों के बारे में अपनी पुस्तक में लिखा। प्राचीनकाल में वृत्त तथा घेरे की जानकारी गणितज्ञों को नहीं थी। आर्यभट्ट ने इस अनुपात का अनुसंधान किया तथा बताया कि वृत्त का व्यास दिया हो तो परिधि किस प्रकार ज्ञात की जाए। उन्होंने त्रिकोण की तीन भुजाओं तथा उनके कोणों का अध्ययन किया तथा कोण की मिति की नई पद्धति का आविष्कार किया। इसी से यूनानी गणितज्ञों को ज्यामिती का ज्ञान मिला। उन्होंने गणित के क्षेत्र में जो नए-नए सिद्धांत दिए, उन्हें पढ़कर आज के गणितज्ञ भी उनकी प्रतिभा का लोहा मानते हैं।

(च) आर्यभट्ट ने गणित और ज्योतिष के क्षेत्र में जो नए-नए सिद्धांत दिए, उन्हें पढ़कर आज के गणितज्ञ भी उनकी प्रतिभा का लोहा मानते हैं।

व्याकरण ज्ञान

1. प्रत्येक संधि के तीन-तीन उदाहरण दीजिए-

दीर्घ संधि = **पर + अस्त = परास्त, अभि + इष्ट = अभीष्ट, सती + ईश = सतीश**

गुण संधि = **स्व + इच्छा = स्वेच्छा, सूर्य + उदय = सूर्योदय, सप्त + ऋषि = सप्तर्षि**

वृद्धि संधि = **एक + एक एकैक, महा + ओज = महौज, परम + औषध = परमौषध**

यण संधि = **परि + आवरण पर्यावरण, नि + ऊन = न्यून, सु + आगत = स्वागत**

अयादि संधि = **पो + अन = पवन, नौ + इक = नाविक, गै + अक = गायक**

2. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों से दो-दो शब्द बनाकर उनके अर्थ लिखिए-

उत्तर-आकार (क) वृत्ताकार— वृत के आकार वाला
(ख) निराकार—जिसका आकार न हो

अनुसार (क) मतानुसार— मत के अनुसार चलने वाला
(ख) नियमानुसार—नियम के अनुसार चलने वाला

दार (क) चौकीदार— रखवाली करने वाला
(ख) छायादार—छाया देने वाला

द (क) भेद— अंतर
(ख) खेद —पछतावा

3. नीचे दिए गए मुहावरों के दो अर्थ दिए गए हैं-एक सामान्य और दूसरा मुहावरेदार। प्रत्येक का सही मिलान कीजिए-

उत्तर-

हाथ थामना	→किसी को हाथ से पकड़ लेना	→किसी आदमी को सहारा देना
हाथ खींच लेना	→बढ़ा हुआ हाथ अपनी तरफ को ले आना	→किसी काम से अपने को अलग कर लेना
पैर पकड़ना	→किसी को पैर से पकड़ना	→माफी माँगना गुस्सा करना
आँख दिखाना	→किसी को अपनी आँखे दिखाना	→गलती पर दंड देना
सबक सिखाना उँगली उठाना	→कक्षा में पाठ पढ़ना हाथ से किसी की तरफ इशारा करना	→किसी व्यक्ति परआरोप लगाना

निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए-

जीग्यासा =**जिज्ञासा** परयापत = **पर्याप्त**
वीम्यानीक = **वैज्ञानिक** नम्रदा = **नर्मदा**
इसथिर = **स्थिर** स्पस्ट = **स्पष्ट**

कार्यकलाप

छात्र स्वयं करें।

18 मुक्ति की आकांक्षा

अभ्यास

मौखिक- Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए-

उत्तर- (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) प्रस्तुत कविता के रचियता सर्वेश्वर दयाल सक्सेना हैं।

(ख) पिंजरे के बाहर की धरती निर्मम और बहुत बड़ी है।

(ग) कवि के अनुसार चिड़िया को पीनी के लिए भटकना है।

(घ) उक्त पंक्ति के अनुसार पिंजरे के अंदर चिड़िया को चुगने के लिए मोटा एवं स्वच्छ दाना मिलता है, जबकि बाहर दाने की कमी है।

(ङ) यहाँ बिना किसी संघर्ष के, बिना डर का स्वर है।

(च) पिंजरा टूट जाने पर चिड़िया उड़ जाएगी।

(छ) कविता का शीर्षक 'मुक्ति की आकांक्षा' है। इसका अर्थ है 'आजादी की इच्छा।'

लिखित- Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) कवि ने धरती को निर्मम इसलिए कहा क्योंकि धरती इतनी बड़ी और कठोर है, जहाँ चिड़िया को कोई भी ऐसा नहीं मिलेगा जिसके हृदय में ममता हो। पिंजरे के बाहर की हवा में चिड़िया स्वयं को अकेली ही महसूस करेगी।

(ख) चिड़िया को पिंजरे में कटोरी में जल, मोटा दाना चुगने के लिए मिलता है और उसका स्वर भी बिना संघर्ष, डर का निकलता है।

(ग) चिड़िया मुक्ति का गाना इसलिए गाती है, क्योंकि वह पिंजरे से आजादी हेतु सभी सुख-सुविधाएँ त्यागकर खुले आकाश में उड़ना चाहती है।

(घ) आजादी की चाह सभी भौतिक सुख-सुविधाओं से महत्वपूर्ण होती है। यही इस कविता का मूल स्वर है।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

व्याख्या—चिड़िया को लाख समझाओं कि अपनी आजादी के लिए

वह पिंजरे से बाहर जाना चाहती है, परंतु पिंजरे के बाहर की धरती कितनी बड़ी, कठोर और निर्मम है। वहाँ की प्रदूषित हवा में उसे खुद अपने शरीर की गंध नहीं मिल पाएगी। वैसे तो पिंजड़े से बाहर समुद्र, नदी, झरने है, परंतु चिड़िया को पीने के पानी के लिए जगह-जगह भटकता ही पड़ेगा।

5. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

(क) चिड़िया **को लाख समझाओ**
कि **पिंजरे के** बाहर
धरती बहुत बड़ी हैं, निर्मम है,
वहाँ हवा में उन्हें
अपने **जिस्मकी गंध तक** नहीं मिलेगी।

(ख) बाहर **बहेलिए का डर** है,
यहाँ निर्द्वंद्व कंठ-स्वर है।
फिर भी **चिड़िया**
मुक्ति **का गाना गाएगी**,

व्याकरण ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) निर्मम = जज ने अपराधी से कहा—तुम एक **निर्मम** हत्यारे हो।
(ख) गंध = फूलों की भीनी-भीनी **गंध** चारों ओर फैल रही है।
(ग) झरना = पहाड़ों पर **झरना** बहता है।
(घ) मुक्ति = सरकार ने सभी बेकसूरों को **मुक्ति** देने का आदेश दिया।
(ङ) आशंका = चोर को **आशंका** है कि पुलिस उसे गोली ना मार दे।
(च) हरसूँ = हम **हरसूँ** प्रात: सैर करने जाते हैं।

3. आवश्यकता के अनुसार इनमें उचित विराम-चिह्न लगाकर इन्हें पुन: लिखिए–

(क) बाबा भारती ने पूछा—"खड्गसिंह, क्या हाल है?"
(ख) खड्गसिंह ने सिर झुकाकर उत्तर दिया, "आपकी दया है।"
(ग) कहो, इधर कैसे आ गए?
(घ) सुलतान की चाह खींच लाई।
(ङ) विचित्र जानवर है। देखोगे तो प्रसन्न हो जाओगे।
(च) मैंने भी बड़ी प्रशंसा सुनी है।
(छ) उसकी चाल तुम्हारा मन मोह लेगी।
(ज) कहते हैं, देखने में भी बड़ा सुंदर है।

कार्यकलाप

छात्र स्वयं करें।

19 मशाल

अभ्यास

मौखिक– Based on NEP 2020

1. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–(क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) मनुष्य ने पंच प्रकृतियों में से सबसे भयानक पावक, अग्नि पर अधिकार किया।
(ख) लेखक के अनुसार बादलों के बीच रह-रहकर प्रकाश की ज्वाला ही पेड़-पौधे, जीव-जंतु जो भी सामने आते, सबको उदरस्थ करती बार-बार आकाश को निगलने के लिए उचकती-उछलती है तो समूची वनस्थली में भगदड़ सी मच जाती हैं।
(ग) मशाल—ज्योति की प्रतीक है?

लिखित– Based on NEP 2020

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) लेखक के अनुसार मनुष्य को ईश्वर से शिकायत थी—हे विधाता दिन बनाकर तुम्हें संतोष नहीं है, तो तुमने रात बनाई। प्रकाश तुम्हारे लिए काफी नहीं था, तो तुमने अंधकार बनाया और हमें उसमें भटकने, तड़पने, बिलबिलाने, चिल्लाने के लिए छोड़ दिया। हम पुकारते रहे, तमसो या ज्योतिर्गमय। और तुम तारे की झिलमिल, चाँद की चकमक, बिजली में लुक-छिप और जुगनू की भुक-भुक के बहाने हम पर मुसकराते रहे, हँसते रहे।
(ख) मशाल का महत्त्व समझने के लिए अपनी कल्पना में अति प्राचीन युग की तरफ देखें कि उस जमाने में जब पहले-पहले मानव इस धरा-धाम पर अवतरित हुआ होगा। उसने देखी होगी उषा की लालिमा, दुपहरिया का दिपदिपाता प्रकाश-पुंज। फिर उसने देखी होगी संध्या की वही लालिमा। लेकिन इस लालिमा को देखते ही वह सहय उठा होगा। रात आ रही है। अंधकार की जननी। अंधकार कितना बड़ा आतंक था। उसके लिए वही अंधकार, जब बाघ-सिंह दहाडेंगे, अजगर फुफकारेंगे। उस अंधकार में कभी आँधी, तूफान, झड़ी-वर्षा का सामना हो गया तब तो मानो उसके लिए प्रलय की घड़ी आ पहुँची। कल्पना करो, वह उस समय कैसा थर-थर काँपता होगा, उसका छोटा-सा प्राण उसकी विशाल दानवी देह में किस तरह व्याकुल हो उठा होगा। अपनी कल्पना को पीछे की तरफ ले जाए तो अपनी मुटठी की इस छोटी-सी चीज की महत्ता समझ में आए। इस प्रकार जिस दिन मशाल बनी दुनिया की सबसे बड़ी क्रांति उसी दिन हुई।
(ग) पंच प्रकृतियों के अंतर्गत क्षिति, जल, पावक, गगन और वायु आते हैं। इनमें सबसे अधिक प्रबल पावक, अग्नि को माना गया है।
(घ) (i) जलते हुए वनों का प्रकाश

4. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए–

आशय—

(क) अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो।
(ख) बाहर का सारा अंधकार हमारे मन में समा गया कभी वहाँ उम्मीद की एक किरण दिखाई देती थी लेकिन अब उस किरण का अस्तित्व ही नजर नहीं आता।
(ग) मानव ने प्रलयकारी पावक को, अपने बुद्धिबल से अपनी मुट्ठी में मशाल के रूप में पकड़ा। जिस दिन मशाल बनी दुनिया की सबसे बड़ी क्रांति उसी दिन हुई।

5. उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) उसने देखी उषा की **लालिमा**।
(ख) पखेरुओं के **कंठ-से-कंठ** मिलाकर वह भी **अभिनंदन** कर उठा होगा।
(ग) उसने देखा होगा **दुपहरिया** का दिपदिपाता **प्रकाश-पुंज**।
(घ) किसी वृक्ष की **छाया** तले बैठे वह एकटक उसे देखता और उसकी **चकाचौंध** से चमत्कृत होता रहा होगा।
(ङ) फिर, उसने देखी होगी **संध्या** की वही लालिमा, वही पक्षियों का **कलगान**।
(च) लेकिन इस **लालिमा** को देखते ही वह **सहम उठा** होगा।

व्याकरण ज्ञान

1. इस पाठ में प्रयुक्त किन्हीं पाँच समुच्चयबोधकों को चुनकर

लिखिए–

मुटठी में लिया और विधाता को चुनौती दी।

दिन बनाकर संतोष नहीं हुआ तो तुमने रात बनाई।

प्रकाश और अंधकार के संघर्ष का इतिहास पुराना है। अंधकार बनाया और हमें भटकने के लिए छोड़ दिया।

आतंक बना हुआ हैं और ना जाने कब तक बना रहेगा।

2. **चाँद की चकमक, बिजली की लुक-छिप, तारों की झिलमिल, जुगनू की भुक-भुक, इन प्रयोगों को देखिए और निम्नलिखित को पूरा कीजिए–**

(क) नदी की **कल-कल।** (ख) झरने की **झर-झर।**

(ग) बादलों की **गड़-गड़।** (घ) बूँदों की **टिप-टिप।**

3. **पाठ से दस भाववाचक संज्ञाएँ छाँटकर उनका लिंग बताइए; जैसे–शोषण (पुल्लिंग), बालिका (स्त्रीलिंग)।**

भयानक	(पुल्लिंग)	बेहोश	(पुल्लिंग)
संतोष	(पुल्लिंग)	लालिमा	(स्त्रीलिंग)
सहम	(पुल्लिंग)	उत्पीड़न	(पुल्लिंग)
काँपता	(पुल्लिंग)	छटपटाहट	(स्त्रीलिंग)
व्याकुल	(पुल्लिंग)	तड़पन	(स्त्रीलिंग)

4. **निम्नलिखित अनुच्छेद में से सर्वनाम शब्दों को छाँटकर लिखिए–**

उसके लिए, वह, उसका, उसकी, जो, उस।

कार्यकलाप

छात्र स्वयं करें।